आज का विचार
जीवन में व्यस्त रहिए क्योंकि दुखी होने का सीधा संबंध आपके खाली रहने से है।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । शुक्रवार, 10 अप्रैल, 2026 | वर्ष 24, अंक 86, मूल्यः 3 रुपए, | पृष्ठ 8 | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | www.citydarpan.com

विश्व शांति के लिए नवकार मंत्र का सामूहिक जाप प्रासंगिक: केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब विश्व के विभिन्न हिस्सों में अपने विचारों को स्थापित करने के लिए संघर्ष की स्थिति बनी हुई है, ऐसे समय में समस्त मानवता के कल्याण के लिए नवकार मंत्र का सामूहिक जाप अत्यंत सार्थक और प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि आज विश्व को शांति, सौहार्द और आपसी समझ की आवश्यकता है, जिसे इस प्रकार के आध्यात्मिक प्रयासों के माध्यम से सशक्त किया जा सकता है।

गृह मंत्री गुरुवार को यहां आयोजित विश्व नवकार महामंत्र दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारतीय संस्कृति की आध्यात्मिक परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत विविध धर्मों और संप्रदायों का देश है, जहां प्रत्येक परंपरा में मंत्रों की विशेष महत्ता और आध्यात्मिक शक्ति का वर्णन मिलता है।

अमित शाह ने कहा कि मंत्र मानव जीवन को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। हमारे चैतन्य को जागृत करते हैं और शुभ संकल्पों को दृढ़ बनाते हैं। उन्होंने कहा कि जब श्रद्धा और एकाग्रता के साथ लोग सामूहिक रूप से एक ही मंत्र का जाप करते हैं, तो उसका प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समाज, राष्ट्र और पूरे विश्व पर सकारात्मक रूप से पड़ता है।

उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों और सिद्धों ने पीढ़ियों तक तप और साधना करके ऐसे मंत्रों की रचना की है, जो समस्त मानवता के कल्याण के लिए हैं। इन मंत्रों को केवल श्रद्धा से स्वीकार करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों को जीवन में अपनाना भी आवश्यक है।

गृह मंत्री ने नवकार मंत्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पूर्णतः निराकार, निरपेक्ष और सार्वभौमिक प्रार्थना है, जिसमें किसी प्रकार का भेदभाव नहीं है। यह मंत्र किसी विशेष जाति, धर्म, क्षेत्र या काल तक सीमित नहीं है, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए समान रूप से उपयोगी है। यही कारण है कि इस प्रकार की समावेशी प्रार्थना विश्व में अत्यंत दुर्लभ है।

अमित शाह ने बताया कि नवकार मंत्र में नमो शब्द का अर्थ पूर्ण समर्पण है, जो साधक को अहंकार त्यागने और आत्मशुद्धि की दिशा में अग्रसर करता है। नमन करने की प्रक्रिया से ही व्यक्ति के भीतर अहंकार का क्षय प्रारंभ हो जाता है और वह आत्मिक उन्नति की ओर बढ़ता है।

उन्होंने अरिहंत की व्याख्या करते हुए कहा कि अरिहंत वह होता है, जो अपने आंतरिक शत्रुओं जैसे क्रोध, मान, माया और लोभ पर विजय प्राप्त कर लेता है। ऐसे व्यक्ति को जैन शास्त्रों में उच्चतम स्थान दिया गया है। इसी प्रकार सिद्ध वह आत्मा है, जो जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्त होकर पूर्ण अवस्था को प्राप्त कर लेती है। गृह मंत्री ने कहा कि नवकार मंत्र में आचार्य, उपाध्याय और साधुओं को भी नमन किया जाता है। आचार्य संघ के प्रमुख होते हैं और अनुशासन व मार्गदर्शन का कार्य करते हैं। उपाध्याय शास्त्रों के ज्ञाता और शिक्षक होते हैं, जबकि साधु तप, संयम और त्याग के माध्यम से आत्मशुद्धि का मार्ग अपनाते हैं। इन सभी को मिलाकर पंच परमेष्ठी कहा जाता है।

उन्होंने कहा कि नवकार मंत्र का मूल भाव इन पंच परमेष्ठियों के गुणों को आत्मसात करना है। यह मंत्र हमें सिखाता है कि हम महान आत्माओं के गुणों को अपने जीवन में उतारें और आत्मिक विकास की दिशा में आगे बढ़ें। इन पंच परमेष्ठियों में कुल 108 गुण निहित हैं, जिनका सामूहिक रूप से स्मरण और वंदन किया जाता है।

अमित शाह ने युवाओं से विशेष आग्रह करते हुए कहा कि भले ही नवकार मंत्र का गूढ़ अर्थ तुरंत समझ में न आए, फिर भी इसका नियमित अभ्यास जारी रखना चाहिए। मय के साथ इसकी गहराई को समझा जा सकता है, विशेषकर आचार्यों और विद्वान संतों के मार्गदर्शन में।

उन्होंने कहा कि नवकार मंत्र की परंपरा हजारों वर्षों से चली आ रही है और इसमें 24 तीर्थंकरों तथा उनके अनुयायियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्रारंभ में यह मंत्र मौखिक परंपरा के माध्यम से आगे बढ़ा, बाद में शिलालेखों और ग्रंथों में इसका उल्लेख हुआ। गृह मंत्री ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में, जब अशांति और तनाव का वातावरण बना हुआ है, नवकार मंत्र का सामूहिक उच्चारण वातावरण की शुद्धि के साथ-साथ मानसिक शांति प्रदान करने में सहायक हो सकता है। इससे समाज में सौहार्द, संवेदनशीलता और आपसी सहयोग की भावना को भी बल मिले।

भय नहीं, भरोसे से आएगा पश्चिम बंगाल में निवेश: नरेंद्र मोदी

कहा- वर्तमान सरकार ने राज्य को विकास के पैमानों पर पीछे धकेला

एजेंसी (हि.स.)
हल्दिया

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के हल्दिया में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की सत्तारूढ़ अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला और कहा कि निवेश का माहौल डर से नहीं बल्कि भरोसे से बनता है, जो केवल भाजपा ही दे सकती है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव सामान्य नहीं, बल्कि बंगाल के वैभव को पुनर्स्थापित करने का चुनाव है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल कभी देश की आर्थिक और औद्योगिक प्रगति का केंद्र हुआ करता था, लेकिन वर्तमान सरकार ने राज्य को विकास के पैमानों पर पीछे धकेल दिया है। उन्होंने हल्दिया के ऐतिहासिक महत्व का जिक्र करते हुए कहा कि प्राचीन काल में यह क्षेत्र वैश्विक व्यापार का प्रमुख केंद्र था और आधुनिक भारत में भी एक बड़ा औद्योगिक हब रहा है, लेकिन अब यहां की फैक्टरियां बंद हो रही हैं।

मोदी ने तृणमूल पर भय और सिंडिकेट की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उद्योग और फैक्टरियां गुंडाराज से नहीं बल्कि भरोसे से चलती हैं। जिन राज्यों में भाजपा की सरकार है, वहां विकास और निवेश का माहौल इसी भरोसे पर खड़ा हुआ है और बंगाल में भी ऐसा ही मॉडल लागू किया जाएगा।

रोजगार और पलायन के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कभी हल्दिया में लोग रोजगार के लिए आते थे, लेकिन आज यहां के युवा काम की तलाश में दूसरे राज्यों की ओर पलायन कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल सरकार में निजी क्षेत्र में अवसर सीमित हैं और सरकारी भर्तियों में भ्रष्टाचार हुआ है, जिससे युवाओं के सपने टूटे हैं।

राजनीतिक हमले को तेज करते हुए मोदी ने कहा कि राज्य में कट मनी और कमीशन का सिस्टम चल रहा है, जिससे आम जनता परेशान है। उन्होंने दावा किया कि बंगाल के लोग इस बार बदलाव का मन बना चुके हैं और भाजपा की जीत का उत्साह जनता में साफ दिखाई दे रहा है।

उन्होंने नंदीग्राम का जिक्र करते हुए कहा कि पांच साल पहले वहां के नतीजों ने परिवर्तन का रास्ता दिखाया था और अब भवानीपुर में भी वही दोहराया जाएगा। यह संकेत था 2021 के विधानसभा चुनाव में हुए मुकाबले का, जहां सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को कड़ी चुनौती दी थी।

ममता सरकार संविधान के विपरीत बना रही है नीति

धर्म आधारित आरक्षण के मुद्दे पर प्रधानमंत्री ने तृणमूल सरकार को घेरते हुए आरोप लगाया कि वह अपने वोटबैंक को साधने के लिए संविधान के खिलाफ जाकर नीतियां बना रही है। उन्होंने कहा कि अदालतें इस तरह के प्रयासों को बार-बार खारिज कर चुकी हैं, लेकिन तुष्टीकरण की राजनीति के कारण सरकार न तो न्यायपालिका का सम्मान कर रही है और न ही संविधान का। मोदी ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर सभी योजनाएं संविधान के अनुसार लागू की जाएंगी और हर वर्ग को उसका अधिकार मिलेगा। उन्होंने विशेष रूप से माहिष्य समुदाय का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी मांगों को लंबे समय से नजरअंदाज किया जा रहा है। केंद्र सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के कारण देश में मछली और झींगा उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, लेकिन बंगाल में इस योजना को ठीक से लागू नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल सरकार पीएम नाम से जुड़ी योजनाओं को या तो बदल देती है या लागू नहीं करती। इसी संदर्भ में उन्होंने आयुष्मान भारत योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि यह योजना गरीबों और बुजुर्गों को मुफ्त इलाज देती है, लेकिन बंगाल में इसे लागू नहीं होने दिया गया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक द्वेष के कारण जनता का नुकसान हो रहा है। प्रधानमंत्री ने डबल इंजन सरकार की वकालत करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य में एक ही दल की सरकार होने से विकास तेज होता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भाजपा की सरकार बनने पर बंगाल में बंदरगाह आधारित विकास, ब्लू इकॉनमी और कृषि क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा, जिससे किसानों और मछुआरों को सीधा लाभ होगा। मोदी ने रोजगार सृजन का वादा करते हुए कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद राज्य में भी रोजगार मेले आयोजित किए जाएंगे, ताकि युवाओं को अधिक अवसर मिल सकें। बंगाल में परिवर्तन की लहर चल पड़ी है और जनता भय की राजनीति को खत्म कर विकास और विश्वास के रास्ते पर आगे बढ़ने के लिए तैयार है।

सैनी ने समाधान शिविरों की औचक समीक्षा कर अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने वीरवार को ऑनलाइन माध्यम से सभी जिलों से एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर प्रदेशभर में संचालित समाधान शिविरों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न जिलों से जुड़े नागरिकों की शिकायतें सीधे सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके शीघ्र एवं प्रभावी समाधान के निर्देश दिए। प्रदेश के सभी जिलों में प्रत्येक सोमवार और गुरुवार को उपायुक्त तथा उपमंडल अधिकारी कार्यालयों में समाधान शिविर आयोजित किए जाते हैं। इन शिविरों में नागरिक अपनी समस्याएं प्रस्तुत करते हैं। जिन शिकायतों का समाधान मौके पर संभव होता है, उनका तत्काल निपटारा किया जाता है, जबकि शेष मामलों का समाधान 7 से 15 दिनों के भीतर सुनिश्चित किया जाता है। गौरतलब है कि 10 जून 2024 से आरंभ हुए इस अभियान के अंतर्गत अब तक प्रदेशभर में लगभग डेढ़ लाख शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से लगभग 78 प्रतिशत शिकायतों का सफलतापूर्वक समाधान किया जा चुका है। आज की बैठक में मुख्यमंत्री ने ऑनलाइन माध्यम से विभिन्न जिलों के नागरिकों से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण किया जाए। साथ ही, उन्होंने वर्ष 2024, 2025 और 2026 के लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा करते हुए सभी शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए। बैठक के दौरान कुछ जिलों में अधिकारियों की अनुपस्थिति पर मुख्यमंत्री ने कड़ा संज्ञान लिया। जिला महेंद्रगढ़ और एसडीएम कार्यालय बादशाहपुर में संबंधित अधिकारियों की अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने उपायुक्तों और एसडीएम को निर्देश दिए कि वे समाधान शिविरों में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहें और नागरिकों की समस्याओं को सुनें। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाधान शिविरों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित की जाती है, जिसकी अध्यक्षता संबंधित उपायुक्त द्वारा की जानी चाहिए। जो अधिकारी नियमित रूप से समीक्षा बैठकों में अनुपस्थित रहे हैं, ऐसे अधिकारियों पर कार्रवाई करें।

विकसित भारत के लिए नवाचार और लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन आवश्यक: बिरला

एजेंसी (हि.स.)
पणजी/नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को कहा कि देश को आगे बढ़ाने के लिए सहयोग, नवाचार और लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन बहुत आवश्यक है। ओम बिरला ने यह बात गोवा की राजधानी पणजी में कॉमनवेल्थ पार्लियामेंटरी एसोसिएशन (सीपीए) इंडिया क्षेत्र के जोन 7 का पहले दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन में कही। इसका उद्देश्य संसदीय लोकतंत्र को सशक्त बनाना और क्षेत्रीय विकास के साझा विजन को गति देना है।

उन्होंने विधि निमार्ताओं से कहा, वे अपने व्यक्तिगत और राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर पूरी ईमानदारी के साथ जनता की उम्मीदों और आकांक्षाओं पर खरा उतरें। चुने हुए प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि वे जनता की अपेक्षाओं को पूरा करें लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाएं और पारदर्शी, समावेशी तथा जवाबदेह शासन सुनिश्चित करें। जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए दूरदर्शिता, समर्पण और जन कल्याण के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता आवश्यक है। ये गुण एक विकसित, न्यायपूर्ण और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए जरूरी हैं। जन प्रतिनिधियों को विज्ञान और तकनीक की शक्ति का उपयोग कर- के लोगों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए। एआई जैसी आधुनिक तकनीकों के इस दौर में भी मानवीय संवेदनशीलता उतनी ही जरूरी है।

बिरला ने विधि निमार्ताओं से कहा कि वे जनता से जुड़कर उनकी समस्याओं को समझें और सहानुभूति के साथ उनका समाधान करें जो प्रतिनिधि नीतियों और कानूनों पर चर्चा में सक्रिय रहते हैं वे अपने राज्यों में मजबूत नेता बनकर उभरते हैं। विधि निमार्ताओं को प्रक्रियाओं की जितनी अधिक जानकारी होगी उनकी भागीदारी उतनी ही प्रभावी होगी।

उन्होंने कहा कि जन कल्याण और अच्छे शासन के लिए राज्यों के विधानमंडलों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बहुत जरूरी है। संसदीय लोकतंत्र को दुनिया की सबसे बेहतर शासन प्रणाली माना जाता है।

वतन को जानो से राष्ट्रीय एकता को मिल रही मजबूती: उपराष्ट्रपति

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के 250 सदस्यीय युवा प्रतिनिधिमंडल ने वतन को जानो कार्यक्रम के तहत गुरुवार को उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन से उपराष्ट्रपति भवन में मुलाकात की। यह कार्यक्रम गृह मंत्रालय और जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। उपराष्ट्रपति ने प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के युवाओं में प्रतिभा, ऊर्जा और संकल्प की झलक साफ दिखाई देती है। उन्होंने हाल ही में श्रीनगर स्थित कश्मीर

विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में अपनी यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य में महिलाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम की पहली बार रणजी ट्रॉफी जीत को युवा शक्ति और प्रगति का प्रतीक बताया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा और खेल दोनों क्षेत्रों में युवाओं की उपलब्धियां राज्य के सकारात्मक परिवर्तन को दर्शाती हैं। वतन को जानो कार्यक्रम की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल युवाओं में साझा राष्ट्रीय पहचान, आत्मविश्वास और जागरूकता को बढ़ावा देती है तथा एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत करती है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर को प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध संस्कृति की भूमि बताते हुए कहा कि यह वैश्विक पर्यटन केंद्र बनने की क्षमता रखता है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अपनी जड़ों से जुड़े रहें और राज्य को शांति, समृद्धि और विकास का प्रतीक बनाने में योगदान दें। उपराष्ट्रपति ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के छात्र सिविल सेवा, आईआईटी और आईआईएम जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

रायसेन का कृषि मेला उन्नत बीज, संतुलित उर्वरक, जैविक प्रमाणन और किसान अधिकार पर फोकस: शिवराज सिंह

एजेंसी (हि.स.)
भोपाल

मध्य प्रदेश के रायसेन जिला मुख्यालय पर 11 से 13 अप्रैल तक आयोजित राष्ट्रीय कृषि मेले में फसल बीमा, ऋण, कृषि अवसंरचना कोष, उन्नत बीज-उर्वरक, जैविक प्रमाणन, एफपीओ-मार्केटिंग और भविष्य का कृषि रोडमैप, किसान को हर जानकारी एक ही मंच पर मिलेगी।

यह जानकारी गुरुवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक बयान में दी। उन्होंने क्षेत्र के सरपंचों के साथ वर्चुअल संवाद कर उनसे अपील की कि वे गाँव-गाँव से अधिक से अधिक किसानों की भागीदारी सुनिश्चित कर इस कृषि मेले को किसान भागीदारी से सफल बनाएं।

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि रायसेन में 11 से 13 अप्रैल तक होने वाला राष्ट्रीय स्तर का कृषि मेला वास्तव में खेती का गेम-चेंजर कृषि महाकुंभ होगा, जहाँ बीज से लेकर बाजार और बीमा से लेकर क्रेडिट तक हर पहलू पर समाधान एक ही जगह उपलब्ध रहेगा। उन्होंने सरपंचों से कहा कि ये तीन दिन किसानों के लिए जीवंत विश्वविद्यालय जैसे हैं, जहाँ वे आधुनिक यंत्रों, ड्रोन, बीज, उर्वरक, जैविक खेती और एफपीओ-मार्केटिंग के मॉडल के साथ-साथ बीमा, ऋण, अवसंरचना और कृषि रोडमैप के माध्यम से भविष्य की सुरक्षित और समृद्ध खेती की दिशा तय कर सकेंगे।

चौहान ने क्षेत्र के रायसेन, विदिशा, सीहोर और आसपास के ग्राम पंचायतों के सरपंचों के साथ वर्चुअल चर्चा में विस्तार से मेले की रूपरेखा साझा की और उनसे अपील की कि वे प्रत्येक गाँव से अधिक से अधिक किसानों, महिला स्व-सहायता समूहों और एफपीओ सदस्यों को मेला स्थल तक लाने के लिए सहभागी बनें। हजारों किसान इस आयोजन में शामिल होकर लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि सरपंच इसे अपने गाँव का मिशन बना लें तो यह मेला किसानों की भागीदारी वाला लोक-उत्सव बन जाएगा, जो आने वाले वर्षों की खेती की दिशा तय करेगा।

केन्द्रीय मंत्री चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सेक्शन में बीमा कंपनियाँ मौके पर ही इच्छुक किसानों को फसल बीमा पॉलिसी उपलब्ध कराएँगी, ताकि किसान लाइव बीमा कवर लेकर ही वापस जाएँ। किसान पाठशाला, ऐप मध्यस्थ पंजीकरण मोबाइल अनुप्रयोग), आईईसी सामग्री, कॉमिक-बुकलेट, प्रश्नोत्तर पुस्तिका, पर्चे, अनुभव-वीडियो और कृषि रक्षक पोर्टल एवं हेल्पलाइन की जानकारी के माध्यम से बीमा से जुड़ी हर शंका का मौके पर ही समाधान किया जाएगा। मेले में विशेषज्ञ किसान भाइयों को प्रीमियम शेयर, क्लेम प्रक्रिया, नुकसान की रिपोर्टिंग, सर्वे और समय पर भुगतान जैसे विषयों पर सरल भाषा में मार्गदर्शन देंगे।

उन्होंने बताया कि कृषि ऋण, केसीसी और अवसंरचना कोष कृषि ऋण और क्रेडिट सत्रों में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), टर्म-लोन, संयुक्त देयता समूह, स्वयं सहायता समूह ऋण, और कृषि अवसंरचना कोष के अंतर्गत वेयरहाउस, कोल्ड-स्टोरेज, प्राथमिक प्रसंस्करण इकाई, वैल्यू-एडिशन और लॉजिस्टिक्स प्रोजेक्ट्स के लिए ब्याज-सबवेंशन तथा क्रेडिट गारंटी जैसी सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। किसानों को यह समझाया जाएगा कि सुरक्षित उपज, समृद्ध किसान का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब अच्छी फसल के साथ अच्छा भंडारण, प्रसंस्करण और बाजार-जुड़ाव भी सुनिश्चित हो। बैंकों और वित्तीय संस्थानों के स्टॉल पर आवेदन, डॉक्यूमेंटेशन और पात्र किसानों के लिए ऑन-द-स्पॉट स्वीकृति की सुविधा भी उपलब्ध कराने की योजना है, ताकि किसान कागजों के चक्कर से मुक्त होकर सीधे निवेश की दिशा में आगे बढ़ सकें। केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि उन्नत बीज, उर्वरक और किसान अधिकार सीड डिवीजन के तहत सरकारी और निजी बीज कंपनियाँ उन्नत बीज, उच्च उत्पादकता वाली किस्में, हाइब्रिड बीज, रिसर्च-सीड और मिनी-किट प्रदर्शित करेंगी, जिससे किसान अपनी फसल प्रणाली के अनुसार सही किस्म चुन सकें। पौधा किस्म संरक्षण एवं किसान अधिकार प्राधिकरण किसानों को बीजों और पौधा किस्मों पर उनके अधिकारों, स्वदेशी किस्मों के संरक्षण और रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया के बारे में जानकारी देगा। उर्वरक कंपनियाँ जैव-उर्वरक, बायो-स्टिमुलेंट, माइक्रो- न्यूट्रिएंट और संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन के माध्यम से मृदा स्वास्थ्य सुधार पर विशेष जोर देंगी। किसानों को उनके क्षेत्र के लिए उपयुक्त फसल विविधीकरण मॉडल, मिलेट्स, बागवानी, फल-सब्जी प्रसंस्करण और वैल्यू-एडेड उत्पादों की श्रृंखला के बारे में भी व्यावहारिक उदाहरणों के साथ बताया जाएगा। रायसेन में उन्नत कृषि महोत्सव-2026 के अंतर्गत प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों को देश के प्रतिष्ठित कृषि वैज्ञानिकों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। महोत्सव के दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

अब वास्तविक खर्च के आधार पर होगा भुगतान, पारदर्शिता पर मुख्यमंत्री का जोर

हिमकेयर योजना में बड़ा सुधार: बैठक में स्वास्थ्य सकारात्मक सुधारों की विस्तृत समीक्षा की गई

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

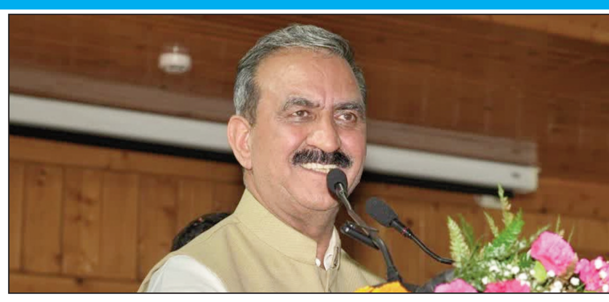

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में स्वास्थ्य क्षेत्र में किए जा रहे विभिन्न सकारात्मक सुधारों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में अवगत करवाया गया कि हिमकेयर योजना को और अधिक सशक्त बनाने के लिए इसमें अनेक गुणात्मक सुधार किए गए हैं। इससे योजना में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी तथा भ्रष्टाचार पर प्रतिबंध लगाने में मदद मिलेगी। हिमकेयर योजना के अंतर्गत सरकारी अस्पतालों के क्लेम का भुगतान अस्पतालों द्वारा उपभोग्य सामग्रियों तथा वास्तविक उपचार लागत और निर्धारित पैकेज दरों में से, जो भी कम हो के आधार पर किया जाएगा। सरकारी अस्पतालों द्वारा क्लेम के साथ वास्तविक व्यय के बिल प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। बिल में पंजीकरण शुल्क, बैड चार्ज, नर्सिंग एवं बोर्डिंग शुल्क व्यय दावों का हिस्सा नहीं होंगे। इसके अतिरिक्त, सर्जन, एनेस्थेटिस्ट, चिकित्सक, परामर्शदाता आदि की फीस, एनेस्थीसिया, ब्लड ट्रांसफ्यूजन, ऑक्सीजन, ऑपरेशन थियेटर शुल्क, शल्य उपकरणों की लागत दवाइयां एवं औषधियां, मरीज के लिए भोजन इत्यादि के प्रतिपूर्ति दावे भी बिलों का हिस्सा नहीं होंगे। प्रतिपूर्ति दावों की यह राशि प्रदेश सरकार द्वारा हिमकेयर योजना के तहत वहन करने के अलावा सरकारी अस्पतालों को बजट में उपलब्ध करवाई जा रही है। इस तरह से एक ही तरह के पैकेज के लिए दो अलग-अलग तरीकों से सरकार द्वारा धनराशि उपलब्ध करवाई जा रही थी। इस युक्तिकरण के पश्चात जो राशि बजट में सरकारी अस्पतालों को प्रदान की जाएगी, वह हिमकेयर पैकेज का हिस्सा नहीं होगी। सरकार द्वारा इन मदों में आवंटित धनराशि का प्रावधान सरकारी अस्पतालों के बजट में ही कर दिया जाएगा। हिमकेयर योजना के अंतर्गत लगभग ४.३३ लाख परिवार पंजीकृत हैं। योजना के तहत प्रदेश में पंजीकृत सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क चिकित्सा का प्रावधान है। मुख्यमंत्री ने मरीजों को सुलभ, गुणात्मक एवं आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

151 सरकारी स्कूलों में सीबीएसई पैटर्न से बढ़ा नामांकन

शिमला। हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों में इस शैक्षणिक सत्र से लागू किए गए सीबीएसई पैटर्न के शुरुआती परिणाम उत्साहजनक सामने आए हैं। राज्य के 151 सरकारी स्कूलों में इस व्यवस्था की शुरुआत के बाद कई जिलों में छात्र नामांकन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बढ़ते प्रवेश को देखते हुए मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने इन स्कूलों में तीनों प्रमुख संकाय-मेडिकल, नॉन-मेडिकल और कॉमर्स-शुरू करने के निर्देश दिए हैं, जिससे विद्यार्थियों को अपने क्षेत्र में ही बेहतर विकल्प मिल सकें। शिक्षा विभाग के अनुसार सीबीएसई पैटर्न लागू होने के बाद कई दूरदराज क्षेत्रों के स्कूलों में भी विद्यार्थियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। चंबा जिले के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय किलाड़ में नामांकन 90.24 प्रतिशत बढ़ा है, जबकि मंडी जिले के जंजैहली में 90.43 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। किन्नौर के रिकांगपिओ में 50.50 प्रतिशत और शिमला जिले के नेरवा में 52.22 प्रतिशत की बढ़ोतरी सामने आई है। इसी तरह शिमला के घनाहट्टी में 26.27 प्रतिशत, लाहौल-स्पीति के काजा में 23.40 प्रतिशत, शिमला के ठियोग में 16.19 प्रतिशत, सिरमौर के नौहराधार में 29.69 प्रतिशत और शिमला जिले के चोपाल स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 28.16 प्रतिशत नामांकन बढ़ा है। अन्य कई स्कूलों में भी विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए हैं कि जिन स्कूलों में सीबीएसई पैटर्न लागू किया गया है, वहां जल्द से जल्द तीनों शैक्षणिक संकाय शुरू करने की आवश्यक तैयारियां पूरी की जाएं।

भाजपा सरकार ने आईजीएमसी को हिम केयर में 60 करोड़ दिए, सीएम 120 करोड़ का घोटाला बता रहे : जयराम ठाकुर

- सरकार के खिलाफ भाजपा ने किया विरोध प्रदर्शन

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

मंडी जिला के सराज विधानसभा स्थित बालीचौकी में कांग्रेस सरकार के खिलाफ वीरवार को भाजपा ने विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर शामिल हुए। उन्होंने कहा कि जिस हिम केयर ने 11 लाख से ज्यादा लोगों को इलाज के जरिए जिंदगी दी, उस हिम केयर योजना को मुख्यमंत्री साजिश के तहत बंद करना चाहते हैं। इसीलिए वह लगातार झूठ पर झूठ बोले जा रहे हैं, जिससे इस योजना की छवि धूमिल हो और उन्हें इसे बंद करने का मौका मिल जाए। उनके झूठ हर दिन बेनकाब होते हैं, लेकिन अगले दिन फिर उसी बेशर्मी और साफगोई से नया झूठ बोलते हैं।

जयराम ठाकुर ने कहा कि सदन में हिम केयर में 1100 करोड़ के घोटाले को लेकर उनके बयान को पूरे प्रदेश ने पढ़ा और सुना था। जब हमने तर्कों के साथ उनकी इस बात का खंडन किया और उनसे प्रमाण मांगे, तो उन्होंने माफी मांगी और कहा कि हमसे गलती हो गई। उन्होंने कहा कि आईजीएमसी की हमने ऑडिट करवाई थी और वहां पर 110 से 120 करोड़ रुपए का घोटाला निकला है।

उससे भी हैरानी की बात यह है कि जब हमने जांच की, तो पता चला कि 2019 से 2022 के बीच हिम केयर के तहत आईजीएमसी में हमारी सरकार के समय लगभग 60 करोड़ का भुगतान किया गया था। फिर भी सुक्खू आईजीएमसी में 110 से 120 करोड़ रुपए का घोटाला निकाल लाए हैं। यह सरकार हिम केयर को बंद करने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। जयराम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री और उनके सलाहकारों को ध्यान रखना चाहिए कि समय एक जैसा नहीं होता। उनका हर झूठ सच की कसौटी पर बेनकाब हुआ है और आगे भी होगा। सिर्फ इसलिए लोगों को जीवन देने वाली योजनाओं को बंद नहीं किया जा सकता क्योंकि आप उससे बेहतर कोई योजना ला नहीं सकते। आपकी सरकार के साढ़े तीन साल का कार्यकाल बीतने के बाद भी लोग उन योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं और उन्हें याद कर रहे हैं। जयराम ठाकुर ने कहा कि भाजपा अब चुप नहीं बैठेगी और इस जनविरोधी, दिशाहीन और प्रतिशोधी सरकार को जड़ से उखाड़ने के लिए गांव-गांव जाकर जनता को इनके असली चेहरे से अवगत कराएगी।

नाहन की उपेक्षा पर भड़के डॉ. राजीव बिंदल कांग्रेस सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने आज सिरमौर जिला मुख्यालय नाहन में दीप प्रज्वलित कर अपनी वेबसाइट का शुभारंभ किया। इसके उपरांत आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर नाहन विधानसभा क्षेत्र की उपेक्षा करने के गंभीर आरोप लगाए।

डॉ. बिंदल ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार को सत्ता में आए 40 महीने हो चुके हैं और नाहन से विधायक भी कांग्रेस के ही हैं, इसके बावजूद क्षेत्र में कोई उल्लेखनीय विकास कार्य नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास कार्यों के बजाय पहले से चल रहे संस्थानों को बंद किया जा रहा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि नाहन के सीमांत क्षेत्र चूड़न में स्कूल बंद कर दिया गया है, जिससे बच्चों को या तो हरियाणा जाना पड़ रहा है या फिर हिमाचल में ही 7 किलोमीटर दूर स्थित स्कूल में पढ़ने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इसी प्रकार कई अन्य शिक्षण संस्थान भी ताला बंदी की भेंट चढ़ चुके हैं। डॉ. बिंदल ने यह भी कहा कि नाहन मेडिकल कॉलेज का मामला भी अधर में लटका हुआ है, जिससे क्षेत्र की जनता को स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

एनएसयूआई कांग्रेस की विचारधारा की मजबूत नींव: विनय कुमार

शिमला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के स्थापना दिवस पर संगठन के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई कांग्रेस पार्टी की वह सशक्त पौध है, जो आगे बढ़कर पार्टी की विचारधारा को मजबूत करती है। विनय कुमार ने अपने संदेश में कहा कि 9 अप्रैल का दिन एनएसयूआई की गौरवशाली विरासत का उत्सव मनाने के साथ-साथ शिक्षा, लोकतंत्र और छात्र अधिकारों के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई देश की सबसे बड़ी छात्र शक्ति के रूप में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा में अहम भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई कैंपस से लेकर सड़कों तक छात्रवृत्ति, बेहतर शिक्षा व्यवस्था और युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए निरंतर संघर्ष कर रही है। संगठन छात्रों में निर्भीक और सशक्त नेतृत्व प्रदान करते हुए उन्हें बदलाव का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित करता है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस की असली नींव एनएसयूआई से ही तैयार होती है, जहां से कार्यकर्ता आगे बढ़कर युवा कांग्रेस के माध्यम से राष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं और देश के विकास में अपनी भूमिका निभाते हैं।

प्रदेश सरकार के खिलाफ भाजपा का हल्ला बोल धर्मशाला में विधायक के नेतृत्व में जोरदार प्रदर्शन

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

जिला मुख्यालय धर्मशाला में वीरवार को भाजपा के शहरी और ग्रामीण मंडलों ने वीरवार को प्रदेश कांग्रेस सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदेश सरकार की जनविरोधी नीतियों को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। कार्यकर्ता सम्मेलन के समापन के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने कचहरी अड्डा पर जमा होकर सरकार की नीतियों को जमकर कोसा। धर्मशाला के विधायक सुधीर शर्मा ने इस प्रदर्शन में विशेष रूप से शिरकत की और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार को हर मोर्चे पर विफल करार देते हुए तीखे राजनीतिक हमले किए।

बाद में मीडिया से बातचीत में सुधीर शर्मा ने प्रदेश सरकार को घेरते हुए कहा कि सुक्खू सरकार की नाकामियों की बजह से प्रदेश में वित्तीय हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। हालात यह हैं कि सरकार कर्मचारियों को लेकर 'दमनकारी नीति' अपना रही है। उन्होंने कहा वेतन और पेंशनरों को पेंशन तक नहीं मिल पा रही है। प्रदेश सरकार के खिलाफ आज जो भी आवाज उठाता है उनके खिलाफ मामले बनाए जा रहे हैं। युवा रोजगार के लिए दूसरे राज्यों का रुख कर रहे हैं। कई मामलों में झूठी एफआईआर दर्ज कर दी जाती है, यहां तक कि विधायकों को भी नही बख्शा जा रहा है। वहीं, एटीएस के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि टैक्सी ऑपरेटर्स के खिलाफ झूठी एफआईआर दर्ज की गई है। वह भी ऐसे व्यक्ति द्वारा मामला दर्ज करवाया जाता है जिसे खुद घटना की कोई जानकारी ही नही है। उन्होंने सवाल उठाया कि हिमाचल में नशा माफिया राजनीतिक संरक्षण में फलफूल रहा है और पुलिस प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं है। सुधीर शर्मा ने कहा कि सरकार जनसेवा के बजाय विरोधियों को प्रताड़ित करने का काम किया जा रहा है।

संक्षिप्त-समाचार

जयराम ठाकुर के बयान पर एफआईआर हो : विनोद जिंटा

शिमला। प्रदेश कांग्रेस संगठन महामंत्री विनोद ज़िंटा ने पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के उस बयान, जिसमें उन्होंने प्रदेश की तुलना पाकिस्तान से की, को प्रदेश और देश विरोधी करार दिया है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि इस मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए जयराम ठाकुर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। वीरवार को राजीव भवन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ज़िंटा ने कहा कि जयराम ठाकुर अपने आकाओं को खुश करने के लिए कांग्रेस सरकार पर बेबुनियाद और बचकाने आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सत्ता और संगठन के बीच पूरा तालमेल है और सरकार मजबूती से काम कर रही है। ज़िंटा ने प्रदेश की वर्तमान आर्थिक स्थिति के लिए पूर्व भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी प्रदेशहित की बात आती है, भाजपा उससे किनारा कर लेती है। आपदा राहत के मुद्दे पर भी भाजपा ने प्रदेश का साथ नहीं दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा घोषित 1500 करोड़ रुपये की राहत राशि अब तक प्रदेश को नहीं मिली है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष राजीव बिंदल पर निशाना साधते हुए ज़िंटा ने कहा कि उन्हें इस पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के कई नेताओं पर गंभीर आरोप हैं और ऐसे लोग प्रदेश हित की बात नहीं कर सकते।

शिमला में अनधिकृत हूटर लगे वाहन पर पुलिस का चालान, एक्स श्रेणी सुरक्षा व्यक्ति था सवार

शिमला। राजधानी शिमला में यातायात नियमों की अनदेखी का एक मामला उस समय चर्चा में आ गया, जब एक्स श्रेणी सुरक्षा प्राप्त एक व्यक्ति के निजी वाहन में अनधिकृत हूटर, फ्लैग रॉड और अतिरिक्त सर्च लाइटें लगी पाई गईं। पुलिस के अनुसार नियमों के उल्लंघन पर वाहन के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान किया गया है। शिमला पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक गुरुवार सुबह वाहन संख्या एचपी-82-0070 (फॉर्च्यूनर) के बारे में वायरलेस संदेश के जरिए सूचना मिली थी कि यह वाहन ट्रैफिक नियमों की अवहेलना करते हुए अनधिकृत रूप से हूटर का इस्तेमाल कर रहा है। इसके बाद पुलिस टीम और एक मोटरसाइकिल सवार कर्मी ने वाहन को शिमला के समीप रोका और जांच की। पुलिस का कहना है कि निरीक्षण के दौरान वाहन में न केवल हूटर लगा हुआ पाया गया, बल्कि बिना अनुमति के फ्लैग रॉड और अतिरिक्त सर्च लाइटें भी लगी थीं। नियमों के अनुसार निजी वाहनों में इस तरह के उपकरणों का इस्तेमाल प्रतिबंधित है और इसके लिए विशेष अनुमति आवश्यक होती है। ऐसे में पुलिस ने इसे मोटर वाहन अधिनियम का उल्लंघन माना। पुलिस के मुताबिक वाहन में सवार व्यक्ति की पहचान युद्ध चंद बैंस के तौर पर हुई है। उन्होंने जांच के दौरान सहयोग नहीं किया और वैधानिक प्रक्रिया में बाधा डालने की कोशिश की।

पोस्टर के माध्यम से नशे से दूर रहने एवं स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का दिया संदेश

कठुआ। महिला डिग्री कॉलेज कठुआ के ड्रग्स डी-एडिक्शन सेल एवं मनोवैज्ञानिक परामर्श सेल द्वारा नशा मुक्ति को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत पोस्टर मेकिंग गतिविधि के माध्यम से छात्रों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रचनात्मक पोस्टर तैयार किए, जिनमें नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का संदेश दिया गया। पोस्टरों के माध्यम से युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी और जागरूकता को बढ़ावा दिया गया। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) जयपाल सिंह ने छात्रों के प्रयासों की सराहना करते हुए ऐसे कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने छात्रों को नशा मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान ड्रग्स डी-एडिक्शन सेल एवं मनोवैज्ञानिक परामर्श सेल के सदस्य उपस्थित रहे और छात्रों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम का समापन नशा मुक्त समाज बनाने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

दो सगे भाइयों से चिट्टा बरामद, गिरफ्तार

शिमला। शिमला पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए राजधानी के कृष्णानगर क्षेत्र से दो सगे भाइयों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 9.32 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर तीन दिन की पुलिस रिमांड पर लिया है और मामले की आगे जांच जारी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को स्पेशल सेल शिमला की टीम गश्त और खुफिया सूचना के आधार पर कृष्णानगर क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस को विश्वसनीय सूचना मिली कि सिख लाइन स्थित एक मकान में दो व्यक्ति अवैध रूप से हेरोइन बेचने का काम कर रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम स्वतंत्र गवाह को साथ लेकर मौके पर पहुंची और संदिग्ध मकान में तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान वहां मौजूद दो व्यक्तियों की पहचान सौरभ घारु (36 वर्ष) और लव घारु (32 वर्ष) के रूप में हुई, जो सगे भाई हैं और कृष्णानगर के सिख लाइन क्षेत्र के ही निवासी हैं। पुलिस ने गवाहों की मौजूदगी में कमरे की तलाशी ली, जिसमें 9.32 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इसके बाद दोनों आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में पुलिस थाना सदर शिमला में मादक पदार्थ निरोधक अधिनियम (एनडीपीएस एक्ट) की धारा 21 और 29 के तहत 8 अप्रैल 2026 को मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ के दौरान यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि वे यह मादक पदार्थ कहां से लाते थे और किन लोगों तक इसकी सप्लाई की जा रही थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें तीन दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

मंडी के पराशर घूमने जा रहे पंजाब के युवकों की कार दुर्घटनाग्रस्त, पांच घायल

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

मंडी जिले में वीरवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा पेश आया है। जिले के उत्तरशाल क्षेत्र की पराशर झील घूमने जा रहे पंजाब के युवकों की कार कटौला के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में कार सवार पांच युवक घायल हुए हैं, जिनमें से एक की हालत अत्यंत गंभीर बनी हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार पंजाब के रहने वाले 5-6 युवक कार नंबर यूपी 19 डब्ल्यू-4908 में सवार होकर मंडी के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पराशर झील घूमने के लिए निकले थे। सफर के दौरान वे मुख्य मार्ग से भटक गए और पराशर जाने वाली सड़क की बजाय कटौला क्षेत्र की ओर पहुंच गए। जैसे ही उनकी कार आरंग सड़क के पास बथेरी में पहुंची, चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और कार गहरी खाई की ओर अनियंत्रित होकर हादसे का शिकार हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े और तुरंत आपातकालीन सेवा को सूचित किया गया। मौके पर दो 108 एंबुलेंस पहुंची, जिनकी मदद से सभी घायलों को तुरंत जोनल अस्पताल मंडी पहुंचाया गया।

अस्पताल में उपचाराधीन एक युवक के सिर और माथे पर गंभीर चोटें आई हैं, जिसके कारण डॉक्टरों ने उसकी स्थिति नाजुक बताई है। हादसे में घायल हुए चार युवकों की पहचान आर्यन (21 वर्ष), प्रियांश (22 वर्ष), विशाल (22 वर्ष), सूरज कुमार (21 वर्ष) अन्य एक युवक की पहचान की प्रक्रिया अभी जारी है। घटना की सूचना मिलते ही मंडी पुलिस की टीम ने जोनल अस्पताल पहुंचकर घायलों के बयान दर्ज किए हैं। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि हादसा केवल रास्ता भटकने और तेज रफ्तार के कारण हुआ या इसके पीछे कोई तकनीकी खराबी थी। हिमाचल के पहाड़ी क्षेत्रों में बाहरी राज्यों से आने वाले पर्यटकों को सलाह दी जाती है कि वे गूगल मैप्स के भरोसे अनजान लिंक सड़कों पर जाने से बचें और स्थानीय लोगों से रास्ते की पुष्टि जरूर करें क्योंकि कई बार तकनीकी कारणों से नेविगेशन गलत रास्तों पर ले जाता है।

हीरानगर कॉलेज में बौद्धिक संपदा अधिकारों पर संगोष्ठी आयोजित

कठुआ। गवर्नमेंट गिरधारी लाल डोगरा मेमोरियल डिग्री कॉलेज हीरानगर के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर एक जागरूकता संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को बौद्धिक सृजन की सुरक्षा के महत्व से अवगत कराना था। संगोष्ठी में जीजीएम साइंस कॉलेज जम्मू के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. गौरव गुप्ता ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। उन्होंने अपने व्याख्यान में पेटेंट, कॉपीराइट, भौगोलिक संकेतक और ट्रेडमार्क जैसे आईपीआर के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में इनके महत्व को समझाया। उन्होंने छात्रों और शोधकर्ताओं को अपने नवाचारों की सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने पर जोर दिया। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. प्रज्ञा खन्ना ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पद्ध के प्रयासों की सराहना की और छात्रों को नवाचार व शोध गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईआईसी की अध्यक्ष डॉ. अनुपमा अरोड़ा ने की। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. विजय कुमार के स्वागत भाषण से हुई, जबकि प्रोफेसर अमित सिंह ने पूरे आयोजन का कुशल समन्वय किया।

रेणुका बांध विस्थापितों ने उठाई मुआवजे की मांग, अधूरे हकों पर जताई नाराजगी

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

सिरमौर जिला के श्री रेणुका जी क्षेत्र में प्रस्तावित राष्ट्रीय महत्व के रेणुका जी बांध परियोजना को लेकर विस्थापितों की मांगें एक बार फिर तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में रेणुका बांध विस्थापित संघर्ष समिति ने नाहन में एक प्रेस वार्ता आयोजित कर अपनी प्रमुख मांगों को सरकार और बांध प्रबंधन के समक्ष रखा। समिति ने बताया कि सरकार और बांध प्रबंधन ने आवासहीनों की सूची जारी करने तथा एफिडेविट की शर्त को हटाने पर सहमति जताई है। साथ ही मुआवजा राशि जारी करने का आश्वासन भी दिया गया है। हालांकि, समिति ने स्पष्ट किया कि भूमि हीन परिवारों को वर्तमान बाजार मूल्य के अनुसार मुआवजा दिया जाना चाहिए और बिजली मीटर की शर्त को भी समाप्त किया जाए। समिति अध्यक्ष विजय ठाकुर ने कहा कि विस्थापितों को उनके जायज हक दिलाने के लिए लगातार संघर्ष किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार ने कुछ मांगों को स्वीकार किया है, लेकिन अभी भी कई महत्वपूर्ण मुद्दे लंबित हैं, जिन पर जल्द कार्रवाई जरूरी है। समिति के सचिव योगेश ठाकुर ने कहा कि बांध प्रबंधन द्वारा लोगों को स्थान खाली करने के निर्देश दिए जा रहे हैं।

लेकिन इससे पहले उन्हें ददाहू क्षेत्र की तर्ज पर उचित मुआवजा और सभी अधिकार प्रदान किए जाने चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि विस्थापितों की मांगें पूरी नहीं की गईं तो बांध निर्माण का विरोध किया जाएगा।

धुम्मू शाह मेले में दंगल का शुभारंभ, एसपी ने की पूजा-अर्चना

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

धर्मशाला के ऐतिहासिक धुम्मू शाह मेले के दूसरे दिन वीरवार को उत्साह और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अशोक रत्न ने भराड़ी माता मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ पारंपरिक दंगल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

एसपी अशोक रत्न ने कहा कि कुश्ती भारत में एक पेशेवर खेल के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश को पहचान दिला रही है। उन्होंने युवाओं को खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं, बल्कि अनुशासन और आत्मविश्वास भी विकसित करते हैं। अशोक रत्न ने कहा कि मेला हमारी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं का अभिन्न हिस्सा है, जिसे हम अपने जीवन से अलग नहीं कर सकते। ऐसे आयोजनों के माध्यम से समाज के लोग एक मंच पर एकत्रित होते हैं, आपसी संवाद बढ़ता है और एक-दूसरे को समझने का अवसर मिलता है। वर्तमान समय में जब जीवनशैली में निरंतर परिवर्तन हो रहा है, ऐसे सांस्कृतिक आयोजन सामाजिक एकता को और मजबूत बनाते हैं। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि समाज के निर्माण में उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि सरकार नशे पर रोक लगाने के लिए प्रभावी कदम उठा रही है। इससे पूर्व मेला अधिकारी एवं एसडीएम मोहित रत्न ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और मेले के आयोजन से जुड़ी विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि मेले में स्थानीय लोगों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है, जिससे इसकी सांस्कृतिक गरिमा और भी बढ़ रही है। दंगल प्रतियोगिता में देश-प्रदेश के नामी पहलवान भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर एडीएम शिल्पी बेक्टा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मौसम | हिमाचल के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में फिर बर्फबारी

शिमला में ओलावृष्टि से सेब को नुकसान

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश के उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में मौसम के कड़े तेवर जारी हैं। राज्य के कई इलाकों में बीती रात रुक-रुक कर बर्फबारी और निचले क्षेत्रों में बारिश व ओलावृष्टि दर्ज की गई, जिससे ठंड एक बार फिर तेज हो गई है। मौसम विभाग ने गुरुवार को भी प्रदेश के कुछ हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया है। जानकारी के अनुसार लाहौल स्पीति, किन्नौर, कुल्लू और चम्बा के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में पूरी रात रुक-रुक कर बर्फबारी होती रही। वहीं शिमला में देर रात बारिश के साथ ओलावृष्टि दर्ज की गई। गुरुवार सुबह राजधानी शिमला सहित कई निचले और मध्यवर्ती क्षेत्रों में बादल छाए रहे, जिससे ठंड का असर बना हुआ है। ओलावृष्टि का सबसे अधिक असर शिमला के ऊपरी क्षेत्रों में देखा गया है, जहां सेब की फसल को नुकसान पहुंचा है। इससे बागवानों की चिंता बढ़ गई है, क्योंकि इस समय फसल संवेदनशील अवस्था में है। उधर, चौपाल और रोहडू क्षेत्रों सहित कुल्लू और लाहौल-स्पीति में बुधवार को हुई ताजा बर्फबारी के कारण कई संपर्क सड़कें अभी भी अवरुद्ध हैं। प्रशासन द्वारा मार्ग बहाली का काम जारी है, हालांकि ऊंचाई वाले इलाकों में आवाजाही प्रभावित बनी हुई है। मौसम के इन बदले तेवरों के कारण प्रदेश में अप्रैल के महीने में भी कड़ाके की सर्दी महसूस की जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार 12 अप्रैल तक मध्यवर्ती और पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश की संभावना बनी रहेगी, जबकि उच्च पर्वतीय इलाकों में इस दौरान बर्फबारी हो सकती है। विभाग ने कुछ जिलों में गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलने की चेतावनी भी जारी की है। हालांकि मौसम विभाग का अनुमान है कि 13 अप्रैल से प्रदेश में मौसम साफ होने लगेगा और तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

जम्मू-कश्मीर में आने वाले दिनों में हल्की बारिश की संभावना

जम्मू। श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र ने गुरुवार को कहा कि जम्मू और कश्मीर में आने वाले दिनों में हल्की बारिश और सामान्यतः शुष्क मौसम का पूर्वानुमान है, साथ ही तापमान में धीरे-धीरे वृद्धि होगी। पूर्वानुमान के अनुसार 9-10 अप्रैल को छिटपुट स्थानों पर, विशेष रूप से दोपहर या शाम के समय हल्की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। कुछ इलाकों में ओलावृष्टि भी हो सकती है। 11-12 अप्रैल को मौसम आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है, दोपहर या शाम के समय कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। 13-14 अप्रैल को शुष्क मौसम रहने का अनुमान है जिससे पूरे क्षेत्र में मौसम स्थिर रहेगा। हालांकि 15-16 अप्रैल को बादल छाने की संभावना है, दोपहर या शाम के समय कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। 17 से 20 अप्रैल तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है। आम तौर पर एक बार फिर से सूख जाएं।

आमजन तक सरकारी सेवाओं की समयबद्ध उपलब्धता में हरियाणा की गिनती देश के अव्वल राज्यों में: राज्यपाल

लोक भवन हरियाणा में राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग की 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट का विमोचन किया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि निर्धारित समय अवधि में आमजन तक सरकारी सेवाएं उपलब्ध करवाने में हरियाणा देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है, जो कि हम सबके लिए गर्व की बात है। राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने यह बात आज लोक भवन हरियाणा में हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग की 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट के विमोचन अवसर पर कही। उन्होंने सरकार द्वारा लागू ह्यऑटो अपील सिस्टमह्न की भी सराहना की, जिसके कारण निर्धारित समय अवधि गुजरते ही आवेदन स्वचालित रूप से अपील में बदल जाता है और समाधान के लिए उच्च अधिकारियों की जानकारी में पहुंच जाता है।

प्रो. असीम कुमार घोष ने आयोग, राज्य सरकार तथा इस प्रयास से जुड़े सभी अधिकारियों को सार्वजनिक सेवा वितरण को सुदृढ़ करने के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता के लिए बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने लगातार इस बात पर जोर दिया है कि शासन केवल प्रक्रियाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे वास्तविक परिणामों पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि केवल फाइल का आगे बढ़ना कार्य की पूर्णता नहीं माना जा सकता, जब तक कि शिकायत का समाधान तार्किक निष्कर्ष तक न पहुंचे।

राज्यपाल ने यह भी रेखांकित किया कि शिकायत निवारण लोकतंत्र का एक प्रमुख स्तंभ है, जहां प्रत्येक नागरिक को समयबद्ध और सार्थक उत्तर मिलना चाहिए, और जहां प्रौद्योगिकी एवं सुशासन मिलकर सार्वजनिक सेवा के सशक्त माध्यम बनते हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी जानते हैं कि प्रभावी शासन पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्ध सेवा वितरण पर आधारित होता है। हरियाणा राइट टू सर्विस ढांचा इन सिद्धांतों को सुव्यवस्थित रूप में एक साथ लाता है। निर्धारित समय सीमा, प्रत्येक स्तर पर जिम्मेदारी तय करना तथा विलंब की स्थिति में स्वतः अपील की व्यवस्था—ये सभी सेवा वितरण को सुनियोजित और अधिकार-आधारित प्रक्रिया बनाते हैं। प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि हरियाणा ने एक सशक्त और उत्तरदायी

प्रणाली विकसित की है, जिसे अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श के रूप में देखा जा रहा है। विशेष रूप से ऑटो अपील सिस्टम के माध्यम से प्रौद्योगिकी का उपयोग प्रशासनिक निगरानी को मजबूत बनाता है और सेवा वितरण को अधिक सुसंगत एवं मापनीय बनाता है। इसके लिए उन्होंने राज्य सरकार और प्रशासनिक प्रयासों की सराहना की।

मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर ने कहा कि किसी भी प्रशासनिक व्यवस्था की सफलता का वास्तविक मापदंड यह है कि आम नागरिक को उसकी सेवा निर्धारित समय सीमा में, पारदर्शी और प्रभावी ढंग से प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि नागरिक सेवा ही सुशासन का मूल दर्शन है, जिसे आयोग ने हरियाणा में और अधिक सशक्त बनाया है। आयोग की सतत निगरानी, जवाबदेही की व्यवस्था और समयबद्ध सेवा वितरण के कारण विभागों की कार्यसंस्कृति में सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रकरणों को केवल आगे बढ़ाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाकर नागरिक को वास्तविक राहत देना ही लोकसेवा का उद्देश्य होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारत की सभ्यता और संस्कृति हमें ह्रसेवा ही परम धर्मह्न का संदेश देती है और यही भावना आयोग के कार्यों में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। आयोग ने तकनीक, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को साथ जोड़कर नागरिक सेवाओं को अधिक सरल, प्रभावी और परिणामोन्मुख बनाया है। इससे न केवल नागरिकों का शासन पर विश्वास बढ़ा है, बल्कि विभागों में सेवा प्रदान करने की गुणवत्ता और दक्षता भी मजबूत हुई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आयोग की यह कार्यशैली भविष्य में सुशासन के और भी उच्च मानक स्थापित करेगी तथा प्रत्येक नागरिक को समयबद्ध सेवा का उसका अधिकार सुनिश्चित करेगी।

इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने बताया कि आज से लगभग 10झ्र15 वर्ष पहले यदि किसी नागरिक ने सरकारी सेवा के लिए आवेदन किया होता, तो उसे यह भी पता नहीं चल पाता था कि उसकी फाइल किस स्तर पर लंबित है और उसे सेवा कब मिलेगी। कई बार तो आवेदन की स्थिति जानना भी मुश्किल होता था। लेकिन हरियाणा में राइट टू सर्विस व्यवस्था लागू होने के बाद यह तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। आज नागरिकों को न केवल तय समय सीमा में सेवाएं मिल रही हैं, बल्कि एक सरल पोर्टल और पारदर्शी प्रणाली के माध्यम से वे अपने आवेदन की हर चरण की स्थिति भी आसानी से जान सकते हैं। न्होंने कहा कि यह परिवर्तन स्वतः नहीं आया, बल्कि इसके पीछे वर्षों की संस्थागत मेहनत, जवाबदेही और मजबूत प्रशासनिक इच्छाशक्ति है। हरियाणा राइट टू सर्विस कमीशन ने इस दिशा में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। लाखों शिकायतों और आवेदनों के निस्तारण के आंकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि यह आयोग आम नागरिक के भरोसे का सशक्त माध्यम बन चुका है। उन्होंने कहा कि टी.सी. गुप्ता के नेतृत्व में आयोग ने जो कार्य किया है, वह वास्तव में सुशासन और प्रशासनिक सुधार का एक प्रभावशाली मॉडल बनकर सामने आया है।

इस अवसर पर हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग के मुख्य आयुक्त टी.सी. गुप्ता ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में आयोग ने नागरिक सेवाओं की समयबद्ध डिलीवरी के क्षेत्र में एक मजबूत और विश्वसनीय व्यवस्था स्थापित की है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 में आयोग की स्थापना के समय अपील प्रक्रिया पूरी तरह मैनुअल थी, जिससे आम नागरिकों को अनावश्यक जटिलताओं का सामना करना पड़ता था। इसी चुनौती को दूर करने के लिए आयोग ने ऑटो अपील सिस्टम (अअर) जैसी अभिनव व्यवस्था विकसित की, जो आज सुशासन का एक प्रभावी मॉडल बन चुकी है।

हरियाणा में खुलेगा सैनिक व अर्धसैनिक कल्याण निगम: राव नरबीर सिंह

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण मंत्री श्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि अग्निवीरों के भविष्य को सुरक्षित करने के उद्देश्य से हरियाणा मंत्रिमंडल द्वारा ह्लहरियाणा अग्निवीर नीतिझ्र2024ह्व को मंजूरी प्रदान की जा चुकी है, जिसे अगस्त 2026 से प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा। इस नीति के माध्यम से अग्निवीरों को सरकारी नौकरियों में होरिजॉनटल आरक्षण को 10 प्रतिशत से बढ़ा कर 20 प्रतिशत किया है। इसके अलावा, पूर्व अग्निवीरों को अन्य क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे और हरियाणा पूर्व अग्निवीरों को रोजगार की गारंटी देने वाला हरियाणा पहला राज्य होगा।

उन्होंने जानकारी दी कि वर्ष 2022झ्र23 में जल, थल एवं वायु सेना के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 26,649 अग्निवीरों की भर्ती का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसमें से वर्ष 2022–23 में हरियाणा से 1,830 तथा 2023–24 में 2215 अग्निवीरों की भर्ती हुई थी। केंद्र सरकार की रक्षा सुधारों ने की गई विशेष पहल के तह वर्ष 2022 में अग्निपथ योजना लागू की थी जिसके तहत भर्ती अग्निवीरों में से 25 प्रतिशत अग्निवीरों को सेना द्वारा अपनी आवश्यकता के अनुसार नियमित सेवाओं में शामिल किया जाएगा। इस योजना के तहत चार वर्ष की सेवा अवधि पूर्ण करने के बाद जुलाई 2026 में पहला बैच वापिस लौटेगा और इसमें हरियाणा के 75 प्रतिशत, अर्थात 1,373 अग्निवीर, लौटेंगे, जिन्हें हरियाणा सरकार अपने हरियाणा अग्निवीर नीतिझ्र2024 के अंतर्गत समायोजित करेगी। उन्होंने बताया कि अग्निपथ योजना के तहत चार वर्षों की सेवा अवधि में अग्निवीरों द्वारा फंड में दिए गए 30 प्रतिशत अंशदान तथा भारत सरकार के कॉर्पस फंड के योगदान को मिलाकर अग्निवीरों को लगभग ₹11.71 लाख का सेवा निधि पैकेज प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई हाई पावर्ड परचेज कमेटी की बैठक, गुणवत्ता और समयबद्धता पर दिया गया विशेष जोर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने प्रदेश में विकास कार्यों को और अधिक गति देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए विभिन्न विभागों की महत्वपूर्ण परियोजनाओं और खरीद प्रक्रियाओं को अंतिम रूप दिया। यह निर्णय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में बुधवार देर सायं हरियाणा निवास में आयोजित हाई पावर्ड परचेज कमेटी की बैठक में लिया गया।

बैठक में हरियाणा पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन, डीएचबीवीएन, एचएसआईआईडीसी, पीडब्ल्यूडी, हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन लिमिटेड, डीएमईआर, एफएमडीए, जीएमडीए, सिंचाई विभाग और पीएचईडी सहित 10 से अधिक विभागों की विभिन्न परियोजनाओं पर करीब 1028 करोड़ रुपये खर्च करने की स्वीकृति प्रदान की गई और

बोलीदाताओं से नेगी सेशन करके करीब 96 करोड़ रुपये की बचत की गई।

बैठक में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य प्रदेशवासियों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध करवाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें, ताकि कार्य निर्धारित समय सीमा में और गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूरे हो सकें। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे और सभी अधिकारी खर्च की जाने वाली राशि के सदुपयोग पर विशेष ध्यान दें। विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में 11 मीटर लंबे पीसीसी पोल, सिंगल फेस और थ्री फेस नेट मीटर तथा 25 केवीए ट्रांसफार्मरों की खरीद प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया गया। इसके अलावा, हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन लिमिटेड के ह्यहर-हितह्न रिटेल प्रोजेक्ट के तहत पूरक पोषण कार्यक्रम के लिए 29 करोड़ रुपये की कमोडिटी खरीद को मंजूरी दी गई। प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में ह्यस्टूडेंट एंड फैकल्टी लाइफ साइकिल मैनेजमेंट सिस्टमह्न (एसएफएलएम) लागू करने हेतु 5.78 करोड़ रुपये की परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई, जिससे चिकित्सा शिक्षा प्रणाली में कार्यक्षमता और एकीकरण को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, गुरुग्राम महानगर से यमुना नदी की ओर स्टॉर्म वाटर डायवर्जन से संबंधित सर्वेक्षण और डीपीआर तैयार करने के लिए 6.60 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दी गई। इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के तहत करनाल के हसनपुर गांव में होम गार्ड एवं सिविल डिफेंस प्रशिक्षण केंद्र के निर्माण के लिए 47.20 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। फरीदाबाद में मास्टर जल आपूर्ति योजना के लिए 17.75 करोड़ रुपये तथा धनवापुर, गुरुग्राम में 100 एमएलडी एमपीएस और 100 एमएलडी एसटीपी के निर्माण के लिए भी 17.75 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई।

संक्षिप्त-समाचार

एनएमएमएस परीक्षा में आरुषि ने किया नाम रोशन

बराड़ा। राजकीय माध्यमिक विद्यालय फोक्सा की 8वीं कक्षा की छात्रा आरुषि कश्यप ने एन एम एम एस नेशनल मींस कम मैरिट स्कॉलरशिप परीक्षा पास उत्तीर्ण कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। छात्रा आरुषि कश्यप की इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रभारी संजीव कुमार, अशोक कुमार, राजेश कुमार, राजिंदर कुमार, मुकेश कुमार ने छात्रा को बधाई दी और उसके उज्जवल भविष्य की कामना की ओर छात्रा को सम्मानित किया। विद्यालय प्रभारी संजीव कुमार ने बताया कि एनएमएमएस की परीक्षा भारत सरकार द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर मेघावी विद्यार्थियों के लिए आयोजित की जाती है। राजकीय माध्यमिक विद्यालय फोक्सा की आरुषि कश्यप की यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत बनेगी।

गेंहू की खरीद के दौरान किसानों को न आए किसी भी प्रकार की परेशानी: कृष्ण लाल पंवार

चंडीगढ़। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और गेहूं की खरीद के दौरान किसी भी किसान को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार मंडियों में आने वाले किसानों के एक-एक दाने की खरीद सुनिश्चित करेगी। विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार वीरवार को जिला सोनीपत के गोहाना मंडी का औचक निरीक्षण करने उपरांत बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने मंडी में किसानों के लिए उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गेंहू की गुणवत्ता, नमी की जांच, बायोमेट्रिक पंजीकरण प्रणाली तथा अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि गेंहू की खरीद प्रक्रिया पारदर्शी और सुचारू रूप से संचालित होनी चाहिए, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने विशेष रूप से गेंहू के उठान, भंडारण तथा बारदाने (बोरी) की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ किसी प्रकार की धोखाधड़ी रोकने के लिए बायोमेट्रिक प्रणाली लागू की गई है।

डीएलएसए द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मथाना में जागरूकता शिविर का किया आयोजन

कुरुक्षेत्र। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मथाना में एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इस शिविर के दौरान पैनल अधिवक्ता अंकित कुमार, सीडब्ल्यूसी चेयरमैन तथा पुलिस विभाग के अधिकारी ने विद्यार्थियों को विभिन्न नालसा योजनाओं के बारे में जागरूक किया, जिनमें नालसा (मानव तस्करी एवं वाणिज्यिक यौन शोषण के पीड़ितों के लिए) योजना, 2015, नालसा (एसिड अटैक पीड़ितों को विधिक सेवाएं) योजना, 2016, तथा नालसा (बच्चों के लिए बाल-अनुकूल विधिक सेवाएं) योजना, 2024 शामिल हैं। उन्होंने डीएलएसए द्वारा प्रदान की जाने वाली निःशुल्क विधिक सहायता के प्रति भी जागरूक किया गया।

जल स्थायित्व की दिशा में हरियाणा की बड़ी पहल, 5,715 करोड़ का वॉटर सिक्योर हरियाणा कार्यक्रम

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- मुख्य सचिव की विश्व बैंक अधिकारियों के साथ बैठक

हरियाणा के मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने प्रदेश में दीर्घकालिक जल स्थायित्व के उद्देश्य से महत्वाकांक्षी ह्यवॉटर सिक्योर हरियाणाह्न कार्यक्रम के क्रियान्वयन को लेकर आज यहां वर्ल्ड बैंक एप्रेजल मिशन के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

5,715 करोड़ रुपये की कुल लागत के इस कार्यक्रम में 4,000 करोड़ रुपये का विश्व बैंक ऋण शामिल है। इस पहल का उद्देश्य हरियाणा में कृषि जल उपयोग की दक्षता, विश्वसनीयता और स्थिरता सुनिश्चित करना है। छह वर्षों की अवधि में प्रस्तावित यह कार्यक्रम राज्य में जल प्रबंधन प्रणाली को मजबूती देने का एक व्यापक और सुव्यवस्थित प्रयास है।

यह परियोजना विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से लागू की जाएगी। इसके अंतर्गत सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग को 3,328 करोड़, सूक्ष्म सिंचाई एवं कमान एरिया विकास प्राधिकरण को 1,500 करोड़ तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग को 887 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। विभागों के इस समन्वय से समेकित योजना और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित होने की उम्मीद है।

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता डॉ. सतबीर सिंह कादियान ने बताया कि यह कार्यक्रम आधुनिक तकनीक के उपयोग, संस्थागत सुदृढ़ीकरण और किसान-केंद्रित हस्तक्षेपों के माध्यम से जल प्रबंधन में संरचनात्मक परिवर्तन लाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यह कार्यक्रम 15 क्लस्टरों में लागू किया जाएगा, जो 48.94 लाख एकड़ क्षेत्र को कवर करेगा और राज्य के सिंचाई योग्य कमांड एरिया के बड़े हिस्से को लाभ होगा।

इस पहल का एक प्रमुख फोकस डेटा-आधारित जल प्रबंधन प्रणाली को अपनाना है, जिसमें डिजिटल डेटाबेस और रियल-टाइम मॉनिटरिंग तंत्र शामिल हैं, ताकि सिंचाई दक्षता और सेवा वितरण में सुधार किया जा सके। कार्यक्रम में टिकाऊ कृषि पद्धतियों पर भी विशेष जोर दिया गया है, जिसमें फसल विविधीकरण तथा डायरेक्ट सीडेड राइस जैसी जल-संरक्षण तकनीकों को बढ़ावा देना शामिल है।

बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विजयेंद्र कुमार, वास्तुकला विभाग के प्रधान सचिव श्री पंकज अग्रवाल, आबकारी एवं कराधान विभाग की आयुक्त एवं सचिव श्रीमती आशिमा बराड़ सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सांसद नवीन जिन्दल ने पैरा राइफल शूटर रीना रानी की उपलब्धियों की सराहना कर बढ़ाया हौसला

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

पैरा राइफल शूटर रीना रानी अपने राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर जीते हुए स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक लेकर सांसद नवीन जिन्दल से मिली। रीना रानी ने सांसद नवीन जिन्दल को अपनी उपलब्धियों और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर राइफल शूटिंग में देश का नाम ऊंचा करने के लक्ष्य से भी अवगत कराया। रीना ने सांसद नवीन जिन्दल को, अपना खेल जारी रखने और अच्छे परिणाम लाने के लिए आर्थिक सहायता का भी मांगपत्र सौंपा।

सांसद नवीन जिन्दल ने रीना रानी के जज्बे, लगन और कठिन मेहनत की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं। सीमित संसाधनों और शारीरिक कठिनाई के बावजूद रीना ने जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वह सराहनीय हैं और यह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है।

इस अवसर पर सांसद ने यह भी संज्ञान लिया कि रीना रानी को अपने खेल को आगे बढ़ाने के लिए आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने तुरंत सहायता का आश्वासन देते हुए कहा कि प्रतिभा संसाधनों के अभाव में रुकनी नहीं चाहिए।

सांसद नवीन जिन्दल की टीम द्वारा शीघ्र ही रीना की आवश्यकताओं का विस्तृत अध्ययन किया जाएगा और उसे आवश्यक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि वह राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर देश का नाम ऊंचा कर सके।

संसद नवीन जिन्दल स्वयं एक खिलाड़ी है। युवाओं को नशे से दूर करने और खेलों के प्रति उत्साहित करने के लिए हमेशा आगे रहते हैं। उनका प्रयास है कि अधिक से अधिक संख्या में युवा खेलों से जुड़े और स्वस्थ जीवन शैली को अपनाएं।

कुरुक्षेत्र की धरती से सिख गुरुओं का गहरा आध्यात्मिक संबंध: डॉ. मनमोहन

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

- कुरुक्षेत्र की भूमि पर उत्पन्न ज्ञान पूरे भारत और विश्व के लिए प्रासंगिक: प्रो. मनिंदर सिंह
- पंजाबी विभाग में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का तकनीकी सत्र आयोजित

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में पंजाबी विभाग द्वारा प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृत एवं पुरातत्व विभाग, श्रीमद्भगवद्गीता अध्ययन केंद्र, भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (नई दिल्ली) तथा विजन कुरुक्षेत्र के सहयोग से गणपति चंद्र गुप्ता सेमिनार हॉल में कुरुक्षेत्रः थ्रू द एजेज विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के अंतर्गत एक विशेष तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। सेमिनार का उद्घाटन करते हुए पंजाबी विभाग के अध्यक्ष डॉ. कुलदीप सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि आज का कुरुक्षेत्र ऐतिहासिक रूप से सप्त सिंधु पंजाब का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। उन्होंने कहा कि इस तकनीकी सत्र के माध्यम से कुरुक्षेत्र से जुड़े खालसा राज और सिख गुरुओं के इतिहास, दर्शन और साहित्य को प्रलेखित किया जाएगा, जिससे आने वाली पीढ़ियों को प्रामाणिक जानकारी प्राप्त हो सके।

इस अवसर पर मदन मोहन छाबड़ा ने कार्यक्रम की परिकल्पना को स्पष्ट करते हुए कहा कि विश्व की पहली जीवनी हर्षवर्धन की कुरुक्षेत्र में ही लिखी गई थी। मुख्य वक्ता के रूप में गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर के पंजाबी अध्ययन पीठ के प्रमुख प्रो. मनिंदर सिंह ने प्राचीन भारतीय शास्त्रों के संदर्भ में भारत के इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यद्यपि कुरुक्षेत्र एक भौगोलिक स्थान है, लेकिन इस भूमि पर उत्पन्न ज्ञान पूरे भारत और विश्व के लिए प्रासंगिक है। प्रो. मनिंदर सिंह ने सिख शासन की अवधारणा पर चर्चा करते हुए कहा कि दिल्ली विजय का श्रेय गुरु तेग बहादुर जी को और लाहौर विजय का श्रेय गुरु अर्जन देव जी को जाता है। उन्होंने कहा कि ये ऐसे महापुरुष थे जिन्होंने तत्कालीन सत्ता के समक्ष झुकने के बजाय शहादत को स्वीकार किया। बाबा फरीद, गुरु अर्जन देव जी, भगत रविदास, औरंगजेब, प्लेटो और अरस्तू जैसे विद्वानों के संदर्भ देते हुए उन्होंने विद्यार्थियों के साथ एकता में विविधता की अवधारणा साझा की और रविदास जी के बेगमपुरा को खालसा राज का आदर्श बताया।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रसिद्ध पंजाबी लेखक एवं विचारक डॉ. मनमोहन ने अपने संबोधन में सेमिनार के विषय की प्रासंगिकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र की धरती केवल महाभारत और गीता के कारण ही नहीं, बल्कि सिख इतिहास और आध्यात्मिक परंपरा के संदर्भ में भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने बताया कि सिख परंपरा के आठ गुरुओं ने कुरुक्षेत्र की पवित्र धरती पर अपने चरण रखे, जिससे यह क्षेत्र आध्यात्मिक संवाद और सामाजिक चेतना का महत्वपूर्ण केंद्र बना। डॉ. मनमोहन ने कहा कि सिख गुरुओं ने मानवता, समानता और न्याय के मूल्यों को अपने जीवन और शिक्षाओं के माध्यम से समाज के सामने रखा। उन्होंने कहा कि शहादत की अवधारणा का उद्भव सबसे पहले दर्शनशास्त्र में हुआ, जहां सत्य और धर्म की रक्षा के लिए अपने जीवन का त्याग करने की भावना को सर्वोच्च आदर्श माना गया। उन्होंने गुरु नानक देव जी, गुरु अर्जन देव जी और गुरु गोबिंद सिंह जी के जीवन प्रसंगों का उल्लेख करते हुए बताया कि इन गुरुओं ने सत्य, न्याय और धर्म की रक्षा के लिए कठिन परिस्थितियों का सामना किया और समाज को त्याग, साहस और सेवा का मार्ग दिखाया। इसके साथ ही उन्होंने संत परंपरा के महान संत भगत कबीर जी के वचनों का भी उल्लेख करते हुए कहा कि कबीर ने अपने विचारों के माध्यम से सत्य, समानता और मानवता का संदेश दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. रविंदर सिंह ने कुरुक्षेत्र की आध्यात्मिक परंपरा पर चर्चा करते हुए कहा कि गुरुओं ने अपने प्राण शासन करने के लिए नहीं बल्कि धर्म और सत्य की रक्षा के लिए न्योछावर किए। उन्होंने विद्यार्थियों को गुरु इतिहास और सिख इतिहास के बीच के अंतर से भी अवगत कराया। इस अवसर पर प्रो. राज कुमार हंस ने अपने संबोधन में मुगल आक्रमणों के संदर्भ में भारतीय इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि लगातार हुए आक्रमणों के कारण भाषा और संस्कृति में भी परिवर्तन आए।

उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र की धरती का सिख गुरुओं के साथ गहरा संबंध रहा है और सिख इतिहास के प्रारंभिक 300 वर्ष एक क्रांतिकारी दौर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इतिहासकारों ने महाराजा रणजीत सिंह के शासन को सिख राज या खालसा राज कहा है, लेकिन वास्तव में वह पूर्ण रूप से खालसा राज नहीं था और उसमें कई कमियां भी थीं। उन्होंने बताया कि आठ सिख गुरुओं ने कुरुक्षेत्र की धरती का दौरा किया और लोगों के बीच फैली सामाजिक बुराइयों को दूर करने का प्रयास किया।

तकनीकी सत्र की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. रविंदर सिंह और पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के डॉ. परवीन कुमार ने की। इस दौरान एस. सिमरजीत सिंह कंग (लुधियाना), डॉ. अमरजीत सिंह, डॉ. हरजिंदर सिंह सिद्धू और डॉ. धर्मिंदर सिंह सिद्धू सहित अनेक विद्वानों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत करते हुए खालसा राज और सिख गुरु पर गहन विचार रखे।

कार्यक्रम में प्रो. आर.के. देसवाल, प्रो. भगत सिंह, प्रो. संजीव शर्मा, प्रो. शुचिस्मिता, प्रो. नीरा राघव, कुटा के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र खटकड़, डॉ. जितेंद्र भारद्वाज, डॉ. शिव शंकर पाहवा, डॉ. आबिद अली, मेजर इंद्रजीत शर्मा, डॉ. सरिता आर्य और डॉ. संगीता गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन पंजाबी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. लता खेड़ा ने किया, जबकि अंत में डॉ. गुरप्रीत सिंह साहूवाला ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। सम्मेलन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्रोफेसरों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

संपादकीय लोकतंत्र की शांतिपूर्ण जीत: ईवीएम में बंद हुई करोड़ों उम्मीदें – असम, केरल और पुदुच्चेरी ने रच दिया इतिहास!

9 अप्रैल 2026 का दिन भारतीय लोकतंत्र के लिए एक गौरवशाली दिन बनकर इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया। असम, केरल और पुदुच्चेरी में विधानसभा चुनाव के बीच मतदान प्रक्रिया कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। तीनों राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेश में करोड़ों मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उत्साहपूर्वक प्रयोग किया और यह सिद्ध कर दिया कि भारत का आम नागरिक लोकतंत्र की जड़ों को कितनी गहराई से सींचता है। इन तीनों क्षेत्रों में कुल 1,906 उम्मीदवार मैदान में थे – असम में 722, केरल में 890 और पुदुच्चेरी में 294। कुल मतदाताओं की संख्या 5.3 करोड़ से अधिक रही। यह संख्या अपने आप में इस चुनाव के विशाल और महत्वपूर्ण स्वरूप को बयान करती है। सुबह 7 बजे जैसे ही मतदान केंद्रों के द्वार खुले, मतदाताओं की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिलीं। पहले दो घंटों में ही तीनों राज्यों में लगभग 17 प्रतिशत मतदान हो चुका था, जिसमें असम 17.87 प्रतिशत के साथ सबसे आगे रहा, उसके बाद पुदुच्चेरी 17.41 प्रतिशत और केरल 16.23 प्रतिशत रहा। यह शुरुआती उत्साह बता रहा था कि दिन भर मतदान की गति तेज रहेगी। दोपहर 3 बजे तक चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार असम में 75.91 प्रतिशत, केरल में 62.71 प्रतिशत और पुदुच्चेरी में 72.40 प्रतिशत मतदान दर्ज हो चुका था। यह आंकड़े चुनाव आयोग और प्रशासन की सफल तैयारियों का प्रमाण थे। असम में सभी 126 विधानसभा सीटों पर मतदान सम्पन्न हुआ और शाम 5 बजे तक 84.42 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो 2021 के विधानसभा चुनाव के 82.04 प्रतिशत के आंकड़ों को पीछे छोड़ता है। अंतिम आंकड़े 85.04 प्रतिशत तक पहुँचे, जो इस राज्य के इतिहास में एक नया कीर्तिमान है। दलगाँव विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक 94.57 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि सबसे कम मतदान अमरी क्षेत्र में 70.40 प्रतिशत दर्ज किया गया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मतदान से पहले गुवाहाटी स्थित कामाख्या देवी मंदिर में पूजा-अर्चना की और उसके बाद जलुकबाड़ी सीट पर अपनी पत्नी रिनिकी भुयाँ शर्मा और बच्चों के साथ मतदान किया। उनके इस कदम ने राज्य में मतदान के प्रति उत्साह को और बढ़ाया। असम में भाजपा नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रहा है, जबकि कांग्रेस एक दशक बाद सत्ता में वापसी का सपना देख रही है। इस राजनीतिक प्रतिस्पर्धा ने मतदाताओं को और अधिक सक्रिय रूप से मतदान केंद्रों तक खींचा। केरल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी रतन यू. केलकर ने कहा कि राज्य में मतदान बेहद शांतिपूर्ण और प्रशंसनीय रहा। केरल में कुल 2.71 करोड़ मतदाता पंजीकृत थे, जिनमें 1.39 करोड़ महिलाएँ, 1.32 करोड़ पुरुष और 273 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल थे। इन आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि केरल ने समाज के हर वर्ग को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सम्मिलित किया। केरल में मतदान के दौरान कुछ मतदान केंद्रों पर फर्जी मतदान के आरोपों को लेकर विरोध की छिटपुट घटनाएँ सामने आईं। त्रिशूर जिले के मनलूर में कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच एक मामूली झड़प हुई। हालाँकि इन घटनाओं ने समग्र मतदान प्रक्रिया को प्रभावित नहीं किया और चुनाव आयोग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए स्थिति को नियंत्रण में रखा। केरल में मुख्य मुकाबला सीपीआई(एम) नेतृत्व वाले एलडीएफ और कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ के बीच था, जिसमें भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए ने कुछ सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबले का रूप दिया। वामपंथी गठबंधन लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश में था। राज्य में कुल 140 सीटों के लिए 890 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला ईवीएम में बंद हो गया। पुदुच्चेरी में 30 विधानसभा सीटों पर 86.92 प्रतिशत मतदान हुआ, जो तीनों क्षेत्रों में सर्वाधिक रहा। इस छोटे से केंद्रशासित प्रदेश ने मतदान प्रतिशत के मामले में बड़े राज्यों को पीछे छोड़ दिया। पुदुच्चेरी में एक मतदान केंद्र पर रोबोट द्वारा मतदाताओं का स्वागत किया गया, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं। यह नवाचार बताता है कि चुनाव आयोग मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए नई तकनीकों का उपयोग करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा। पुदुच्चेरी में भाजपा समर्थित एआईएनआरसी गठबंधन सत्ता बनाए रखने की कोशिश में था, जबकि कांग्रेस नेतृत्व वाला विपक्षी गठबंधन स्थानीय स्वायत्तता और प्रशासनिक मुद्दों को केंद्र में रखकर सत्ता परिवर्तन की उम्मीद लगाए था। मतदान समाप्त होने के बाद एक पीठासीन अधिकारी ने कहा कि मतदान शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुआ और उन्होंने चुनाव आयोग का आभार व्यक्त किया। चुनाव आयोग ने भी सोशल मीडिया पर मतदाताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनकी उत्साही भागीदारी ने लोकतंत्र को और चमकदार बनाया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मतदाताओं से रिकॉर्ड संख्या में मतदान करने की अपील करते हुए कहा था कि प्रत्येक वोट इन राज्यों में सुशासन, समृद्धि और शांति लाने में सहायक होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी तीनों राज्यों के मतदाताओं, विशेषकर युवाओं और महिलाओं को मतदान में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया था। वोटों की गिनती 4 मई 2026 को होगी, उसी दिन तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणाम भी घोषित किए जाएंगे। अब सभी की नजरें उस दिन पर टिकी हैं जब ईवीएम में बंद जनादेश का रहस्य खुलेगा। कुल मिलाकर, 9 अप्रैल 2026 का यह चुनाव न केवल मतदान प्रतिशत के लिहाज से उल्लेखनीय रहा, बल्कि शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से सम्पन्न होने के कारण भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का भी प्रमाण बना। जब करोड़ों नागरिक अपनी इच्छाशक्ति और नागरिक चेतना के साथ मतदान केंद्र तक पहुँचते हैं, तो यही क्षण लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव बन जाता है।

किसी के लिए भी आसान नहीं केरल की राह

योगेश कुमार सोनी (हि.स)

1957 में राज्य गठन के बाद से केरल राज्य में मुख्य रूप से वामपंथी और कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारें रही है जो अलग-अगल समय पर सत्ता में आती रही हैं, कभी-किसी का कालखंड ज्यादा समय के लिए वर्चस्व में नही रहा। लेकिन 2016 व 2021 से लगातार दो बार पिनाराई विजयन मुख्यमंत्री बन रहे हैं। अब सवाल यही उठता है कि क्या कांग्रेस पिनाराई विजयन के किले को भेद पाएगी? विजयन की स्थिति को इस बार भी मजबूत इसलिए माना जा रहा है चूंकि वह दशक भर से राज्य में अपने सार्थक शासन को संचालित करने में महारत हासिल कर चुके हैं। यदि कांग्रेस की बात करें तो बीते लोकसभा चुनाव में केरल के वायनाड से राहुल गांधी ने रिकॉर्डतोड़ जीत हासिल की थी जिससे वहां कांग्रेस की स्थिति मजबूत देखकर सब आश्चर्यचकित रह गए थे। हालांकि केरल जैसे राज्य में कांग्रेस ने हार व जीत के साथ अपनी स्थिति को मजबूत बनाए रखा है लेकिन क्या अब इन दोनों पक्षों के समीकरणों के साथ केरल के किले को भेदने में कितना सार्थक हो पाती है?

मौजूदा मुख्यमंत्री अपने बीते दशक भर में किए गए कामों को कामों को मजबूती से गिनवा रहे हैं। जैसे कि लोगों की बढ़ाई हुई पेंशन, राज्य में बेहतर हुई स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, बुनियादी ढांचा और 'नवा केरलम' विजन सबसे खास हैं। इसके अलावा राज्य में सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में किए गए काम, सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर करने की दिशा में बढ़ाए गए कदम और राज्म में आए निवेश को लाने का जिक्र भी किया गया है। इन मुद्दों के साथ में सत्तारूढ़ गठबंधन तीसरी बार केरल की सत्ता में वापसी करने पर मेहनत कर रहा है। लेकिन इसके विपरीत कांग्रेस ने सीपीआई-एम के नेतृत्व वाली वामपंथी सरकार पर पक्षपात और भ्रष्टाचार का आरोप लगा रही है जिसके अहम रमुद्दे हैं यूडीएफ भ्रष्टाचार, वायनाड में भूस्खलन में अनियमितता, इनके अनुसार राज्य पहले की अपेक्षा अपराध बहुत बडे स्तर पर अपराध बढ़ा है, नौकरियों में लगातार कमी आ रही है जिससे युवा बेरोजगार हैं जिससे युवाओं को राज्य का छोड़ना लगातार जारी है, गुपचुप तरीके से अवैध रुप से नियुक्तियां जैसे मुद्दे हैं। यह सभी पार्टियों के लिए बड़ा मुद्दा है, लेकिन यूडीएफ इसे एलडीएफ सरकार की नाकामी बताकर उठा रही है।

इसके अलावा बीजेपी समर्थक थर्ड फ्रंड एक ऐसा मुद्दा उठा रही है जो पार्टियों को छोटा लग रहा था लेकिन वह अचानक बड़ा बन गया और वह है जानवरों से खेती की बबार्दी। बताया जा रहा है और वहां चित्रों से भी प्रतीत होता है कि वॉयनाड जिले का वडक्कनाड में किसानों ने घर छोड़ दिए। गांव में अधिकतर घर टूटी-फूटी हालात में खाली पडें हैं चूंकि वहां के रहने वाले किसानों का कहना है कि जब फसल कटने का समय आता है तो हाथी व अन्य जंगली जानवर सब बर्बाद कर देते हैं। यह कहानी वर्षों से चल रही है जो लेकर कई बार राज्य सरकार को अवगत कराया जा चुका है लेकिन उस पर किसी भी प्रकार की मदद नही मिली जिससे वहां के लोगों बहुत आक्रोश है।

इसके अलावा भी कई ऐसे छोटे-छोटे मुद्दे हैं जो अब बड़े बनते जा रहे हैं। राज्य की वृद्ध आबादी 16.5 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है जो देश में सबसे अधिक है और वरिष्ठ नागरिक एक प्रभावशाली मतदाता वर्ग बन गए हैं जिसकी नकारात्मकता यह है कि केरल से युवाओं का पलायन लगातार जारी है। यदि लड़कियों की बात करें केरल से देश से सबसे ज्यादा नर्सें बनती हैं और देश व दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चली जाती हैं वही लडकों की बात करें तो यहां नौकरी व उतना रोजगार नही है जिसकी वजह से वो भी यहां से पलायन कर जाते हैं।

कुल मिलाकर राज्य ने अपने अंदर ऐसा कुछ नही समाया हुआ जिससे वहां की जनता को वहां रुकने का मौका मिले। बहरहाल, अब देखना यह होगा कि कौन सी पार्टी किन मुद्दों को जनता को समझाने या मनाने के लिए सार्थक सिध्द होती है चूंकि कई बार बडे मुद्दों से ज्यादा छोटे मुद्दे कारगर साबित हो जाते हैं। लेकिन अब देखना यह है कि पिनाराई विजयन अपना किला बचा पाते हैं या कांग्रेस पुन अपने आप को स्थापित करती है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारत के अंतिम छोर पर स्थित स्वास्थ्य एवं कल्याण इकोसिस्टम को मजबूत बनाना

प्रतापराव जाधव

अब जबकि भारत सभी के लिए न्यायसंगत, समावेशी और समग्र स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे के सपने को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, हमें एक मौलिक प्रश्न पूछना होगाः हम अंतिम गांव के अंतिम व्यक्ति तक सही समय पर गुणवत्तापूर्ण देखभाल पहुंचना कैसे सुनिश्चित करें?

इसका जवाब केवल बुनियादी ढांचे के विस्तार या उन्नत प्रौद्योगिकियों के उपयोग में ही नहीं, बल्कि उन प्रणालियों को मजबूत करने में भी निहित है जो स्वाभाविक रूप से सुलभ, सस्ती और समुदायों के भरोसे पर खरे उतरते हों। इस संदर्भ में, होम्योपैथी भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों के साथ-साथ एक मौन लेकिन शक्तिशाली ताकत के रूप में उभर रही है और जमीनी स्तर पर समग्र स्वास्थ्य से जुड़े बुनियादी ढांचे को बदल रही है।

हम यह दिखाई दे रहा है कि होम्योपैथी कैसे जनजातीय क्षेत्रों, ग्रामीण इलाकों और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी वाले शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की आपूर्ति से जुड़ी महत्वपूर्ण कमियों को दूर कर रही है। इसके प्रभाव का पता केवल व्यापकता से ही नहीं, बल्कि सबसे अधिक जरूरत वाले स्थानों - यानी अंतिम छोर - तक पहुंचने की क्षमता से भी चल रहा है।

अब जबकि हर वर्ष 10 अप्रैल को मनाया जाने वाला ह्यविश्व होम्योपैथी दिवसह्न करीब है, यह इस बात पर विचार करने का एक सही मौका है कि यह प्रणाली केवल व्यक्तिगत कल्याण ही नहीं बल्कि समग्र कल्याण का एक ऐसा मॉडल बनाने में भी योगदान दे रही है जो किफायती, पर्यावरण के अनुकूल और सामाजिक रूप से समावेशी हो। इस वर्ष विश्व होम्योपैथी दिवस की थीम ह्लसतत स्वास्थ्य के लिए होम्योपैथीह्व है।

18वीं शताब्दी में सैमुअल हैनिमैन द्वारा विकसित और 19वीं शताब्दी में भारत लाई गई, होम्योपैथी ह्लसिमिलिया सिमिलिबस क्यूरेंचरह्व यानी ह्लसमान से समान का उपचारह्व के सिद्धांत पर आधारित है। दशकों से एक समग्र और रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए, यह भारत की बहुआयामी स्वास्थ्य एवं कल्याण प्रणाली का एक अभिन्न अंग बन गई है।

जमीनी स्तर पर होम्योपैथी की सबसे बड़ी खूबी इसकी निरंतर देखभाल सुनिश्चित करने की क्षमता है। कई पिछड़े इलाकों में स्वास्थ्य सेवा टुकड़ों में बिखरी हुई नहीं होती, बल्कि निरंतर और रिश्तों से सचालित होती है। होम्योपैथी का व्यक्ति-केन्द्रित उपचार का दृष्टिकोण, खासतौर पर पुरानी बीमारियों, बार-बार होने वाले संक्रमणों और जीवनशैली संबंधी विकारों के प्रबंधन के क्रम में चिकित्सक और रोगी के बीच दीर्घकालिक जुड़ाव को बढ़ावा देता है। यह निरंतरता उपचार के प्रति रोगी के समर्पण और समग्र स्वास्थ्य से जुड़े नतीजों में उल्लेखनीय सुधार करती है।

आज भारत में 290 से अधिक होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल हैं। साथ ही, देशभर में चिकित्सकों का एक विशाल नेटवर्क भी उपलब्ध है। फिर भी, होम्योपैथी के असली प्रभावों को संस्थानों में नहीं बल्कि जमीनी स्तर पर - झारखंड के जनजातीय जिलों, छत्तीसगढ़ के वन क्षेत्रों में और हिमाचल प्रदेश की दूरदराज की बस्तियों में - बेहतर ढंग से समझा जा सकता है। वहां एक अकेला चिकित्सक भी सामुदायिक स्वास्थ्य से जुड़े नतीजों में बदलाव ला सकता है।

होम्योपैथी की प्रमुख खूबियों में से एक इसकी सरलता भी है। दवाइयां किफायती होती हैं, इन्हें लाना-ले जाना आसान होता है और इनके भंडारण के लिए किसी जटिल भंडारण संरचना की जरूरत ही नहीं होती है। कमजोर आपूर्ति श्रृंखलाओं और सीमित स्वास्थ्य सेवा कर्मियों वाले इलाकों में, होम्योपैथी की ये विशेषताएं अनमोल हो जाती हैं।

जनजातीय समुदायों, जो हमारी आबादी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और अक्सर बीमारियों का बेमेल बोझ झेलते हैं, के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को सांस्कृतिक रूप से भी अनुकूल होना चाहिए। होम्योपैथी का सौम्य और गैर-आक्रामक रवैया पारंपरिक उपचार पद्धतियों के अनुरूप है, जिससे यह अपेक्षाकृत अधिक स्वीकार्य और सुलभ हो जाता है।

इसी क्षमता को पहचानते हुए, भारत सरकार ने होम्योपैथी को मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवाओं साथ जोड़ने के लिए कई कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत, 12,500 से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) स्थापित किए गए हैं, जो सामुदायिक स्तर पर होम्योपैथी सहित व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि होम्योपैथी भारत में गैर-संक्रामक रोगों से निपटने में भी योगदान दे रही है। केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच) ने मधुमेह, हृदय रोग और अन्य दीर्घकालिक बीमारियों से निपटने से संबंधित राष्ट्रीय कार्यक्रमों में होम्योपैथी को जोड़ा है। यह प्राथमिक देखभाल से परे इसकी प्रासंगिकता को दशार्ता है।

आपूर्ति के नए-नए मॉडल भी उतने ही उत्साहजनक हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के अंतर्गत सेवाओं के एक ही स्थान पर उपलब्ध होने की सुविधा ने पहुंच और विश्वास दोनों को बेहतर बनाया है। चलंत चिकित्सा इकाइयां जहां दूरदराज के इलाकों तक पहुंच रही हैं, वहीं सामुदायिक सहायता से जुड़ी पहलों और महामारी से निपटने से संबंधित कार्यक्रमों ने विभिन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य परिदृश्यों में होम्योपैथी की अनुकूलता को प्रदर्शित किया है।

शायद सबसे कारगर मॉडल बुनियादी होम्योपैथी में प्रशिक्षित सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकताओं का है। सही ज्ञान और रेफरल सिस्टम के सहयोग से, ये कार्यकर्ता न्यूनतम लागत पर स्वास्थ्य सेवाओं का व्यापक विस्तार कर सकते हैं। स्वास्थ्य रक्षा जैसे कार्यक्रम और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीसीआरएच) द्वारा संचालित संपर्क संबंधी पहलों ने पहले ही दिखा दिया है कि समुदाय-आधारित दृष्टिकोण सार्थक नतीजे दे सकते हैं।

भविष्य को देखते हुए, सतत स्वास्थ्य एवं कल्याण के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती लागत, पुरानी बीमारियों का बढ़ता बोझ और रोगाणुरोधी प्रतिरोध जैसी उभरती चुनौतियों से निपटने हेतु ऐसे समाधानों की जरूरत है जो न केवल कारगर हों बल्कि आर्थिक और पर्यावरणीय रूप से व्यवहारिक भी हों।

होम्योपैथी इस दृष्टिकोण के साथ स्वाभाविक रूप से मेल खाती है। इसके कम लागत वाले उपचार परिवारों और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों पर वित्तीय बोझ को कम करते हैं। जबकि इसका न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव, पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार स्वास्थ्य और कल्याण संबंधी कार्यप्रणालियों का समर्थन करता है।

अब हमारा ध्यान इन प्रयासों को व्यापक स्तर पर कार्यान्वित करने पर होना चाहिए। इन प्रयासों में कम सुविधा वाले क्षेत्रों में प्रशिक्षण को मजबूत करना, दवाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना, गहन अनुसंधान एवं दस्तावेजीकरण को बढ़ावा देना और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकताओं को सशक्त बनाना शामिल है।

विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब भौगोलिक स्थिति या सामाजिक-आर्थिक हैसियत की परवाह किए बिना गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रत्येक नागरिक तक पहुंचेगी। होम्योपैथी, अपने गहरे सामुदायिक जुड़ाव और टिकाऊ दृष्टिकोण के साथ, इस लक्ष्य को हासिल करने का मार्ग प्रशस्त करती है।

हमारी स्वास्थ्य प्रणाली की असली पहचान उसकी अत्याधुनिक सुविधाओं में नहीं, बल्कि हाशिए पर रहने वाले लोगों की सेवा करने की उसकी क्षमता में निहित है। जब एक सरल और किफायती उपाय किसी दूरदराज के गांव में एक परिवार को राहत पहुंचाता है, तो यह इस सशक्त विचार को पुष्ट करता है - कि भारत में स्वास्थ्य सेवाएं अधिक समावेशी, अधिक मानवीय और वास्तव में सार्वभौमिक होती जा रही हैं।

[लेखक आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हैं]

आज का राशिफल

मेषः आज आप संतान के भविष्य को लेकर थोड़े चिंतित रह सकते हैं। पुरानी समस्याएँ फिर से सामने आ सकती हैं, इसलिए धैर्य बनाए रखें। किसी भी प्रकार के विवाद से दूरी रखना आपके लिए बेहतर रहेगा। नौकरी बदलने का अचानक निर्णय लेने से बचें और आर्थिक मामलों में सतर्कता बरतें। *(सिटी दर्पण)*

वृषभः आज का दिन व्यवसायिक सफलता लेकर आ सकता है। अपने काम खुद करने से बेहतर परिणाम मिलेंगे। परिवार में खुशी और सकारात्मक माहौल बना रहेगा। किसी शुभ आयोजन में शामिल होने का अवसर मिल सकता है। अटकी हुई डील को समझदारी से संभाल लेंगे। *(सिटी दर्पण)*

मिथुनः कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन सराहनीय रहेगा और आपके काम की प्रशंसा होगी। कानूनी मामलों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को कुछ दबाव महसूस हो सकता है। हल्की थकान रहेगी, लेकिन आप संपत्ति में निवेश करने का मन बना सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

कर्कः महत्वपूर्ण दस्तावेजों को सुरक्षित रखना आज बेहद जरूरी है। किसी जरूरी कार्य में आपकी सक्रिय भागीदारी हो सकती है। नई नौकरी में हैं तो कुछ चुनौतियाँ सामने आ सकती हैं। बच्चों की सेहत और सुरक्षा को लेकर सतर्क रहें। काम में नए प्रयोग लाभदायक साबित हो सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

सिंहः आज कार्यक्षेत्र में मन थोड़ा भटका रह सकता है। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। व्यापार में नए प्रयोग करने से बचें। दाम्पत्य जीवन में हल्का तनाव संभव है। परिवार की जरूरतों को प्राथमिकता दें और सरकारी कार्यों में लापरवाही न करें। *(सिटी दर्पण)*

कन्याः आप खुद को ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे। कोई अच्छी खबर आपको उत्साहित कर सकती है। सामाजिक कार्यों में आपकी भागीदारी बढ़ेगी और दूसरों को प्रेरित करेंगे। कार्यक्षेत्र में काम आसानी से पूरे होंगे और आपकी छवि मजबूत होगी। *(सिटी दर्पण)*

तुलाः आज आप किसी शुभ कार्य की योजना बना सकते हैं। हालांकि, धन खर्च करते समय सावधानी रखें क्योंकि गलत जगह निवेश हो सकता है। बच्चों के व्यवहार को लेकर चिंता रहेगी। एसिडिटी जैसी समस्या परेशान कर सकती है। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिकः नौकरीपेशा लोगों के लिए नए अवसर सामने आ सकते हैं। आय में सुधार होगा और दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। कार्यक्षेत्र में मेहनत अधिक करनी पड़ेगी, लेकिन उसका परिणाम संतोषजनक रहेगा। दिनचर्या को संतुलित रखना जरूरी है। *(सिटी दर्पण)*

धनुः आज आर्थिक मामलों में सावधानी बरतने की जरूरत है। दोस्तों के साथ मतभेद हो सकते हैं। कार्यस्थल के माहौल पर नजर रखें और नई तकनीकों का प्रयोग सोच-समझकर करें। भावनाओं में बहकर खर्च बढ़ सकता है। गूढ़ विषयों में रुचि बढ़ेगी। *(सिटी दर्पण)*

मकरः परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग से लाभ होगा। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। बेरोजगार लोगों को अच्छी नौकरी मिलने की संभावना है। प्रेम संबंधों के लिए दिन बेहद अनुकूल है। *(सिटी दर्पण)*

कुंभः आज आपको अपेक्षा से अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। यदि आप संपत्ति खरीदने की योजना बना रहे हैं तो समय अनुकूल है। लंबे समय से रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। व्यवसाय में गुणवत्ता सुधार होगा। खुद पर भरोसा बनाए रखें। *(सिटी दर्पण)*

मीनः जिम्मेदार पद पर हैं तो कार्यभार बढ़ सकता है। भावनाओं और गुस्से पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। डायबिटीज के मरीजों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। प्रेम संबंधों को पारिवारिक स्वीकृति मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ हल्की नोकझोंक संभव है। *(सिटी दर्पण)*

आखिर युद्ध से मिला क्या?

डॉ. सत्यवान सौरभ (हि.स)

दुनिया एक बार फिर उसी मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है, जहाँ शक्ति प्रदर्शन, धमकियों और सैन्य गतिविधियों के बीच मानवता की आवाज कहीं दब-सी जाती है। हालिया घटनाओं ने यह प्रश्न फिर से प्रासंगिक बना दिया है कि आखिर युद्ध से किसी को वास्तव में क्या मिलता है। क्या यह केवल ताकत का प्रदर्शन भर है, या इसके पीछे कोई स्थायी समाधान भी निहित होता है? इतिहास और अनुभव दोनों इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि युद्ध किसी समस्या का अंत नहीं करता, बल्कि वह नई समस्याओं की एक अंतहीन श्रृंखला को जन्म देता है। आज जब वैश्विक परिदृश्य में अस्थिरता बढ़ती जा रही है, तब यह प्रश्न और भी अधिक गंभीर हो उठता है।

युद्ध की शुरूआत प्रायः राष्ट्रीय सुरक्षा, आत्मरक्षा या सम्मान की रक्षा के नाम पर होती है, लेकिन इसका परिणाम कहीं अधिक व्यापक और विनाशकारी होता है। युद्ध के बाद जिन्हें विजेता कहा जाता है, वे भी भीतर से कमजोर हो जाते हैं। उनकी अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ पड़ता है, संसाधनों की बबार्दी होती है, और सामाजिक ढांचा चरमराने लगता है। शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास जैसे क्षेत्रों पर इसका सीधा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। दूसरी ओर, पराजित देश तो पहले से ही विनाश के मलबे तले दब जाते हैं, जहाँ पुनर्निर्माण की प्रक्रिया वर्षों तक चलती है और पीढ़ियाँ उसकी कीमत चुकाती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में सबसे अधिक क्षति आम नागरिकों को उठानी पड़ती है, जिनका न तो युद्ध में कोई प्रत्यक्ष योगदान होता है और न ही निर्णय प्रक्रिया में कोई प्रभाव।

युद्ध केवल भौतिक विनाश ही नहीं लाता, बल्कि यह मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक स्तर पर भी गहरे घाव छोड़ता है। विस्थापन, भय, असुरक्षा और मानसिक आघात ऐसी स्थितियाँ हैं, जो युद्ध के बाद लंबे समय तक समाज को प्रभावित करती हैं। बच्चे, महिलाएँ और बुजुर्ग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। उनके जीवन की सामान्य धारा बाधित हो जाती है, और वे एक अनिश्चित भविष्य की ओर धकेल दिए जाते हैं। सभ्यता, जो हजारों वर्षों में विकसित होती है, वह कुछ ही दिनों या महीनों में बिखर सकती है।

हाल के घटनाक्रम यह भी दशार्ते हैं कि बाहरी हमले और दबाव किसी देश को कमजोर करने के बजाय उसे और अधिक संगठित तथा आक्रामक बना सकते हैं। जब किसी राष्ट्र पर लगातार दबाव डाला जाता है, तो वहाँ राष्ट्रवाद की भावना प्रबल हो जाती है। लोग अपने आंतरिक मतभेद भुलाकर बाहरी खतरे के विरुद्ध एकजुट हो जाते हैं। इस प्रकार, जो रणनीति किसी देश को झुकाने के लिए अपनाई जाती है, वही उसे और अधिक सशक्त बना सकती है। यह युद्ध की सबसे बड़ी विडंबनाओं में से एक है कि वह अपने घोषित उद्देश्यों को भी कई बार पूरा नहीं कर पाता।

युद्ध का प्रभाव केवल युद्धरत देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका असर वैश्विक स्तर पर महसूस किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, व्यापार मार्ग और ऊर्जा आपूर्ति जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र इससे सीधे प्रभावित होते हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे संवेदनशील समुद्री मार्गों पर उत्पन्न संकट पूरी दुनिया की आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर सकता है। तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधाएँ और निवेश में अनिश्चितता जैसे परिणाम वैश्विक स्तर पर दिखाई देते हैं। विकासशील देशों पर इसका प्रभाव और अधिक गंभीर होता है, क्योंकि उनकी अर्थव्यवस्था पहले से ही सीमित संसाधनों पर निर्भर होती है।

जब महाशक्तियाँ किसी संघर्ष में शामिल होती हैं, तो स्थिति और अधिक जटिल हो जाती है। उनका हस्तक्षेप केवल सैन्य स्तर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि कूटनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक आयाम भी ग्रहण कर लेता है। इससे छोटे और मध्यम देशों के लिए अपनी स्थिति स्पष्ट करना कठिन हो जाता है। वे अक्सर ऐसे संतुलन की तलाश में रहते हैं, जिसमें उनके राष्ट्रीय हित सुरक्षित रहें और वे किसी बड़े टकराव का हिस्सा भी न बनें। लेकिन यह संतुलन बनाए रखना आसान नहीं होता, क्योंकि हर निर्णय के दूरगामी परिणाम होते हैं।

पश्चिम एशिया इस प्रकार के जटिल संघर्षों का एक प्रमुख उदाहरण है, जहाँ राजनीतिक, धार्मिक और सामरिक कारणों से तनाव लगातार बना रहता है। यहाँ की परिस्थितियाँ यह संकेत देती हैं कि एक छोटी-सी चिंगारी भी व्यापक संघर्ष का रूप ले सकती है। विभिन्न देशों और संगठनों की सक्रियता ने इस क्षेत्र को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। यहाँ होने वाले किसी भी घटनाक्रम का प्रभाव केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर महसूस किया जाता है।

ऐसे परिदृश्य में कुछ देशों ने संतुलित और परिपक्व कूटनीति का परिचय देने का प्रयास किया है। उन्होंने न केवल अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी, बल्कि वैश्विक शांति और स्थिरता को भी ध्यान में रखा। यह इस बात का प्रमाण है कि संवाद और कूटनीति के माध्यम से भी जटिल परिस्थितियों का समाधान खोजा जा सकता है। भले ही यह प्रक्रिया धीमी और चुनौतीपूर्ण हो, लेकिन यही स्थायी शांति की दिशा में सबसे विश्वसनीय मार्ग है।

वर्तमान समय में युद्ध का एक और महत्वपूर्ण आयाम सूचना और प्रचार का है। अब युद्ध केवल रणभूमि तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मीडिया और डिजिटल मंचों पर भी लड़ा जा रहा है। सूचनाओं का नियंत्रण, अफवाहों का प्रसार और जनमत को प्रभावित करने के प्रयास इस संघर्ष का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। इससे सत्य और असत्य के बीच अंतर करना और भी कठिन हो गया है। सोशल मीडिया के दौर में एक छोटी-सी भ्रामक सूचना भी बड़े स्तर पर भ्रम और तनाव उत्पन्न कर सकती है।

इसके अतिरिक्त, युद्ध पर्यावरण पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। बमबारी, रासायनिक हथियारों का उपयोग, और औद्योगिक ढाँचों का विनाश पर्यावरण को दीर्घकालिक नुकसान पहुँचाता है। जल, वायु और भूमि प्रदूषण के कारण प्राकृतिक संतुलन बिगड़ जाता है। जैव विविधता पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, और कई बार यह नुकसान अपरिवर्तनीय होता है। इस प्रकार, युद्ध केवल वर्तमान पीढ़ी को ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी प्रभावित करता है।

अंततः यह स्पष्ट है कि युद्ध किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। यह केवल अस्थायी जीत और स्थायी घाव छोड़ता है। मानवता, विकास और शांति के पथ पर अग्रसर होने के लिए आवश्यक है कि राष्ट्र संवाद, सहयोग और पारस्परिक समझ को प्राथमिकता दें। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भूमिका को भी मजबूत करने की आवश्यकता है, ताकि वे संघर्षों को रोकने और समाधान खोजने में अधिक प्रभावी हो सकें।

आज की दुनिया को यह समझना होगा कि असली शक्ति विनाश में नहीं, बल्कि सृजन में निहित है। जो देश और समाज इस सत्य को स्वीकार कर लेंगे, वही भविष्य में स्थायी शांति और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त कर पाएंगे। युद्ध के धुएँ में भले ही क्षणिक विजय का भ्रम दिखाई दे, लेकिन जब वह धुआँ छंटता है, तो पीछे केवल विनाश, पछतावा और अनिश्चितता ही शेष रह जाती है। यही युद्ध की सबसे बड़ी सच्चाई है–एक ऐसी सच्चाई, जिसे समझना और स्वीकार करना आज पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

गुरदासपुर में आईएसआई समर्थित बीकेआई आतंकी मॉड्यूल से जुड़े दो व्यक्ति गिरफ्तार

दो विशेष डेटोनेटर, कोडर और डिकोडर युक्त पीटीटी टाइमर, 9 वोल्ट बैटरी, केबल सहित 1 बाओफेंग वॉकी-टॉकी और ट्रिगर मैकेनिज्म भी बरामद

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/गुरदासपुर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशानुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी सफलता में, अमृतसर ग्रामीण, गुरदासपुर और काउंटर इंटेलिजेंस विंग के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) अमृतसर ने केंद्रीय एजेंसियों के साथ संयुक्त अभियान में आईएसआई समर्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) आतंकी मॉड्यूल के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर इस मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान आकाश मसीह और जबलौन के रूप में हुई है, जो दोनों जिला गुरदासपुर के थाना घुमान कलां के गांव दुल्ला नंगल के निवासी हैं। दोनों आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड पहले से मौजूद है।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि इन दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ महत्वपूर्ण बरामदगियां हुई हैं, जिनमें पांच हैंड ग्रेनेड, दो विशेष डेटोनेटर, कोडर और डिकोडर युक्त पुश-टू-टॉक (पीटीटी) टाइमर, 9 वोल्ट बैटरी, इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) सामग्री (1 किलोग्राम उच्च विस्फोटक), केबल तथा ट्रिगर सहित एक बाओफेंग वॉकी-टॉकी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह बरामदगी इस बात का संकेत है कि यह मॉड्यूल राज्य में शांति भंग करने के लिए उच्च-प्रभाव वाले आतंकी हमलों की तैयारी कर रहा था। डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (डीआईजी) बॉर्डर रेंज संदीप गोयल ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह आईएसआई समर्थित आतंकी मॉड्यूल विदेशी हैंडलरों द्वारा संचालित किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि इसके आगे-पीछे के संबंध, व्यापक साजिश और स्थानीय सहयोगी नेटवर्क का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। सीनियर सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (एसएसपी) गुरदासपुर आदित्य ने ऑपरेशन का विवरण देते हुए बताया कि टी-प्वाइंट जोगोवाल बेदिया पर विशेष पुलिस चेकिंग के दौरान जोगोवाल बेदिया गांव की ओर से एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक आते दिखाई दिए। पुलिस को देखकर उन्होंने मौके से भागने के लिए यू-टर्न लेने की कोशिश की, लेकिन पुलिस टीम ने उन्हें काबू कर लिया।

एसएसपी ने बताया कि पीछे बैठे व्यक्ति के पास नीले और पीले रंग के दो बैग थे, जिन्हें कपड़े से ढका हुआ था। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से विस्फोटक सामग्री और उपकरण बरामद किए गए। उन्होंने आगे बताया कि फोरेंसिक और बम निरोधक टीमों को मौके पर बुलाया गया और विस्फोटक सामग्री व ग्रेनेड को सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर दिया गया।

इस संबंध में थाना कलानौर, गुरदासपुर में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 4 और 5 के तहत एफआईआर नंबर 45 दिनांक 08/04/2026 दर्ज की गई है।

- यह बरामदगी राज्य में शांति भंग करने के उद्देश्य से उच्च-प्रभाव वाले हमलों की तैयारियों को दर्शाती है: डीजीपी गौरव यादव
- फोरेंसिक और बम निरोधक टीमों को मौके पर बुलाकर विस्फोटक सामग्री और ग्रेनेड को सफलतापूर्वक निष्क्रिय किया गया: एसएसपी गुरदासपुर आदित्य

जैतो पुलिस की एक और बड़ी सफलता, 106 ग्राम हेरोइन और एक लाख रुपये से ज्यादा की ड्रग मनी के साथ 2 आरोपी गिरफ्तार

जैतो। फरीदकोट जिले में एस. .एस.पी.फरीदकोट डॉ. प्रज्ञा जैन के निर्देश पर चलाए जा रहे नशा-विरोधी अभियान के तहत, नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में एस.पी.(जांच) फरीदकोट जोगेश्वर सिंह गोराया के नेतृत्व में, सी.आई.ए.स्टाफ जैतो ने एक और बड़ी सफलता हासिल की और नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल 02 आरोपियों को 106 ग्राम हैरोइन के साथ गिरफ्तार किया। यह जानकारी डी.एस,.पी. (सब-डिवीजन) जैतो इकबाल सिंह की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान साझा की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान फिरोजपुर निवासी अनित और जैतो (फरीदकोट) निवासी हरप्रीत सिंह उर्फ लवी के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने आरोपियों के पास से हैरोइन, 1 लाख 17 हजार रुपये की ड्रग मनी, 1 मोबाइल फोन और मौके पर मौजूद एच.एफ.डिलैकश मोटरसाइकिल भी जब्त की है। कार्रवाई का विवरण साझा करते हुए उन्होंने बताया कि 08 अप्रैल को ही.आई.ए. स्टाफ जैतो के प्रभारी सहायक एस.एच.ओ. दर्शन सिंह अपनी पुलिस टीम के साथ गश्त और चेकिंग के सिलसिले में जैतो होते हुए गांव सरावा आदि की ओर जा रहे थे। जब पुलिस टीम 'ब्रिज सुआ' (नहर के पुल) के पास पहुंची, तो उन्हें सरावा लिंक रोड पर नहर के पास एक बरगद के पेड़ के नीचे 02 युवक बैठे मिले। पुलिस टीम कुछ कदम ही आगे बढ़ी थी कि उन्होंने पास खड़ी मोटरसाइकिल पर बैठकर वहां से खिसकने की कोशिश की; इस पर पुलिस टीम ने बिना किसी शक के उन्हें रोका और उनकी तलाशी ली, तो आरोपियों के पास से 106 ग्राम हेरोइन, 1 लाख 17 हजार रुपये की ड्रग मनी और 1 मोबाइल फोन बरामद हुआ। इस संबंध में, पुलिस थाना जैतो में ठउढ्ढर एक्ट की धारा 21(इ)/27(अ)/29/61/85 के तहत केस नंबर 75, 08.04.2026 को दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी से शुरुआती पूछताछ के दौरान यह बात सामने आई है कि वह नशीले पदार्थों की खेप यहाँ सीमावर्ती इलाके में लाया था, जिसे आगे यहाँ सप्लाई किया जाना था। फरीदकोट पुलिस गिरफ्तार आरोपी के पिछले और अगले संपर्कों की बारीकी से जांच कर रही है। यहाँ यह भी बताना जरूरी है कि जब गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड खंगाला गया, तो पता चला कि इससे पहले भी गिरफ्तार आरोपी हरप्रीत सिंह उर्फ लावी के खिलाफ नशीले पदार्थों की तस्करी और अन्य गंभीर अपराधों के तहत 04 मामले दर्ज थे। गिरफ्तार आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर रिमांड हासिल किया जा रहा है, ताकि आगे की जांच की जा सके। फरीदकोट पुलिस नशीले पदार्थों को जड़ से खत्म करने के लिए एक जोरदार अभियान चला रही है। नशीले पदार्थों के तस्करों की गिरफ्तारी के अलावा, उनके पीछे काम कर रहे नेटवर्क की भी गहन जांच की जा रही है। जनता से अपील की जाती है कि यदि उन्हें नशीले पदार्थों की तस्करी से संबंधित कोई जानकारी मिलती है, तो वे फरीदकोट पुलिस को सूचित करें, ताकि नशीले पदार्थों को जड़ से उखाड़ फेंका जा सके और खत्म किया जा सके।

हरभजन सिंह ई.टी.ओ. द्वारा लोक निर्माण विभाग की सड़कों की प्रगति संबंधी समीक्षा बैठक

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब सरकार के लोक निर्माण विभाग द्वारा राज्य में निर्मित की जा रही सड़कों की प्रगति के संबंध में कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ. की अध्यक्षता में आज पंजाब भवन में विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा सड़क निर्माण के लिए निर्धारित लक्ष्यों को हर हाल में पूरा किया जाए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि बरसात के मौसम से पहले सड़क निर्माण से संबंधित सभी कार्य पूर्ण कर लिए जाएं।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़कों के निर्माण में नई तकनीक फुल डेप्थ रिक्लेमेशन का उपयोग करते हुए ग्रामीण सड़कों का पुनर्निर्माण किया जा रहा है। पहले चरण में 410 किलोमीटर सड़कों को इस तकनीक के माध्यम से पुनर्निर्मित किया जाएगा। इस तकनीक के जरिए सड़क में पहले से मौजूद रोड मेटल का पुनः उपयोग किया जाता है, जिससे अतिरिक्त खनन की आवश्यकता नहीं पड़ती। इससे पर्यावरण प्रदूषण में कमी आएगी और सड़कों का स्तर अनावश्यक रूप से ऊंचा होने से भी बचाया जा सकेगा।

कैबिनेट मंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि हाल ही में हुई बेमौसमी बारिश के कारण कार्य में आई देरी को दूर करने के लिए तेजी से काम किया जाए और प्रगति को बढ़ाया जाए। बैठक के दौरान अधिकारियों ने जानकारी दी कि राज्य में हॉट मिक्स प्लांट अपनी पूर्ण क्षमता के साथ कार्य कर रहे हैं, जिसके चलते प्रतिदिन 200 किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि राज्य में 30 जून 2026 तक लगभग 45,000 किलोमीटर सड़कों का निर्माण कार्य पूरा किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि खाड़ी देशों में चल रही स्थिति के कारण बिटुमेन की कुछ कमी उत्पन्न हो रही है, लेकिन विभाग ने इस समस्या से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां कर ली हैं। हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे वित्तीय और कार्यान्वयन संबंधी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें, ताकि लोगों को बेहतर सड़क नेटवर्क उपलब्ध कराया जा सके।

इस अवसर पर विभाग के प्रशासनिक सचिव श्री रवि भगत, संयुक्त सचिव श्री अमरबीर सिद्धू, इंजीनियर-इन-चीफ गगनदीप सिंह, मुख्य अभियंता अनिल गुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप योजना के तहत 245 करोड़ रुपये जारी, 2.45 लाख छात्रों को बड़ी राहत : डॉ. बलजीत कौर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री स.भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा अनुसूचित जाति समुदाय के विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक और बड़ा कदम उठाया गया है। सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने जानकारी दी कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप योजना के तहत पंजाब सरकार के हिस्से के रूप में 245 करोड़ रुपये की राशि जारी की जा चुकी है। डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि इस योजना के तहत 2 लाख 45 हजार से अधिक पात्र विद्यार्थियों का डेटा प्राप्त हुआ है, जिन्हें इस राशि का सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह स्कॉलरशिप आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है और इससे हजारों परिवारों पर पढ़ाई का आर्थिक बोझ कम हुआ है। मंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार का प्रयास है कि कोई भी पात्र विद्यार्थी केवल आर्थिक तंगी के कारण अपनी पढ़ाई से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप योजना हजारों विद्यार्थियों के लिए उम्मीद की नई किरण बन रही है, जिससे वे अपने भविष्य को नई दिशा दे सकते हैं। डॉ. बलजीत कौर ने आगे कहा कि जब गरीब परिवारों के बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त कर आगे बढ़ते हैं, तो इससे न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे समाज की प्रगति का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने दोहराया कि पंजाब सरकार सामाजिक न्याय, समान अवसर और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

संक्षिप्त-समाचार

भाजपा सांसद कंगना रनौत केस मामले की सुनवाई 28 अप्रैल तक के लिए टली

जैतो। बठिंडा ज़िले की एक बुज़ुर्ग किसान महिला महिंदर कौर द्वारा मशहूर बॉलीवुड अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत के खिलाफ दायर मानहानि के मामले की सुनवाई 28 अप्रैल तक के लिए टाल दी गई है। सुनवाई इसलिए नहीं हो पाई क्योंकि न्यायाधीश छुट्टी पर थे। इस बीच, महिंदर कौर के वकील, रघुबीर सिंह बहनीवाल ने बताया कि अदालत में दो गवाहों सुरजीत सिंह और गुरप्रीत सिंह के बयान दर्ज किए जाने थे; हालाँकि न्यायाधीश के छुट्टी पर होने के कारण बयान दर्ज करने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने अदालत में एक अर्जी दी थी जिसमें कंगना रनौत का पासपोर्ट जब्त करने की मांग की गई थी ।इस मामले पर भी सुनवाई होनी थी लेकिन यह भी आगे नहीं बढ़ सका। सुनवाई की अगली तारीख 28 अप्रैल तय की गई है। किसानों के विरोध प्रदर्शन के संबंध में की गई टिप्पणियों के कारण यह मामला बेहद संवेदनशील बना हुआ है, और राजनीतिक तथा सामाजिक दोनों ही हलकों में इस पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। यह गौरतलब है कि भाजपा सांसद कंगना रनौत ने अपने ट्वीट्स के संबंध में बुजुर्ग महिंदर कौर से माफी मांगी थी; हालाँकि, महिंदर कौर ने साफ तौर पर कह दिया था कि वह किसी भी सूरत में उन्हें माफ नहीं कर सकतीं। उन्होंने न्यायपालिका में अपना पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि उन्हें जरूर न्याय मिलेगा। बुजुर्ग किसान महिंदर कौर ने वर्ष 2020-21 के दौरान बठिंडा की अदालत में कंगना रनौत के खिलाफ यह मामला दायर किया था।

गैंगस्टरों ते वार का 79वां दिन: पंजाब पुलिस द्वारा 567 स्थानों पर छापेमारी; 252 गिरफ्तार

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत शुरू की गई निर्णायक गैंगस्टरों ते वार मुहिम के 79वें दिन पंजाब पुलिस ने आज राज्य भर में गैंगस्टरों के सहयोगियों के चिन्हित और मैप किए गए 567 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि गैंगस्टरों ते वार पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए एक निर्णायक अभियान है, जिसकी शुरूआत 20 जनवरी 2026 को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्यभर में विशेष अभियान चला रही हैं। 79वें दिन पुलिस टीमों ने एक हथियार बरामद करने के बाद 252 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे इस मुहिम की शुरूआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 19,894 हो गई है। इसके अलावा 80 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई, जबकि 72 व्यक्तियों को पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 10 भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया। लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन 93946-93946 पर गुप्त रूप से गैंगस्टरों और वांछित अपराधियों के बारे में सूचना दे सकते हैं, साथ ही अपराध और आपराधिक गतिविधियों की जानकारी भी साझा कर सकते हैं। इस दौरान पुलिस टीमों ने युद्ध नशों विरुद्ध अभियान के 404वें दिन 129 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 2.9 किलोग्राम हेरोइन, 40,507 नशीली गोलियां/कैप्सूल तथा 27,299 रुपये की ड्रग मनी बरामद की। इसके साथ ही, केवल 404 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 57,952 हो गई है। नशा मुक्ति अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने आज 22 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास उपचार के लिए प्रेरित किया।

लाइसेंस का नया गाना लाइसेंस का असला रिलीज, दर्शकों में बढ़ा जबरदस्त उत्साह

चंडीगढ़। हरियाणवी फिल्म लाइसेंस के पहले गाने ह्यगच लागे को मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद अब निमार्ताओं ने दूसरा दमदार ट्रैक ह्यलाइसेंस का असला रिलीज कर दिया है। यह गाना रिलीज होते ही दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बन गया है और फिल्म को लेकर उत्साह को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहा है। ह्यलाइसेंस का असला में हरियाणवी सुपरस्टार मासूम शर्मा का सिग्नेचर स्टाइल साफ नजर आता है। मजबूत बीट्स और बोल्ड हरियाणवी बोलों का यह मेल दर्शकों को खासा पसंद आ रहा है। गाने का संगीत और ऊर्जा फिल्म की एक्शन से भरपूर कहानी की झलक भी देता है। एक्टर, कंपोजर और गायक मासूम शर्मा ने कहा, ह्यलाइसेंस का असला हमारी फिल्म की संगीतमय यात्रा का अहम हिस्सा है। ह्यगच लागे की सफलता के बाद हमने स्तर और ऊंचा करने की कोशिश की है। यह गाना फिल्म के रवैये और शक्ति को दशार्ता है, जिसे दर्शक जरूर पसंद करेंगे। गीतकार अमर कर्णवाल ने कहा, इस गाने के बोल लिखना एक रोमांचक अनुभव रहा। हमने कोशिश की है कि इसके शब्द दर्शकों से सीधे जुड़ें और फिल्म की रॉ एनर्जी को सामने लाएं। म्यूजिक डायरेक्टर पिन्ना म्यूजिक ने कहा, हमने एक हाई-एनर्जी ट्रैक बनाने पर फोकस किया, जो बड़े स्तर पर दर्शकों को आकर्षित करे। रंजीत चौहान द्वारा निर्देशित यह फिल्म 24 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सैमसंग ने कैशबैक, ईएमआई ऑफर्स के साथ गैलेक्सी ए57, ए37 की बिक्री शुरू की

चंडीगढ़। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने अपने नए गैलेक्सी ए57 5जी और गैलेक्सी ए37 5जी स्मार्टफोन की बिक्री 10 अप्रैल से शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी का कहना है कि नई अ सीरीज खासतौर पर युवाओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई है, जिसमें एक टिकाउ एवं आकर्षक स्लिम डिजाइन में बेहतर कैमरा, दमदार परफॉर्मेंस और एआई फीचर्स का संयोजन मिलता है। गैलेक्सी ए57 5जी तीन रंगों–ऑसम नेवी, ऑसम आइसीब्लू और ऑसम लिलैक–में उपलब्ध होगा। इसकी कीमत 8जीबी/256जीबी वेरिएंट के लिए 56,999 रुपए और 12जीबी/256जीबी वेरिएंट के लिए 62,499 रुपए रखी गई है। वहीं, गैलेक्सी ए37 5जी ऑसम लैवेंडर, ऑसम ग्रेग्रीन और ऑसम चारकोल रंगों में आएगा, जिसकी शुरूआती कीमत 8जीबी/128जीबी वेरिएंट के लिए 41,999 रुपए, 8जीबी/256जीबी वेरिएंट के लिए 47499 रुपये और 12जीबी/256जीबी वेरिएंट के लिए 52999 रुपये है।

पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को पराली जलाने में कमी लाने की पहल के लिए स्कॉच सिल्वर अवॉर्ड 2025

चंडीगढ़। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) को उसके प्रोजेक्ट ह्यसंकट से सफलता तक झ्र पंजाब की स्वच्छ हवा परिवर्तन यात्राह्व के लिए पर्यावरण श्रेणी में स्कॉच सिल्वर अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित 107वें स्कॉच समिट ह्यगवर्नेंस ट्रांसफॉर्म्ड के दौरान प्रदान किया गया। पिछले पांच वर्षों में पंजाब ने पराली जलाने की समस्या के समाधान के लिए बहु-विभागीय प्रयासों के माध्यम से उल्लेखनीय प्रगति की है। इसमें रियल-टाइम मॉनिटरिंग और सख्त अनुपालन के साथ-साथ दीर्घकालिक संरचनात्मक उपाय शामिल हैं, जैसे कि सीआरएम मशीनरी की बड़े पैमाने पर तैनाती, कस्टम हायरिंग सेंटरों को मजबूत करना, तथा धान की पराली के बाहरी उपयोग में वृद्धि– जो 8.8 लाख टन से बढ़कर 40 लाख टन वार्षिक हो गया है। पीपीसीबी की चेयरपर्सन श्रीमती रीना गुप्ता ने कहा, हम इस राष्ट्रीय स्तर की मान्यता प्राप्त कर गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। यह पंजाब सरकार की उस प्रतिबद्धता को दशार्ता है, जिसके तहत एक जटिल पर्यावरणीय चुनौती का समाधान किया जा रहा है। पंजाब राज्य भविष्य में इस दिशा में और बेहतर उपलब्धियां हासिल करने तथा पराली जलाने की प्रवृत्ति को पूरी तरह समाप्त करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रहा है। स्कॉच अवॉर्ड एक जटिल मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद प्रदान किया जाता है, जिसमें प्रस्तुतियां, विषय विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन और सार्वजनिक मतदान शामिल होते हैं।

100 पुलिसकर्मियों ने सैंट्रल मॉडर्न जेल फरीदकोट की अचानक चैकिंग की

सिटी दर्पण संवाददाता
फरीदकोट

फरीदकोट पुलिस ने डॉ.प्रज्ञा जैन आई पी.एस.,एस. एस.पी. फरीदकोट के नेतृत्व में, जेल प्रशासन के सहयोग से, सेंट्रल मॉडर्न जेल, फरीदकोट में एक अचानक और विस्तृत चेकिंग अभियान चलाया। यह चेकिंग अभियान गुरुवार सुबह लगभग 100 पुलिसकर्मियों की अलग-अलग टीमें बनाकर किया गया। यह तलाशी अभियान श्री तरलोचन सिंह डी.एस.पी. (सब-डिवीजन) फरीदकोट और श्री नवीन कुमार डी.एस.पी.(लोकल) फरीदकोट की देखरेख में किया गया, जिसके दौरान संबंधित पुलिस थाने के मुख्य अधिकारी और जेल प्रशासन के अधिकारी भी मौजूद थे। इस दौरान पुलिस की अलग-अलग टीमें बनाई गईं और जेल के हर हिस्से का निरीक्षण किया गया, जिसमें कैदियों की बैरक, कैंटीन, बाथरूम, चारदीवारी, सर्विलांस कैमरे और अन्य सुरक्षा प्रणालियों की बारीकी से जांच की गई इस संबंध में जानकारी देते हुए श्री तरलोचन सिंह डी.एस.पी. (सब-डिवीजन) फरीदकोट ने बताया कि यह चैकिंग जेल प्रशासन के अधिकारियों के सहयोग से पुलिसकर्मियों की अलग-अलग टीमें बनाकर की गई है। इस दौरान, पुलिस की अलग-अलग टीमों ने जेल के हर हिस्से का बारीकी से निरीक्षण किया, जिसमें बैरक, कैंटीन, बाथरूम, चारदीवारी और सर्विलांस कैमरों की जांच भी शामिल थी। उन्होंने बताया कि महिलाओं की बैरक का निरीक्षण महिला पुलिसकर्मियों द्वारा विशेष संवेदनशीलता और सुरक्षा नियमों के तहत किया गया, जिसके दौरान महिला कैदियों की निजता का पूरा सम्मान किया गया। इस संबंध में ररढ फरीदकोट डॉ. प्रज्ञा जैन ने बताया कि यह चैकिंग पुलिस टीमों द्वारा किसी भी अवैध वस्तु या नशीले पदार्थ की जांच करने और जेल के अंदर सुरक्षा व्यवस्था को परखने के लिए की गई थी। इस अभियान को गुप्त रखा गया था ताकि कोई भी शरारती तत्व इसकी जानकारी मिलने पर भाग न सके। इसके साथ ही, उन्होंने कहा कि इस तरह की अचानक चेकिंग से जेल के अंदर बंद बुरी प्रवृत्ति वाले कैदियों में डर पैदा होता है और भविष्य में भी इस तरह की चेकिंग नियमित रूप से जारी रहेगी। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि पुलिस थाना प्रभारी और अन्य संबंधित पुलिस अधिकारियों को जेल के आसपास रहने वाले निवासियों का रिकॉर्ड रखने का निर्देश दिया गया है, ताकि वे कैदियों या उनके साथियों के साथ मिलकर जेल के अंदर नशीले पदार्थ या अन्य अवैध चीजें फेंकने जैसी गतिविधियों में शामिल न हो सकें। इसके साथ ही, उन्होंने स्थानीय निवासियों से अपील की कि यदि वे किसी को अपना घर किराए पर देते हैं, तो इसकी सूचना पुलिस को दें; क्योंकि कुछ आपराधिक तत्व ऐसी गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं।

वित मंत्री ने पेंशनर सेवा पोर्टल को लेकर बैंकों के साथ अहम समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

भविष्य में पेंशन का भुगतान बैंकों के प्रदर्शन और प्रगति पर सख्ती से निर्भर करेगा: हरपाल चीमा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आज यहां पेंशनर सेवा पोर्टल से संबंधित देरी और महत्वपूर्ण लंबित मुद्दों की समीक्षा के लिए बैंकों के साथ एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में समयसीमा में हुई देरी, अधूरे कार्यों और सिस्टम की कमियों पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने तत्काल अनुपालन, तेजी से एकीकरण और लंबित मामलों के निपटारे के लिए सख्त निर्देश जारी किए और स्पष्ट किया कि भविष्य में पेंशन भुगतान पूरी तरह बैंकों के प्रदर्शन और वास्तविक प्रगति से जुड़ा होगा।

स्थिति की विस्तृत जानकारी देते हुए वित्त मंत्री ने सरकार के रुख, पूर्व में की गई कार्यवाही और सभी संबंधित वित्तीय संस्थानों से भविष्य की अपेक्षाओं को विस्तार से बताया। बैंकरों को संबोधित करते हुए हरपाल सिंह चीमा ने कहा, 24 दिसंबर 2025 को हुई हमारी प्रारंभिक बैठक के बाद से मैं इस पूरे मामले पर लगातार नजर रख रहा हूं, जिसमें बैंकों ने पोर्टल से जुड़े कार्यों को पूरा करने के लिए विभिन्न समयसीमाओं का आश्वासन दिया था। 2 फरवरी 2026 को अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) की अध्यक्षता में हुई समीक्षा में यह स्पष्ट हुआ कि बैंकों ने निर्धारित समयसीमाओं का पूरी तरह पालन नहीं किया। इसके बाद बैंकों के अनुरोध पर समयसीमाओं को सख्ती से संशोधित और बढ़ाया गया। इसके बाद की बैठक में अपना दखल का जिक्र करते हुए उन्होंने आगे कहा, 26 फरवरी 2026 की समीक्षा बैठक में नवंबर 2025 की पेंशन के दावों का भुगतान बैंकों को जारी करने का निर्णय लिया गया था, लेकिन यह इस शर्त पर था कि बैंक शेष पेंशनरों के जीवन प्रमाण पत्र पूरे करें और 31 मार्च 2026 तक लंबित पीपीओ पीडीएफ जमा करें। आगामी महीनों के भुगतान को बैंकों की वास्तविक प्रगति से जोड़ा गया है। उन्होंने बताया, नवंबर 2025 के सभी ई-स्क्रॉल बैंकों द्वारा अपलोड कर दिए गए हैं और राज्य सरकार द्वारा भुगतान सफलतापूर्वक जारी कर दिया गया है। अब डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (जीवन प्रमाण) जमा करने और पेंशनर सेवा पोर्टल को बैंक सॉफ्टवेयर से जोड़ने (इंटीग्रेशन) की प्रक्रिया में तेजी लाने की आवश्यकता है। पंजाब एंड सिंध बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक और केनरा बैंक द्वारा यह एकीकरण सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है। स्पष्ट निर्देश देते हुए वित्त मंत्री ने कहा, बैंकों को मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन करते हुए और पेंशनर सेवा पोर्टल में निर्धारित गणनाओं व फामूर्लों के अनुसार पूरी तरह सही स्क्रॉल अपलोड करने चाहिए, ताकि उन्हें शीघ्र स्वीकृति मिल सके। उन्होंने आगे कहा, बैंकों को लंबित पीपीओ पीडीएफ उपलब्ध कराने और अस्थायी पेंशनरों को बिना किसी देरी के स्वीकृति देने को प्राथमिकता देनी चाहिए। जिला कोषागार अधिकारियों द्वारा स्क्रॉल में उठाई गई त्रुटियों को भी सक्रिय रूप से दूर किया जाए। हमारे पोर्टल के साथ बैंक सॉफ्टवेयर का एकीकरण जल्द से जल्द पूरा करना अनिवार्य है।

बैठक के अंत में हरपाल सिंह चीमा ने बैंकों को निर्देश दिया कि वे पोर्टल पर प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) की सही पहचान सुनिश्चित करें और उनके द्वारा जमा किए गए नोटरी प्रमाणित जीवन प्रमाण पत्र अपलोड करें। साथ ही बैंकों को लंबित जे.पी.पी. आवेदनों पर निर्णायक कार्रवाई करते हुए उन्हें स्वीकार या अस्वीकार करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भविष्य में अनावश्यक स्वीकृति या अस्वीकृति से बचने के लिए बैंकों को अपने आंतरिक सिस्टम में आवश्यक सुधार तुरंत करने होंगे। उन्होंने यह भी दोहराया कि सरकार पेंशनरों की सुविधा और समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस दिशा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) आलोक शेखर, अतिरिक्त निदेशक कोषागार एवं लेखा सिमरजीत कौर सहित वित्त विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

विश्व बैंक ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर जताया भरोसा

वित्त वर्ष 2026-27 के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाकर 6.6% किया

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

पश्चिम एशिया संकट के बीच विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को 6.3 फीसदी से बढ़ाकर 6.6 फीसदी कर दिया है। ये वृद्धि दर मजबूत घरेलू मांग और आर्थिक मजबूती को संकेत करता है, जबकि वैश्विक चुनौतियों के बीच भी भारत की अर्थव्यवस्था विकास की राह पर है।

विश्व बैंक ने गुरुवार को जारी अपने ताजा दक्षिण एशिया इकोनॉमिक अपडेट में बताया कि भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2025-26 में 7.6 फीसदी की दर से बढ़ सकती है, जो वित्त वर्ष 2024-25 के 7.1 फीसदी से ज्यादा है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक इस ग्रोथ को मजबूत घरेलू मांग और एक्सपोर्ट से सपोर्ट मिलेगा। विश्व बैंक ने अपनी 'दक्षिण एशिया इकोनॉमिक अपडेट' रिपोर्ट में कहा कि मजबूत घरेलू मांग और एक्सपोर्ट में मजबूती के चलते भारत की ग्रोथ वित्त वर्ष 2024-25 के 7.1 फीसदी से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 (1 अप्रैल, 2025 से 31 मार्च, 2026) में 7.6 फीसदी होने का अनुमान है।

अपनी रिपोर्ट में विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ अनुमान को थोड़ा बढ़ाकर 6.6 फीसदी कर दिया है। हालांकि, विश्व बैंक ने कहा कि जीएसटी दरों में कटौती से वित्त वर्ष की शुरुआती महीनों में कंज्यूमर डिमांड बढ़ेगी, लेकिन पश्चिम एशियाा से पैदा होने वाली रुकावटें ग्रोथ को नुकसान पहुंचा सकती हैं।

उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक में देश की आर्थिक वृद्धि दर 6.9 फीसदी रहने का अनुमान जताया है, जो विश्व बैंक के अनुमान से थोड़ा ज्यादा है। भारत के ग्रोथ अनुमान में बढ़ोतरी की मुख्य वजह देश में मजबूत घरेलू मांग और बेहतर एक्सपोर्ट परफॉर्मेंस को माना गया है।

सीजफायर फेल होने की आशंका से सहमा ग्लोबल मार्केट, एशिया में भी बना गिरावट का रुख

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में सीजफायर को लेकर ईरान और अमेरिका दोनों पक्षों की ओर से एक दूसरे के खिलाफ बयान आने के बाद ग्लोबल मार्केट में एक बार फिर बेचैनी का माहौल बन गया है। अमेरिका ने जहां ईरान की शर्तों को बेतुका बताया है, वहीं ईरान ने एक बार फिर हॉर्मुज स्ट्रेट को बंद करने की चेतावनी दी है। इस तनातनी की वजह से आज पूरी दुनिया में दबाव का माहौल बना हुआ है। पश्चिम एशिया में एक बार फिर तनाव तेज हो जाने की आशंका को लेकर ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। इसके पहले सीजफायर लागू हो जाने की खुशी में अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान जबरदस्त मजबूती के साथ बंद हुए थे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर आज दबाव में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान जोरदार छलांग लगाने में सफल रहे थे। वहीं, एशियाई बाजार में सीजफायर फेल हो जाने की आशंका के कारण आज बिकवाली का दबाव बना हुआ है। पश्चिम एशिया में सीजफायर का ऐलान होने से उत्साहित अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी का माहौल बना रहा। एस एंड पी 500 इंडेक्स 166.04 अंक यानी 2.51 प्रतिशत उछल कर 6,782.89 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 617.15 अंक यानी 2.80 प्रतिशत की छलांग लगा कर 22,635 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, आज सीजफायर को लेकर बने डर के माहौल की वजह से डाउ जॉन्स फ्यूचर्स 0.03 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 47,897.02 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। सीजफायर की खबर को लेकर बने उत्साह के माहौल की वजह से पिछले सत्र के दौरान यूरोपीय बाजार में भी जबरदस्त तेजी के साथ कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 260.09 अंक यानी 2.45 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,608.88 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 355.13 अंक यानी 4.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,263.87 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 1,159.04 अंक यानी 4.81 प्रतिशत कि छलांग लगा कर 24,080.63 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सीजफायर के फेल हो जाने की आशंका के कारण एशियाई बाजार में आज दबाव बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं।

सीजफायर विफल होने की आशंका से कच्चे तेल में उबाल, डब्ल्यूटीआई क्रूड 3.5 प्रतिशत से अधिक उछला

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

पश्चिम एशिया में सीजफायर को लेकर बनी असमंजस की स्थिति के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल (कच्चे तेल) के भाव में एक बार फिर तेजी का रुख बन गया है। ब्रेंट क्रूड आज 2.50 प्रतिशत से अधिक उछल गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने भी आज 3.50 प्रतिशत से अधिक की छलांग लगाई।

पश्चिम एशिया में सीजफायर का ऐलान होने के कुछ घंटे बाद ही अमेरिका ने ईरान की शर्तों को बेतुका और बचकाना बता दिया। दूसरी ओर, इजरायल ने बुधवार को लेबनान पर जोरदार हमला किया, जिसमें करीब 250 लोगों की मौत हो जाने की खबर आई। अमेरिका के तीखे बयान और इजरायल के हमले से भड़के ईरान ने एक बार फिर हॉर्मुज स्ट्रेट को बंद करने की धमकी दे दी। ईरान की ओर से कहा गया है कि सीजफायर की शर्तों का उल्लंघन हुआ है। ऐसी स्थिति में अगर हॉर्मुज स्ट्रेट से होकर कोई जहाज गुजरा, तो उसे उड़ा दिया जाएगा। ईरान की चेतावनी के बाद से ही हॉर्मुज स्ट्रेट एक बार फिर ठप हो गया है, जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में तेजी आ गई है।

ब्रेंट क्रूड ने आज 2.22 डॉलर प्रति बैरल की तेजी के साथ 96.97 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से आज के कारोबार की शुरुआत की। थोड़ी देर में ही इसकी कीमत 97.89 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गई। भारतीय समय के मुताबिक सुबह 10:30 बजे ब्रेंट क्रूड 2.53 डॉलर प्रति बैरल यानी 2.67 प्रतिशत उछल कर 97.28 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने आज 2.49 डॉलर प्रति बैरल की तेजी के साथ 96.90 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से आज के कारोबार की शुरुआत की। थोड़ी देर में ही इसकी कीमत 98.38 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गई। भारतीय समय के मुताबिक सुबह 10:30 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 3.31 डॉलर प्रति बैरल यानी 3.51 प्रतिशत उछल कर 97.72 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है की सीजफायर का ऐलान होने के बावजूद बुधवार को ज्यादातर समय हॉर्मुज स्ट्रेट ब्लॉक पड़ा हुआ था। सीजफायर की घोषणा होने के कुछ घंटे बाद ही अमेरिका के तीखे बयान और ईरान के जवाबी बयान की वजह से सीजफायर के भविष्य को लेकर ऊहापोह की स्थिति बन गई। इसके साथ ही इजरायल ने लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमला कर हालात को और बिगाड़ दिया आज ईरान की ओर से सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात और इजरायल समेत खाड़ी के कई देशों में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल हमले होने की खबर भी आई इसकी वजह से दो सप्ताह तक पश्चिम एशिया में सीजफायर जारी रहने की बात को लेकर आशंका बन गई है।

फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनिल भंसाली का कहना है कि सीजफायर अगर विफल हुआ, तो पश्चिम एशिया में हालात काफी हद तक बिगड़ सकते हैं। अमेरिका पहले ही ईरान पर जोरदार हमला करने की चेतावनी दे चुका है।

ईरान का सख्त संदेश- अमेरिका सीजफायर या युद्ध में से एक चुने

एजेंसी (हि.स.)
तेहरान

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि अमेरिका को अब सीजफायर और युद्ध में से किसी एक विकल्प को चुनना होगा। अराघची ने कहा कि मौजूदा हालात में दोनों चीजें एक साथ नहीं चल सकतीं। उनके मुताबिक, अगर अमेरिका वास्तव में संघर्ष विराम चाहता है, तो उसे इसे पूरी तरह लागू करना होगा। वहीं, अगर इजराइल के जरिए सैन्य कार्रवाई जारी रहती है, तो इसे सीजफायर नहीं माना जा सकता।

उन्होंने लेबनान में जारी हिंसा का जिक्र करते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान इस ओर खींचा। अराघची ने कहा कि पूरी दुनिया इस स्थिति को देख रही है और अब फैसला अमेरिका को करना है। उनके अनुसार, यह समय है जब अमेरिका को अपने वादों पर खरा उतरना होगा और स्पष्ट रुख अपनाना होगा। ईरान के विदेश मंत्री का यह बयान ऐसे समय आया है जब क्षेत्र में हालात बेहद नाजुक बने हुए हैं। एक तरफ अमेरिका और ईरान के बीच घोषित संघर्ष विराम है, दूसरी ओर लेबनान और आसपास के इलाकों में हमले जारी हैं। इससे शांति प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

माना जा रहा है कि ईरान का यह बयान अमेरिका पर दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा हो सकता है। साथ ही, यह संदेश भी देने की कोशिश है कि अगर क्षेत्र में हिंसा नहीं रुकी, तो ईरान भी कड़े कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री ओली और पूर्व गृहमंत्री लेखक को रिहा करने की तैयारी

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री अध्यक्ष केपी शर्मा ओली और पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक की रिहाई के लिए जिला सरकारी वकील कार्यालय का पत्र पुलिस को प्राप्त हुआ है। काठमांडू के पुलिस प्रमुख रमेश थापा ने बताया कि अभी-अभी जिला सरकारी वकील कार्यालय का पत्र मिला है। उनके अनुसार अब जमानत देने वाले व्यक्ति को बुलाकर दोनों को रिहा किया जाएगा। जेन-जी आंदोलन के दौरान हुई घटनाओं की जांच के लिए गठित जांच आयोग की रिपोर्ट के आधार पर दोनों को हत्या से संबंधित आरोप में 28 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, मुकदमा दायर करने के लिए पर्याप्त आधार और सबूत नहीं मिलने के कारण अब उन्हें रिहा किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने उनके खिलाफ मुकदमा दायर करने या 9 अप्रैल तक रिहा करने का आदेश दिया था। पुलिस और महान्यायाधिवक्ता कार्यालय के बीच मुकदमा दर्ज न करने पर सहमति बनी है। पुलिस ने उन्हें गत 28 मार्च की सुबह को गिरफ्तार किया था। रमेश लेखक पुलिस हिरासत में हैं, जबकि केपी शर्मा ओली गंभीर स्वास्थ्य समस्या के कारण टिचिंग अस्पताल में भर्ती हैं। डॉक्टरों ने ओली की पथरी की सर्जरी करने की सलाह दी है।

ट्रंप ने ग्रीनलैंड को लेकर नया मोर्चा खोलने के संकेत दिए, नाटो को धमकी

एजेंसी (हि.स.)
वॉशिंगटन

ईरान में युद्धविराम की घोषणा के साथ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ग्रीनलैंड पर कब्जे की मंशा जताते हुए उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) को धमकी दी है। ट्रंप ने ईरान युद्ध में साथ नहीं देने के लिए नाटो की कड़ी आलोचना की है। साथ ही ग्रीनलैंड को हासिल करने की अपनी इच्छा को दोहराया है।

ट्रंप की यह धमकी ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को नाटो के महासचिव मार्क रूटे के साथ बैठक कर ईरान युद्ध के दौरान नाटो से सहयोग ना मिलने को लेकर नाराजगी जताई। अमेरिकी राष्ट्रपति ने नाटो महासचिव मार्क रूट के साथ बंद कमरे में यह बैठक की थी, जिसके बाद उन्होंने नाटो के प्रति अपनी शिकायत दोहराई। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल की एक पोस्ट में लिखा, जब हमें उनकी जरूरत थी, तब नाटो वहां नहीं था और अगर हमें उनकी दोबारा जरूरत पड़ी तो वे वहां नहीं होंगे। ग्रीनलैंड को याद करो, वह बड़ा, खराब तरीके से चलाया गया, बर्फ का टुकड़ा इस बैठक से पहले जब ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को प्रभावी रूप से बंद कर दिया तो ट्रंप ने संकेत दिया था कि अगर नाटो देशों ने उनके आह्वान को नजरअंदाज किया तो अमेरिका नाटो से बाहर निकलने पर विचार कर सकता है। ट्रंप के बार-बार आह्वान पर भी यूरोपीय देश इस मुद्दे पर अमेरिका के साथ नहीं हैं, बल्कि कई नाटो देशों ने अमेरिकी हमलों का विरोध भी किया। जिसके बाद से ट्रंप नाटो पर हमलावर हैं। ग्रीनलैंड नाटो सदस्य डेनमार्क का एक अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र है। इस साल की शुरूआत में ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण की मांग की थी लेकिन बाद में नाटो महासचिव मार्क रूट के साथ बातचीत के बाद पीछे हट गए थे। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में कांग्रेस ने 2023 में एक कानून पास किया था, जिसमें किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति को नाटो से बाहर निकलने के लिए कांग्रेस की मंजूरी जरूरी कर दी गई है। लंबे समय से नाटो के आलोचक रहे ट्रंप अपने पहले कार्यकाल में कहा था कि उनके पास अकेले ही नाटो से बाहर निकलने का अधिकार है। नाटो की स्थापना 1949 में सोवियत संघ के खतरे के खिलाफ यूरोपीय सुरक्षा के लिए की गई थी। नाटो के 32 सदस्य देशों का मुख्य वादा आपसी रक्षा समझौता है, जिसमें एक पर हमला सभी पर हमला माना जाता है।

संक्षिप्त-समाचार

ड्रग तस्करी का भांडाफोड़, महिला सहित पांच काबू

सिलीगुड़ी। विधानसभा चुनाव के बीच मादक तस्करी का एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां महिला को मोहरा बनाकर पुराने आरोपितों ने नए तरीके से तस्करी की योजना बनाई थी। लेकिन सिलीगुड़ी पुलिस और स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की सतर्कता के चलते इस साजिश को समय रहते विफल कर दिया गया। एसओजी और सिलीगुड़ी थाने की संयुक्त टीम ने बुधवार रात जोड़ापानी ब्रिज के पास एक संदिग्ध फोर व्हीलर से करीब एक किलो कच्चा मादक पदार्थ बरामद किया, जिससे ब्राउन शुगर तैयार की जानी थी। इस मामले में एक महिला समेत कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों के नाम पूजा रसाइली (33), पप्पू गिरी (48), अजहरूद्दीन साह (39), एमडी मुराद अंसारी (40) और एमडी शमशेर आलम (35) है। पुलिस के अनुसार, इनमें से चार आरोपित पहले से आपराधिक रिकॉर्ड में शामिल है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपित मालदा से कच्चा सामान लाकर सिलीगुड़ी में ब्राउन शुगर तैयार कर तस्करी करने की योजना बना रहे थे। लगातार कार्रवाई से बचने के लिए इस बार उन्होंने तैयार ड्रग्स की बजाय कच्चे माल की तस्करी का तरीका अपनाया था। पुलिस ने सभी आरोपितों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस अभिरक्षा में खड़े ई-रिक्शा से कंट्रोलर चोरी, पीड़ित ने एसपी से लगाई गुहार

किशनगंज। पुलिस अभिरक्षा में खड़े एक ई-रिक्शा से कंट्रोलर चोरी होने का मामला सामने आया है। इस संबंध में गुरुवार को पीड़ित मो. इफ्तेखार आलम ने पुलिस अधीक्षक किशनगंज को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, लाईन मोहल्ला निवासी मो. इफ्तेखार आलम ने बताया कि दिनांक 05 अप्रैल 2026 को ट्रैफिक पुलिस ने नंबर प्लेट नहीं होने के कारण उनका ई-रिक्शा जब्त कर लिया था। उन्होंने बताया कि उन्होंने 01 अप्रैल 2026 को ही किस्त पर नया ई-रिक्शा खरीदा था, जिस कारण उसका रजिस्ट्रेशन नंबर 08 अप्रैल 2026 को प्राप्त हुआ। पीड़ित के अनुसार, रजिस्ट्रेशन नंबर मिलने के बाद वह सभी आवश्यक कागजात के साथ थाना पहुंचे और दस्तावेज जमा किए। इसके बाद मौजूद पदाधिकारी ने उन्हें चाबी देते हुए थाना परिसर से वाहन लाकर फोटो खिंचवाने और 500 रुपये चालान जमा करने का निर्देश दिया। इफ्तेखार आलम ने बताया कि जब वह अपने ई-रिक्शा के पास पहुंचे और स्टार्ट करने की कोशिश की तो वाहन स्टार्ट नहीं हुआ। जांच करने पर उन्होंने पाया कि उनके नए ई-रिक्शा का कंट्रोलर किसी ने नोचकर निकाल लिया है। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना संबंधित पदाधिकारी को दी, जिसके बाद उन्हें आवेदन देने की सलाह दी गई। पीड़ित ने बताया कि वह बेहद गरीब हैं और ई-रिक्शा किस्त पर खरीदा है। वाहन नहीं चलने की स्थिति में उनके सामने परिवार के भरण-पोषण और बैंक किस्त जमा करने की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। उन्होंने कहा कि घटना पुलिस अभिरक्षा में हुई है, जो बेहद चिंताजनक है। मो. इफ्तेखार आलम ने पुलिस अधीक्षक से मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करते हुए उनके ई-रिक्शा का कंट्रोलर वापस दिलाने की मांग की है, ताकि वह फिर से वाहन चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण कर सकें।

उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों में हल्की बारिश-बर्फबारी के आसार, मैदानी क्षेत्रों में मौसम शुष्क

देहरादून। उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों में आज हल्की बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की संभावना जताई गई है, जबकि राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क बना रहेगा। गुरुवार सुबह देहरादून सहित अन्य इलाकों में आसमान में बादलों ने डेरा डाले रखा, जिससे मौसम सुहावना बना रहा। हालांकि बीच-बीच में धूप निकलने से लोगों को ठंड से कुछ राहत मिली। मौसम के इस बदलते मिजाज से लोगों ने भी राहत महसूस की। मौसम विभाग के अनुसार आगे भी आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ जिलों में कहीं-कहीं बहुत हल्की वर्षा, गरज-चमक के साथ 3800 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी हो सकती है। अन्य जनपदों में मौसम सामान्य और शुष्क रहने का अनुमान है। फिलहाल किसी भी प्रकार की मौसम चेतावनी जारी नहीं की गई है। बीते 24 घंटों के दौरान मैदानी क्षेत्रों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया गया, वहीं पहाड़ी इलाकों में भी तापमान में उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखने को मिली। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 2-3 दिनों तक तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। देहरादून में आज आसमान साफ से आंशिक रूप से बादलों से ढका रह सकता है और हल्की धुंध भी छाई रहने के आसार हैं। यहां अधिकतम तापमान करीब 32 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने लोगों को सामान्य सतर्कता बरतने की सलाह दी है, हालांकि किसी भी गंभीर मौसम स्थिति की संभावना फिलहाल नहीं जताई गई है।

अशोक सम्राट भवन निर्माण से 40 परिवारों पर पुनर्वास का संकट, वैकल्पिक जमीन की मांग

किशनगंज। ठाकुरगंज नगर पंचायत क्षेत्र के खोपरापट्टी में प्रस्तावित अशोक सम्राट भवन निर्माण को लेकर करीब 40 परिवारों के सामने पुनर्वास का संकट खड़ा हो गया है। वर्षों से सरकारी भूमि पर रह रहे ये परिवार अब बेघर होने की आशंका से चिंतित हैं और प्रशासन से वैकल्पिक जमीन उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं। इसी मांग को लेकर प्रभावित परिवारों के प्रतिनिधियों ने नगर पंचायत के मुख्य पार्षद सिकंदर पटेल के नेतृत्व में ठाकुरगंज अंचल कार्यालय पहुंचकर अंचलाधिकारी मृत्युंजय कुमार से मुलाकात की। इस दौरान सभी 40 परिवारों की ओर से संयुक्त आवेदन सौंपते हुए खुद को भूमिहीन बताते हुए रहने के लिए वैकल्पिक जमीन उपलब्ध कराने की मांग की गई। परिवारों का कहना है कि वे कई वर्षों से उक्त स्थान पर रहकर अपना जीवन यापन कर रहे थे। अब अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया और अशोक सम्राट भवन निर्माण की योजना सामने आने के बाद वे अचानक बेघर होने की स्थिति में पहुंच गए हैं। उन्होंने प्रशासन से अपील की है कि भवन निर्माण से पहले उनके पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्य पार्षद सिकंदर पटेल ने मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि विकास कार्य जरूरी हैं, लेकिन गरीब और भूमिहीन परिवारों के अधिकारों की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि जब तक प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की व्यवस्था नहीं होती, तब तक उन्हें विस्थापित नहीं किया जाए। साथ ही उन्होंने परिवारों को हर संभव सहयोग का भरोसा भी दिया।

नवकार महामंत्र में विश्व कल्याण की शक्ति : मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

एजेंसी (हि.स.)
मुंबई

फोटोः हि.स.

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को मुंबई में कहा कि नवकार महामंत्री में विश्व कल्याण की शक्ति है। नवकार महामंत्र निश्चित रूप से हमारी संस्कृति को विश्वव्यापी बनाता है। मुख्यमंत्री फडणवीस आज जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन की ओर से वर्ली के एनएससीआई डोम में विश्व नवकार महामंत्र दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर आचार्य परम सागर महाराज, निरंजन सागर महाराज, सौम्य सागर महाराज, मानव कोठारी, भगवत कोठारी, आशीष शाह आदि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने कहा, इस दुनिया में सभी जीव सृष्टि की संतान हैं। सभी को जीने का अधिकार है। 'जियो और जीने दो' हमारा सिद्धांत जैन विचारों में निहित है। दुनिया की भलाई के लिए इससे बढकर कोई और सोच नहीं हो सकती। नवकार मंत्र ऐसे विचारों को आगे बढ़ाने में मदद करता है। नवकार मंत्र का जाप करने से पाप धुलते हैं और पॉजिटिव काम करने की एनर्जी मिलती है। इस महामंत्र के एक साथ जाप से पूरी दुनिया की शांति के लिए एक बड़ा यज्ञ शुरू हो रहा है। इस मंत्र से हमें नई जिंदगी मिलती है। उन्होंने कहा कि नवकार मंत्र के जरिए हम पाँचों तत्वों को नमन करते हैं। इसके जरिए हम पूरी दुनिया को नमन करते हैं। मंत्र का जाप करने से अरिहंत वाली स्थिति बनती है। तीर्थंकरों की स्थिति अरिहंत वाली होती है। इस मंत्र का जाप करने से दुनिया की सभी पॉजिटिव शक्तियां हमसे जुड़ जाती हैं। यह मंत्र न सिर्फ.इंसान के विचारों को शांति देता है, बल्कि 'अंदर के आत्म' को भी शांति देता है। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर इस बात पर भी जोर दिया कि दुनिया में शांति की सोच देने वाला, खुशी देने वाला और पॉजिटिव शक्तियों को जोडे वाला यह मंत्र जाप दुनिया की भलाई के लिए फायदेमंद है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री अबू हाशेम खान चौधरी का निधन

कोलकाता। दिग्गज कांग्रेस नेता दिवंगत एबीए गनी खान चौधरी के भाई और पूर्व केंद्रीय मंत्री अबू हाशेम खान चौधरी का बुधवार रात निधन हो गया। निधन के समय उनकी आयु 89 वर्ष थी। वे लंबे समय से वृद्धावस्था से जुड़ी विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित थे। उन्होंने कोलकाता के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके निधन से विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मालदा जिले के राजनीतिक हलकों में शोक की लहर फैल गई है। अंतिम समय में उनकी पत्नी उनके साथ अस्पताल में मौजूद थीं। उनके पुत्र तथा कांग्रेस नेता ईशा खान चौधरी कोलकाता से मालदा पहुंचने के बाद अपने पिता के निधन की सूचना मिली। आज गुरुवार को उनका पार्थिव शरीर मालदा लाया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष शुभंकर सरकार सहित कई नेता अस्पताल पहुंचे और श्रद्धांजलि अर्पित की। अबू हाशेम खान चौधरी का जन्म 12 जनवरी 1938 को मालदा के प्रसिद्ध खान चौधरी परिवार में हुआ था। उन्होंने अपने बड़े भाई तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री ए. बी. ए. गनी खान चौधरी के मार्गदर्शन में राजनीति में प्रवेश किया। बड़े भाई के निधन के बाद उन्होंने मालदा में कांग्रेस संगठन की जिम्मेदारी संभाली और लंबे समय तक जिले की राजनीति में प्रभाव बनाए रखा। वह 1996 से 2006 तक कालियाचक विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे।

सर्राफा बाजार में उछली चांदी, वायदा बाजार के भाव में आई गिरावट

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

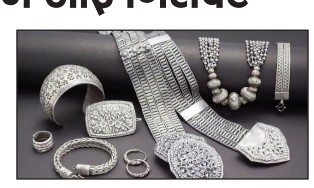

घरेलू सर्राफा बाजार में हाजिर चांदी की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ है। दूसरी ओर, वायदा बाजार (फ्यूचर ट्रेडिंग) में चांदी में गिरावट नजर आ रही है। वीरवार सर्राफा बाजार में शुरूआती कारोबार के दौरान हाजिर चांदी ने बुधवार के शुरूआती कारोबार की तुलना में 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक की छलांग लगाई है। इस तेजी के कारण देश के अलग अलग सर्राफा बाजारों में वीरवार को चांदी 4,09,800 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 4,25,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है। दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी कल के शुरूआती कारोबार की तुलना में 10,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गई। इस उछाल के कारण ये चमकीली धातु वीरवार 2,60,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में चांदी 2,59,900 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है। जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 2,60,200 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। वहीं बेंगलुरु में चांदी 2,60,400 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 2,60,000 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। इसके अलावा हैदराबाद में चांदी 2,65,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत वीरवार भी चेन्नई में है, जहां ये चमकीली धातु आज 2,65,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। सर्राफा बाजार के विपरीत वायदा बाजार में वीरवार शुरूआती कारोबार के दौरान सोना और चांदी के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

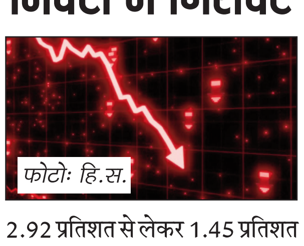
फोटोः हि.स.

पश्चिम एशिया में सीजफायर के विफल हो जाने की आशंका के कारण घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरूआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों को सहारा देने की कोशिश की, लेकिन थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन गया। बिकवाली होने की वजह से इन दोनों सूचकांकों की कमजोरी बढ़ती चली गई। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.91 प्रतिशत और निफ्टी 0.62 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, मैक्स हेल्थकेयर, एनटीपीसी, बजाज ऑटो और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर 2.92 प्रतिशत से लेकर 1.45 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, इंफोसिस, श्रीराम फाइनेंस, लार्सन एंड टूब्रो, इंटरग्लोब एवियशन और जियो फाइनेंशियल के शेयर 2.30 प्रतिशत से लेकर 1.43 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,767 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,060 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,707 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से सात शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 23 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे।

ऑपरेशन हिम सेतु | सिक्किम में सेना का मानवीय चेहरा

'ऑपरेशन हिम सेतु' के तहत 135 पर्यटक सुरक्षित निकाले गए

- लाचेन और चुंगथांग के बीच भूस्खलन से ठप हुआ यातायात, अब भी 1000 पर्यटक सुरक्षित स्थान पर सुरक्षित

एजेंसी (हि.स.)
गंगटोक

फोटोः हि.स.

भारतीय सेना की त्रिशक्ति कोर ने उत्तरी सिक्किम के लाचेन में फंसे पर्यटकों को बचाने के लिए 'ऑपरेशन हिम सेतु' चलाया है। भूस्खलन के कारण उत्तरी सिक्किम में लाचेन और चुंगथांग के बीच सड़क संपर्क बाधित हो गया है, जिससे क्षेत्र में यातायात प्रभावित हुआ है।

इस स्थिति के मद्देनजर भारतीय सेना की पूर्वी कमान के तहत त्रिशक्ति कोर ने 'ऑपरेशन हिम सेतु' के साथ तेजी से प्रतिक्रिया दी है, जिसका उद्देश्य पहुंच बहाल करना और फंसे हुए पर्यटकों को बचाना है। सेना के पीआरओ ने आज प्रेस बयान में कहा कि खराब मौसम और भारी बर्फबारी के बावजूद सैनिकों ने महत्वपूर्ण मार्ग खोले हैं और बचाव को संभव बनाने के लिए वैकल्पिक मार्गों का संचालन किया है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ), त्रिशक्ति कोर के सैनिकों के साथ समन्वय में लगातार सड़कों को साफ कर रहा है, बर्फ को साफ कर कठिन मौसम और इलाके में सड़क संपर्क बहाल कर रहा है। बचाव अभियान चरणबद्ध तरीके से चलाया जा रहा है। अब तक 135 पर्यटकों को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि 32 हल्के वाहनों और 10 मोटरसाइकिलों को भी निकाला गया है। बयान में कहा गया है कि भारतीय सेना, नागरिक प्रशासन के साथ समन्वय में स्थिति के अनुसार मौके पर सहायता, स्वास्थ्य सेवा और निकासी प्रदान करने में सक्रिय रही है। वर्तमान में लगभग 1,000 पर्यटक लाचेन में हैं और उन्हें सुरक्षित रूप से निकाल्ने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। सेना के एक अधिकारी ने कहा, 'हमारी पहली प्राथमिकता प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा और कल्याण है। हमारी टीम मौके पर ही सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।'

कठिन और बर्फ से ढंके ऊंचे मार्गों पर नागरिक वाहनों को खींचने के लिए सेना के वाहनों का उपयोग किया गया है। स्वास्थ्य आपात स्थितियों के साथ-साथ सहायता की आवश्यकता वाले नागरिकों को प्राथमिकता के आधार पर निकाला गया है।

प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान ने पर्पल कैप की दौड़ में लगाई छलांग

यशस्वी जायसवाल के सिर सजी ऑरेंज कैप

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में बुधवार रात गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेले गए रोमांचक मुकाबले का असर ऑरेंज और पर्पल कैप की रेस पर भी देखने को मिला। प्लेऑफ की दौड़ तेज होने के बीच खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने अंक तालिका में हलचल मचा दी है।

रवि बिश्नोई (राजस्थान रॉयल्स) तीन मैचों में सात विकेट लेकर 11.71 की औसत के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। पिछले सीजन के पर्पल कैप विजेता प्रसिद्ध कृष्णा ने दिल्ली के खिलाफ चार ओवर में 52 रन देकर दो विकेट झटके और दूसरे स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने मैच की पहली ही गेंद पर विकेट लिया और अहमदाबाद में 210 रन के लक्ष्य का बचाव करने में अहम भूमिका निभाई। आखिरी गेंद पर दो रन बचाने के दौरान उन्होंने धीमी गेंद से डेविड मिलर को चकमा दिया, जिससे रन आउट हुआ और टीम को जीत मिली। सीजन के 14वें मैच के बाद तीसरे स्थान पर छह गेंदबाज पांच-पांच विकेट के साथ बराबरी पर हैं। इनमें राशिद खान, लुंगी एनगिडी, विजयकुमार वैशाख, अंशुल कंबोज, नांद्रे बर्गर और जैकब डफी शामिल हैं।यशस्वी जायसवाल (राजस्थान रॉयल्स) ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 32 गेंदों में नाबाद 77 रन की पारी खेलकर ऑरेंज कैप अपने नाम कर ली है। तीन पारियों में 170 रन बनाने वाले जायसवाल सिर्फ एक बार आउट हुए हैं। उन्होंने समीर रिजवी को पीछे छोड़ा, जो 160 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं और इस सीजन में दमदार शुरूआत कर चुके हैं। इसके अलावा आठ अन्य बल्लेबाज भी 100 रन का आंकड़ा पार कर चुके हैं।

फोटोः हि.स.

ऑरेंज कैप की रेस में टॉप-5 बल्लेबाज

यशस्वी जायसवाल- राजस्थान रॉयल्स - 170 रन,
समीर रिजवी - 160 रन,
हेनरिक क्लासेन-सनराइजर्स हैदराबाद - 100+ रन
वैभव सूर्यवंशी - 100+ रन
रोहित शर्मा-मुंबई इंडियंस 100+ रन

फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026, राउंड 9: वैशाली ने दिव्या को हराकर संयुक्त बढ़त बनाई

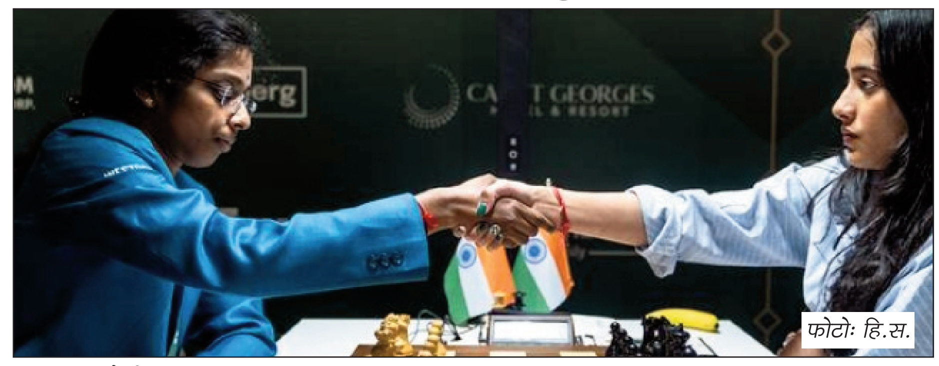
फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

आर. वैशाली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हमवतन दिव्या देशमुख को हराकर फिडे कैंडिडेट्स 2026 के राउंड 9 के बाद शीर्ष स्थान पर संयुक्त बढ़त बना ली है। अब वह झू जिनर के साथ बराबरी पर हैं, जिन्होंने कातेरिना लाग्नो को मात दी। वैशाली ने दिव्या की सेंटर में की गई एक गलती का पूरा फायदा उठाया। दिव्या के Nd3 जैसे ओवरकमिटमेंट वाले मूव ने उनके पोजिशन को कमजोर कर दिया, जिससे सेंटर पर पकड़ ढीली पड़ गई और प्यादों में कमजोरी आ गई। इसके बाद Rxc6 और Bc7 जैसे मूव्स के जरिए वैशाली ने अपने क्वीन और रूक को सक्रिय किया और खुले फाइल्स व डायगोनल्स पर नियंत्रण बना लिया। 28.Rb1 से लेकर Rb7 तक वैशाली ने सातवीं रैंक पर घुसपैठ कर दी, कमजोर प्यादों को निशाना बनाया और समय के दबाव में आई दिव्या को आखिरकार हार मानने पर मजबूर कर दिया।

सिंदारोव और प्रज्ञानानंद ड्रॉ पर रुके

दूसरी ओर, आर. प्रज्ञानानंद ने वेई यी के खिलाफ आक्रामक खेल दिखाया। 32.Nd6 एक शानदार चाल रही, जिससे ब्लैक की संरचना पर दबाव बना। इसके बाद 35.Rxe4 के जरिए उन्होंने डबल अटैक किया और कई कमजोरियों को निशाना बनाया। हालांकि, निर्णायक बढ़त के लिए कोई ठोस प्यादा ब्रेक नहीं मिल सका और वेई यी ने मजबूत डिफेंस करते हुए मुकाबले को ड्रॉ पर समाप्त कराया। इधर, टेबल टॉपर जावोखिर सिंदारोव को लगातार दूसरी बार ड्रॉ से संतोष करना पड़ा, जब उन्होंने माथियास ब्लूबाउम के खिलाफ जीत की स्थिति गंवा दी। अन्य मुकाबलों में अनिश गिरि ने फैबियानो कारुआना को हराया, जबकि आंद्रेई एसिपेंको और हिकारू नाकामुरा के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा। महिला वर्ग में अन्ना म्यूजिचुक और तान झोंगयी के बीच बाजी बराबरी पर छूटी, जबकि अलेक्जांद्रा गोरयाच्किना और बिबिसारा अस्साउबायेवा ने भी अंक साझा किए।

गुजरात टाइटंस की धीमी ओवरगति के लिये गिल पर 12 लाख रुपए जुमार्ना

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल के मैच में धीमी ओवरगति के लिये 12 लाख रुपए जुमार्ना लगाया गया है । गुजरात ने बुधवार को एक रन से मुकाबला जीता जो आईपीएल के इस सत्र में उसकी पहली जीत है । आईपीएल ने एक विज्ञप्ति में कहा , दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ दिल्ली के अरूण जेटली स्टेडियम में हुए आईपीएल 2026 के मैच नंबर 14 के दौरान गुजरात टाइटंस की धीमी ओवरगति के लिये कप्तान शुभमन गिल पर जुमार्ना लगाया गया है । इसमें कहा गया , इस आईपीएल की आचार संहिता की धारा 2 . 22 के तहत उनकी टीम का पहला अपराध था जिसके लिये गिल पर 12 लाख रुपए जुमार्ना लगाया गया है ।

मेदवेदेव ने मोंटे कार्लो में बेरेत्तिनी से हार के बाद रैकेट सात बार फेंका

मोनाको। टेनिस कोर्ट पर अपने आक्रामक स्वभाव के लिए पहचाने जाने वाले दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव एक बार फिर विवादों में हैं। मोंटे कार्लो मास्टर्स में इटली के मातेओ बेरेत्तिनी के खिलाफ मिली करारी हार के बाद रूसी खिलाड़ी अपना आपा खो बैठे और उन्होंने गुस्से में अपना रैकेट एक-दो बार नहीं, बल्कि पूरे सात बार लाल क्लेकोर्ट पर पटका। इस हार के साथ ही मेदवेदेव का इस टूर्नामेंटमें सफर समाप्त हो गया है, लेकिन उनके इस व्यवहार ने खेल भावना पर एक नई बहस छेड़ दी है। वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 10वें स्थान पर काबिज दानिल मेदवेदेव के लिए यह मुकाबला किसी बुरे सपने जैसा रहा। लाल मिट्टी (क्लेकोर्ट) पर इस साल का अपना पहला मैच खेल रहे मेदवेदेव को मातेओ बेरेत्तिनी ने महज 49 मिनट में 6-0, 6-0 के स्कोर से धूल चटा दी। टेनिस की भाषा में इसे 'डबल बैगल' कहा जाता है, जो किसी भी शीर्ष स्तर के खिलाड़ी के लिए बेहद शर्मनाक माना जाता है। मुकाबले के दौरान मेदवेदेव अपनी लय हासिल करने के लिए संघर्ष करते दिखे। उन्होंने पूरे मैच में 5 डबल फॉल्ट किए, जिसने उनकी मुश्किलों को और बढ़ा दिया। वहीं दूसरी ओर, बेरेत्तिनी ने पूरे अनुशासन के साथ खेलते हुए एक भी डबल फॉल्ट नहीं किया और शुरुआत से ही मैच पर अपनी पकड़ बनाए रखी।

नए एशियन गेम्स क्रिकेट स्टेडियम में टी20 वर्ल्ड कप क्वालीफायर की मेजबानी करेगा जापान

एजेंसी (हि.स.)
टोक्यो/नागोया

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने घोषणा की है कि जापान में एशियन गेम्स के लिए बनाए गए नए क्रिकेट स्टेडियम में अगले महीने पहली बार पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले जाएंगे। बेसबॉल के लिए प्रसिद्ध जापान इस साल एशियन गेम्स 2026 की मेजबानी कर रहा है, जो 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक नागोया और ऐची क्षेत्र में आयोजित होंगे। इसी के लिए तैयार किया गया नया क्रिकेट मैदान अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी शुरूआत करेगा।

नागोया के पास निशिन में स्थित यह स्टेडियम 8 से 18 मई के बीच 2028 पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के ईस्ट एशिया-पैसिफिक क्वालीफायर मुकाबलों की मेजबानी करेगा। यह अब तक का सबसे बड़ा ईस्ट एशिया-पैसिफिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट होगा, जिसमें नौ टीमें भाग लेंगी। इस टूर्नामेंटके जरिए टीमें ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करेंगी। कुछ मुकाबले टोक्यो से करीब 100 किलोमीटर दूर सानो स्थित जापान क्रिकेट एसोसिएशन के मुख्यालय में भी खेले जाएंगे। जापान क्रिकेट एसोसिएशन के मुख्य संचालन अधिकारी एलन कर ने कहा कि यह जापान के लिए एक बड़ा अवसर है, जिससे वह बहु-स्थानों पर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटआयोजित करने की अपनी क्षमता दिखा सकता है। उन्होंने भरोसा जताया कि यह आयोजन ईएपी क्षेत्र की सर्वश्रेष्ठ टीमों को मंच देने के साथ-साथ एशियन गेम्स से पहले क्रिकेट को लेकर उत्साह भी बढ़ाएगा।

इस क्वालीफायर में मेजबान जापान के अलावा कुक आइलेंड्स, फिजी, इंडोनेशिया, पापुआ न्यू गिनी, फिलीपींस, दक्षिण कोरिया, समोआ और वनुआतु की टीमें हिस्सा लेंगी।

फोटोः हि.स.

डेविड मिलर की मंशा में कमी नहीं निकाल सकते : गावस्कर

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल के रोमांचक मैच में एक रन लेने से इनकार करने वाले दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज डेविड मिलर का बचाव करते हुए कहा कि उनकी मंशा में कमी नहीं निकाल सकते । जीत के लिये 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली को दो गेंद में दो रन की जरूरत थी लेकिन आखिरी ओवर की पांचवीं गेंद पर मिलर ने एक रन लेने से इनकार कर दिया । वह आखिरी गेंद पर चूके लेकिन एक रन के लिये भागे लेकिन जोस बटलर के थ्रो पर कुलदीप यादव रन आउट हो गए ।

गावस्कर ने कहा , डेविड मिलर बहुत अच्छा खेल रहा था और उसे खुद पर भरोसा था कि वह मैच फिनिश करेगा । उसकी मंशा में कमी नहीं निकाल सकते । प्रसिद्ध कृष्णा ने एक शानदार धीमा बाउंसर डाला जिसे वह खेल नहीं सका ।दबाव के हालात में ऐसा हो जाता है। क्रिकेटर से कमेंटेटर बने गावस्कर ने कहा कि दबाव के हालात में मैच की स्थिति को लेकर चौकस रहना काफी अहम है जो भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ 1986 में टाई रहे मैच में दिखाई थी ।चेन्नई में उस मैच में भारत 348 रन के लक्ष्य का पीछा कर रहा था । शास्त्री ने नाबाद 48 रन बनाये और सही समय पर एक रन लेकर भारत को 347 रन तक पहुंचाया जबकि आखिरी गेंद पर मनिंदर सिंह आउट हो गए । वह मैच ड्रॉ रहा । गावस्कर ने कहा , इसी समय पर मैच के हालात को लेकर जागरूक रहना जरूरी है ।मुझे इससे रवि शास्त्री का वह एक रन याद आता है जो 1986 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ उसने सही समय पर लेकर स्कोर बराबर कर दिया था ।

फोटोः हि.स.

दर्पण विशेष

विश्व होम्योपैथी दिवसः सीमाओं से परे उपचार और सामंजस्य का वैश्विक संदेश

होम्योपैथी दवाओं पर वर्षों से लोग भरोसा जताते आ रहे हैं। प्राकृतिक और सुरक्षित उपचार के रूप में इसे विश्वभर में अपनाया जाता रहा है। आज भी यह करोड़ों लोगों की पहली पसंद बनी हुई है। इसी के चलते प्रतिवर्ष अप्रैल के महीने में विश्व होम्योपैथी दिवस मनाया जाता है। ये दिन होम्योपैथी चिकित्सा प्रणाली की उपलब्धियों, महत्व और भविष्य की दिशा को समझने का अवसर भी है। इस दिन होम्योपैथिक चिकित्सक, संस्थान और विद्यार्थी मिलकर जागरूकता अभियान चलाते हैं। लोग इसके जरिए जान पाते हैं कि किस तरह होम्योपैथी आधुनिक जीवनशैली की चुनौतियों में भी लाभकारी सिद्ध हो सकती है।

क्या है होम्योपैथी

होम्योपैथी एक वैकल्पिक चिकित्सा प्रणाली है, जिसे जर्मन चिकित्सक डॉ. सैमुअल हैनीमैन ने विकसित किया। इसमें प्राकृतिक तत्वों से तैयार दवाओं का उपयोग किया जाता है। इसका मुख्य सिद्धांत है कि जैसा रोग, वैसा उपचार -यानी रोग का इलाज उसी तत्व से किया जाता है जो स्वस्थ व्यक्ति में उस रोग के लक्षण उत्पन्न कर सकता है।

विश्व होम्योपैथी का इतिहास

डॉ. सैमुअल हैनीमैन का जन्म 10 अप्रैल 1755 को जर्मनी में हुआ था। उन्होंने होम्योपैथी को विकसित कर दुनिया भर में इसे लोकप्रिय बनाया। विश्व होम्योपैथी दिवस उनके योगदान और चिकित्सा क्षेत्र में उनके नवाचार को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है।

कब मनाया जाता है विश्व होम्योपैथी दिवस

विश्व होम्योपैथी दिवस प्रति वर्ष 10 अप्रैल को मनाया जाता है। ये दिन होम्योपैथी के जनक डॉ. हैनीमैन की जन्मतिथि के अवसर पर मनाया जाता है। इस साल विश्व होम्योपैथी दिवस 2026 की मुख्य थीम 'होम्योपैथी के माध्यम से सामंजस्य - सीमाओं से परे उपचार' है। इस दिन का उद्देश्य होम्योपैथी के लाभों और महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना है। इसके माध्यम से लोग इस चिकित्सा प्रणाली के सुरक्षित और प्रभावशाली पहलुओं को समझ पाते हैं। यह दिवस होम्योपैथिक समुदाय को एक साथ लाकर चिकित्सा के आधुनिकीकरण और विस्तार की दिशा में प्रेरित करता है।

इतिहास के पन्नों में डॉ. हैनीमैन का योगदान

होम्योपैथी का इतिहास इसके जनक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनीमैन के संघर्ष और नवाचार से जुड़ा है। डॉ. हैनीमैन का जन्म 10 अप्रैल 1755 को जर्मनी में हुआ था। वे स्वयं एक एलोपैथिक डॉक्टर थे, लेकिन उस समय की पीड़ादायक उपचार विधियों से असंतुष्ट होकर उन्होंने एक ऐसी प्रणाली की खोज की जो कोमल और प्रभावशाली हो। उन्होंने जैसा रोग, वैसा उपचार के सिद्धांत को प्रतिपादित किया। उनके इसी क्रांतिकारी योगदान और चिकित्सा क्षेत्र में उनके नवाचार को सम्मानित करने के लिए उनकी जन्मतिथि यानी 10 अप्रैल को वैश्विक स्तर पर चुना गया है। आज यह पद्धति दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी चिकित्सा प्रणाली के रूप में स्थापित हो चुकी है।

होम्योपैथीः विज्ञान और विश्वास का संगम

होम्योपैथी केवल मीठी गोलियों का नाम नहीं है, बल्कि यह एक सूक्ष्म विज्ञान है। इसकी कुछ प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं। इसकी दवाएं पौधों, खनिजों और अन्य प्राकृतिक तत्वों से तैयार की जाती हैं। यह पद्धति शरीर की अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को जागृत करती है, जिससे रोगों का जड़ से निवारण होता है। सही मात्रा और विशेषज्ञ की देखरेख में लेने पर इन दवाओं के दुष्प्रभाव न के बराबर होते हैं। यह अन्य आधुनिक चिकित्सा प्रणालियों की तुलना में काफी सस्ती और सुलभ है।

परिचय और महत्व

होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के वैश्विक योगदान और महत्व को समर्पित एक विशेष दिन।

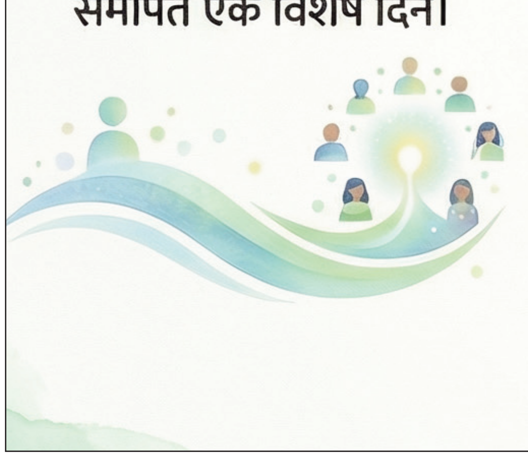

देशभर में आयोजनों की धूम

विश्व होम्योपैथी दिवस 2026 की पूर्व संध्या पर भारत के विभिन्न शहरों में कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू हो गया है। लखनऊ, ऋषिकेश, मथुरा और झज्जर जैसे शहरों से मिली रिपोर्टों के अनुसार, मेडिकल संस्थानों में विशेष सेमिनार और स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। एम्स ऋषिकेश में सेहत का संदेश गूँज रहा है, वहीं मथुरा में विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि इलाज हमेशा वैज्ञानिक पद्धति से करवाएं, न कि सोशल मीडिया के अधूरे ज्ञान से। आयुष मंत्रालय और केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहे हैं, जहाँ भविष्य की दिशा तय की जाएगी।

उद्देश्य

विश्व होम्योपैथी दिवस मनाने के पीछे मुख्य लक्ष्य निम्नलिखित हैं। जनमानस को होम्योपैथी की प्रभावकारिता और सुरक्षा के बारे में जानकारी देना ताकि वे इसे प्राथमिक चिकित्सा के रूप में अपना सकें।इस पद्धति को आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर कसने के लिए नए क्लीनिकल रिसर्च और डेटा संकलन को प्रोत्साहित करना। चिकित्सा जगत में होम्योपैथी के खिलाफ फैली भ्रांतियों को दूर करना और इसे मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवा से जोड़ना। एंटी-बायोटिक्स के बढ़ते प्रतिरोध के दौर में होम्योपैथी को एक सशक्त विकल्प के रूप में स्थापित करना।

महत्व

होम्योपैथी को आज दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी चिकित्सा पद्धति माना जाता है। इसका महत्व निम्नलिखित कारणों से है। यह केवल लक्षणों का इलाज नहीं करती, बल्कि रोगी की मानसिक स्थिति, शारीरिक बनावट और जीवनशैली को ध्यान में रखकर 'जड़' से इलाज करती है। होम्योपैथिक दवाएं प्राकृतिक पदार्थों (पौधों, खनिजों) से अत्यंत सूक्ष्म मात्रा में तैयार की जाती हैं, जिससे इनके दुष्प्रभाव न के बराबर होते हैं। यह गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के लिए भी सुरक्षित मानी जाती है। अन्य चिकित्सा पद्धतियों की तुलना में यह काफी सस्ती है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग के लिए सुलभ है। गठिया, त्वचा रोग, दमा और मानसिक विकारों जैसे पुराने रोगों में इसे विशेष रूप से असरदार माना जाता है।

चुनौतियां और समाधान

हालांकि होम्योपैथी का विस्तार तेजी से हुआ है, लेकिन इसे लेकर फैली भ्रांतियां और वैज्ञानिक डेटा की कमी अभी भी बड़ी चुनौतियां हैं। सम्मेलन में मौजूद वरिष्ठ चिकित्सकों का कहना है कि दवा देर से काम करती है जैसी धारणाएं गलत हैं। सही चुनाव होने पर होम्योपैथी तीव्र रोगों में भी त्वरित राहत देती है। सरकार अब 'इंटीग्रेटेड मेडिसिन' (एकीकृत चिकित्सा) मॉडल पर जोर दे रही है, जहां एक ही छत के नीचे एलोपैथी, आयुर्वेद और होम्योपैथी की सेवाएं मिल सकेंगी। इससे मरीज को यह चुनने की स्वतंत्रता होगी कि वह किस समस्या के लिए कौन सी पद्धति अपनाना चाहता है।

पुराने रोगों में 'रामबाण'

पिछले कुछ वर्षों में संक्रामक रोगों और अचानक आने वाली महामारियों के दौरान होम्योपैथी की भूमिका ने दुनिया का ध्यान खींचा है। सम्मेलन में शोधकताओं ने साक्ष्य प्रस्तुत किए कि कैसे 'इम्यून बूस्टर' के रूप में होम्योपैथिक दवाओं ने बड़े पैमाने पर आबादी की सुरक्षा की। विशेष रूप से जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों–जैसे मधुमेह, रक्तचाप, गठिया और त्वचा रोगों–में इस पद्धति की सफलता दर ने इसे 'पहली पसंद' बना दिया है। वैज्ञानिक सत्रों के दौरान डॉ. हैनीमैन की प्रसिद्ध कृति 'ऑगेनीन ऑफ मेडिसिन' का संदर्भ देते हुए यह स्पष्ट किया गया कि होम्योपैथी केवल 'बीमारी' का नहीं, बल्कि 'बीमार' का इलाज करती है। इसमें रोगी की शारीरिक और मानसिक स्थिति का समग्र विश्लेषण किया जाता है, जो इसे आधुनिक 'पर्सनलाइज्ड मेडिसिन' के समकक्ष खड़ा करता है।

भविष्य का विजन

आयुष मंत्रालय ने 2026-30 के लिए एक नई योजना साझा की है, जिसमें होम्योपैथी के वैज्ञानिक प्रमाणन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। प्रमुख शिक्षण संस्थानों में अनुसंधान के लिए नए केंद्र स्थापित किए जाएंगे। टेली-मेडिसिन और डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड के माध्यम से होम्योपैथी को घर-घर पहुँचाने की तैयारी है। भारतीय होम्योपैथिक दवाओं की शुद्धता और गुणवत्ता को वैश्विक मानकों के अनुसार तैयार कर निर्यात बढ़ाया जा रहा है।

मुख्य विषय (Theme)

सभी के लिए समग्र और सुलभ स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करने का लक्ष्य।

नायब सैनी 5 मई को कुरुक्षेत्र से विशेष ट्रेन को झंडी दिखाकर श्री हजूर साहिब नांदेड़ के लिए करेंगे रवाना

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने बताया कि हरियाणा सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत श्री हजूर साहिब नांदेड़, महाराष्ट्र के लिए 5 मई को कुरुक्षेत्र से विशेष ट्रेन रवाना होगी। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी इस ट्रेन को झंडी दिखाकर प्रदेश के विभिन्न जिलों से जाने वाली संगत को रवाना करेंगे। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ नागरिक, जिनकी आयु 60 वर्ष से अधिक है और उनकी पारिवारिक आय एक लाख 80 हजार रुपए से कम है, वे इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। योजना का लाभ उठाने के लिए सरल हरियाणा पोर्टल पर 15 अप्रैल तक पंजीकरण किया जा सकता है। पात्र व्यक्ति नजदीकी सीएससी सेंटर या अपने स्मार्ट फोन से सरल हरियाणा पोर्टल पर घर बैठे इस निःशुल्क यात्रा के लिए पंजीकरण कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत आवेदन करने के लिए कुछ आवश्यक दस्तावेज अनिवार्य किए गए हैं, जिनमें वैध फोटो पहचान पत्र (जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड या अन्य सरकारी आईडी), परिवार पहचान पत्र (पीपीपी), शारीरिक रूप से यात्रा के लिए फिट होने की स्वयं घोषणा तथा पिछले तीन वर्षों में योजना का लाभ न लेने की घोषणा शामिल है। उन्होंने पात्रता की जानकारी देते हुए बताया कि आवेदक का हरियाणा का निवासी होना और परिवार पहचान पत्र होना अनिवार्य है।

उन्होंने बताया कि वरिष्ठ नागरिक को एक सहायक को पूर्ण भुगतान पर साथ ले जाने की अनुमति है। वहीं 18 से 60 वर्ष आयु वर्ग या 1.80 लाख से अधिक आय वाले लोग इस योजना का लाभ पूर्ण भुगतान पर उठा सकते हैं। योजना के नियमों के अनुसार, कोई भी व्यक्ति हर तीन वर्षों में केवल एक बार ही इस सुविधा का लाभ ले सकता है। पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर संचालित इस योजना में आवेदन के लिए परिवार पहचान पत्र अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत यात्रियों के रहने, खाने और स्थानीय परिवहन की पूरी व्यवस्था सरकार द्वारा अपने स्तर पर की जाएगी। उन्होंने ने कहा कि आवेदन करने के उपरांत आवेदक को सूचना अपने-अपने जिला में स्थित जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय में अवश्य देनी होगी ताकि पात्र व्यक्तियों की सूचना रेलवे को समय पर भेजी जा सके। पंजीकृत व्यक्ति 16 अप्रैल से पहले यह सूचना डीआईपीआरओ कार्यालय में अवश्य दें।

- **मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना, तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड़ की निःशुल्क यात्रा के लिए वरिष्ठ नागरिक 15 अप्रैल तक करवाएं सरल पोर्टल पर पंजीकरणः उपायुक्त सतपाल शर्मा**
- **सीएससी सेंटर से करवा सकते है पोर्टल पर पंजीकरण**

बेटी बचाओ से नारी वंदन तकः बदलते भारत की सशक्त कहानीः रेखा शर्मा

पंचकूला । भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने वाला यह संवैधानिक संशोधन केवल एक कानून नहीं, बल्कि देश की करोड़ों माताओं, बहनों और बेटियों के सम्मान का राष्ट्रीय संकल्प है। दशकों तक महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व का विषय चर्चा में रहा, लेकिन उसे संवैधानिक स्वरूप देने का साहसिक निर्णय नहीं लिया गया। आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह सपना साकार हुआ है। यह निर्णय स्पष्ट करता है कि महिला सशक्तिकरण अब केवल नारे तक सीमित नहीं, बल्कि शासन की प्राथमिकता बन चुका है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान ने देशभर में सामाजिक सोच को बदलने का कार्य किया। विशेष रूप से हरियाणा जैसे राज्य में, जहाँ कभी घटते लिंगानुपात को लेकर चिंता व्यक्त की जाती थी, आज वही प्रदेश बेटियों की उपलब्धियों के कारण देशभर में सम्मान प्राप्त कर रहा है। खेलों से लेकर शिक्षा और प्रशासनिक सेवाओं तक हरियाणा की बेटियाँ नई पहचान बना रही हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हुए मुझे देशभर की महिलाओं से मिलने और उनकी समस्याओं को समझने का अवसर मिला। मैंने अनेक माताओं की आँखों में यह सपना देखा कि उनकी बेटियाँ आगे बढ़ें, निर्णय लें और समाज का नेतृत्व करें।

उपायुक्त के निर्देश लोगों की समस्याएं हल करना सभी अधिकारियों की प्राथमिकता होनी चाहिए

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

डीसी ने समाधान शिविर में सुनी 18 जिलावासियों की अलग-अलग समस्याएं

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी उपायुक्तों के साथ समाधान शिविर में आई समस्याओं को विस्तार से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने इस दौरान समाधान शिविर में आए लोगों से बातचीत की व समस्याओं के समाधान के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बताया कि प्रदेश में समाधान शिविर लोगों की सुविधाओं के लिए लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने सभी उपायुक्तों को बिना विलंब व प्राथमिकता के आधार पर लोगों की समस्याओं को समाधान करने के निर्देश दिए। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने मुख्यमंत्री को बताया कि जनता की समस्याओं का समाधान शिविर में प्रमुखता से किया जा रहा है। सभी अधिकारी एक टीम के रूप में कार्य कर जिलावासियों की समस्याओं का समाधान कर रहे है। उपायुक्त ने लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर में 18 जिलावासियों की अलग अलग समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर समाधान के निर्देश दिए। मौली गांव में खेती के लिए बंद पड़े बिजली कनैक्शन को पुनः शुरू करवाने की मांग पर संज्ञान लेते हुए उपायुक्त ने यूएचबीवीएन के अधिकारी को मौके का मुआयना कर कल तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। श्री सतपाल शर्मा ने बूढ़नपुर निवासियों की मीट की दुकानों हटवाने की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए नगर निगम के संबंधित अधिकारी को मौके का मुआयना कर शाम तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि शहरी स्थानीय निकाय मंत्री के निर्देश है कि जिले में कोई भी गैर पंजीकृत मीट की दुकान न हो। उन्होंने नगर निगम को दुकानों के पंजीकरण को चैक करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि जिलावासियों की समस्याओं का समाधान करना सभी अधिकारियों की प्राथमिकता होनी चाहिए। इस मामले में कोताही की गुंजाइश नहीं है। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त निशा यादव, एसडीएम पंचकूला चंद्रकांत कटारिया, डीआरओ कुलदीप सिंह, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी विशाल पराशर, सीएम विंडो के एमिनेंट पर्सन जसमेर बंजारा, सत्यवान भारद्वाज, परमजीत सिंह, जिला बागवानी अधिकारी, एसीपी विक्रम सिंह, तहसीलदार, पब्लिक हेल्थ के कार्यकारी अभियंता समीर शर्मा, शहरी विकास प्राधिकरण के ईओ सुरेंद्र सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

नृत्य, संगीत और उत्साह का महाकुंभ बना विरासत 2026, छात्रों की ऊर्जा ने भरा रोमांच

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में वीरवार को दो दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव ह्यविरासत 2026ह्ल का आगाज हुआ। इस वार्षिक फेस्टिवल ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को आधुनिक अंदाज के साथ प्रस्तुत करते हुए हजारों छात्र-छात्राओं का मन मोह लिया। पहले दिन में नाटी, भांगड़ा, हरियाणवी, राजस्थानी, बॉलीवुड और हॉलीवुड सहित विविध नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हिमाचली और पंजाबी लोक संगीत ने महोत्सव को सांस्कृतिक गहराई दी। इसके अलावा हकीकत और स्वास्तिक बैंड के लाइव प्रदर्शन ने महोत्सव के माहौल को और भी उत्साहपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की प्रस्तुति और कलाकारों की ऊर्जा ने ह्यविरासत 2026ह्ल को यादगार बना दिया, और यह महोत्सव भारतीय संस्कृति के रंगों और रचनात्मकता का जीवंत प्रमाण बनकर उभरा।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुरभि गर्ग, उपायुक्त, एक्साइज एंड टैक्सेशन, चंडीगढ़ ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें यह देखकर बहुत खुशी हुई कि युवा अपने सांस्कृतिक विरासत के साथ सक्रिय रूप से जुड़कर उसे मनाने में भाग ले रहे हैं। ऐसे मंच सुनिश्चित करते हैं कि हमारी परंपराएं प्रासंगिक, जीवंत और आधुनिक जीवन में गहराई से जड़ी रहें। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने महोत्सव के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि विरासत महोत्सव हमारे संस्थान की समग्र शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो सांस्कृतिक सहभागिता को शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ जोड़ता है। उन्होंने कहा कि ऐसी पहलें छात्रों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और मजबूत पहचान विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। फेस्टिवल पहले दिन का समापन एक रोमांचक डीजे सत्र के साथ हुआ, जिसने दर्शकों को उत्साहित और दूसरे दिन के लिए रोमांचित कर दिया। रंगों और परंपराओं का यह महोत्सव शुक्रवार को और भी रोमांचक प्रदर्शन और प्रतियोगिताओं के साथ जारी रहेगा।

गृह-सह-स्वास्थ्य सचिव ने सेक्टर-34 एवं सेक्टर-11 स्थित नव निर्मित आयुष एकीकृत अस्पतालों की तैयारियों की समीक्षा की

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

श्री मंदीप सिंह बराड़, गृह-सह-स्वास्थ्य सचिव, यूटी चंडीगढ़ ने आज सेक्टर-34 एवं सेक्टर-11 स्थित आयुष एकीकृत अस्पतालों का दौरा कर इन स्वास्थ्य सुविधाओं की तैयारियों और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने वहां संचालित एलोपैथिक डिस्पेंसरी का भी निरीक्षण किया, ताकि आम जनता को प्रदान की जा रही एकीकृत स्वास्थ्य सेवाओं की समग्र समझ प्राप्त की जा सके। दौरे के दौरान गृह-सह-स्वास्थ्य सचिव ने उन्नत अधोसंरचना का विस्तृत निरीक्षण किया, जिसमें प्रयोगशाला, होम्योपैथी फामेर्सी, आयुर्वेदिक स्टोर, पंचकर्म चिकित्सा ओपीडी तथा डिस्पेंसरी कक्ष शामिल हैं। उन्होंने उपलब्ध कराई गई सुविधाओं की गुणवत्ता का आकलन किया तथा आयुष सेवाओं के सुचारू संचालन हेतु की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

श्री बराड़ ने दोनों स्थानों पर चिकित्सकों एवं स्टाफ सदस्यों से संवाद कर जमीनी स्तर पर तैयारियों, संसाधनों की उपलब्धता तथा सेवा वितरण प्रणाली का मूल्यांकन किया। उन्हें अवगत कराया गया कि इन केंद्रों के औपचारिक उद्घाटन के पश्चात शीघ्र ही पंचकर्म चिकित्सा सहित उन्नत आयुष सेवाएं प्रारंभ की जाएंगी। गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के महत्व पर बल देते हुए श्री बराड़ ने अधिकारियों को स्वच्छता, रोगी देखभाल तथा कार्यकुशलता के उच्च मानकों को बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी तैयारियों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने पर जोर दिया, ताकि ये सुविधाएं बिना किसी विलंब के पूर्ण रूप से कार्यशील हो सकें और प्रारंभ से ही जनता को प्रभावी सेवाएं प्रदान कर सकें।

दौरे के दौरान श्री सौरभ कुमार अरोड़ा, निदेशक, आयुष; डॉ. सुमन सिंह, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं; श्री सी.बी. ओझा, मुख्य अभियंता सहित चंडीगढ़ प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। यह पहल प्रशासन की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को सुदृढ़ करने तथा चंडीगढ़ के निवासियों को समग्र एवं एकीकृत स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

संक्षिप्त-समाचार

उपभोक्ता कष्ट निवारण समिति द्वारा बिजली से सम्बंधित शिकायतों के निवारण के लिए आज सभा का आयोजन

पंचकूला। उपभोक्ताओ की बिजली से सम्बंधित शिकायत निवारण हेतु चेयरमैन, उपभोक्ता कष्ट निवारण फोरम द्वारा कल 10 अप्रैल को सुबह 11 बजे से 4 बजे तक सी.जी.आर.एफ. के कार्यालय फ्लेट नंबर- 520, पॉवर कॉलोनी, पंचकूला में एक सभा आयोजित की जाएगी। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के एक प्रवक्ता ने बताया की इस बैठक में बिजली से सम्बंधित वे समस्याएँ, जिनका स्थानीय अधिकारियों से मिलने के उपरांत भी कोई समाधान नहीं हो पा रहा है, ऐसे सभी उपभोक्ता अपनी समस्याओं को इस फोरम के समक्ष रख सकते हैं। यहाँ केवल पंचकूला के उपभोक्ताओं की बिजली से सम्बंधित शिकायत का निवारण किया जाएगा। उन्होंने सभी उपभोक्ताओं से अनुरोध किया की फोरम के समक्ष निर्धारित समय पर सी.जी.आर.एफ. के कार्यालय फ्लेट नंबर- 520, पॉवर कॉलोनी, पंचकूला में पहुंचकर अपनी बिजली से सम्बंधित समस्याओं एवं शिकायतों का शीघ्र निपटारा करवाएं। उन्होंने बताया कि इस दौरान विशेषकर बिजली चोरी और कोर्ट केस से सम्बंधित किसी भी प्रकार की समस्याओं एवं शिकायतों पर फोरम द्वारा विचार नहीं किया जायेगा ।

निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत जिले के चारों खंडों की बीपीआईयू सम्पन्न

पंचकूला। निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत जिले के चारों खंडों में ब्लॉक प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन यूनिट की मार्च माह की मासिक बैठकों का आयोजन सम्बंधित खंड शिक्षा अधिकारियों की अध्यक्षता में समापन हो गया जिसमें जिला फएलएन समन्वयक एवं जिला पंचकूला में निपुण के नोडल अधिकारी असिन्द्र कुमार भी विशेष रूप से उपस्थित रहे । बैठकों का आयोजन खंड पिंजौर में खंड शिक्षा अधिकारी कर्मवीर शर्मा, बरवाला में नरेन्द्र मलिक,मोरनी में शालिनी कपूर व रायपुर रानी में जिला फएलएन समन्वयक असिन्द्र कुमार की अध्यक्षता में बीपीआईयू का आयोजन किया गया जिसमें ब्लॉक कोऑर्डिनेटर अंजली चहल, सविता,व शोभना नें पीपीटी के माध्यम से क्लस्टर व विद्यालय वार एनरोलमेंट प्रगति, मेटर,मॉनिटर विजिट कंप्लायंस,कक्षा कक्ष तैयारी, फाउंडेशनल लर्निंग स्टडी की तैयारियों को विस्तार से प्रस्तुत किया। खंड बरवाला की बीपीआईयू में राजकीय प्राथमिक परवाला के अध्यापक कमल सिंह को क्विज में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित भी किया गया प्रत्येक बैठक में सम्बंधित खंड के समस्त ब्लॉक फ एल एन कोऑर्डिनेटर व मेंटोर्स उपस्थित रहे ।

विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर निःशुल्क आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

चंडीगढ़। विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर आयुष निदेशालय, चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा 9 अप्रैल को आयुष एकीकृत अस्पताल, सेक्टर-34, चंडीगढ़ में निःशुल्क आयुष स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य समग्र स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देना तथा आम जनता, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों में होम्योपैथी के लाभों के प्रति जागरूकता फैलाना था। इस शिविर को अत्यंत उत्साहजनक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई, जिसमें लगभग 150 मरीजों ने विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। होम्योपैथी, आयुर्वेद तथा यूनानी ओपीडी के माध्यम से व्यापक परामर्श सेवाएं प्रदान की गईं, जिसमें जेरियाट्रिक (वरिष्ठ नागरिक) वर्ग पर विशेष ध्यान दिया गया। लाभार्थियों को निःशुल्क जांच सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं, जिनमें ब्लड शुगर परीक्षण, रक्तचाप (बीपी) जांच तथा बोन डेंसिटी आकलन शामिल थे। समग्र स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित करते हुए योग प्रदर्शन सत्र का भी आयोजन किया गया, जिससे प्रतिभागियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम को और अधिक रोचक एवं सहभागितापूर्ण बनाने हेतु वरिष्ठ नागरिकों के लिए मनोरंजक गतिविधि सत्र आयोजित किया गया।

आंगनवाड़ी में उत्साह के साथ शुरू हुआ पोषण पखवाड़ा

चंडीगढ़। पोषण पखवाड़ा के प्रथम दिवस को सभी 450 आंगनवाड़ी केंद्रों में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस दौरान समुदाय में पोषण एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता फैलाने पर विशेष जोर दिया गया। मुख्य गतिविधियों के अंतर्गत सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में पोषण शपथ दिलाई गई, ताकि बेहतर पोषण और स्वास्थ्य के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को प्रोत्साहित किया जा सके। विशेष कार्यक्रमों के तहत पलसोरा में ह्लदादी-नानी के अनुभवों से पोषण एवं स्वास्थ्य संदेश का आयोजन किया गया, जबकि आर.सी. धनास-क में पोषण पे चर्चाह्व कार्यक्रम टॉक शो, समूह चर्चा एवं पंचायत सभाओं के रूप में आयोजित किया गया, जिससे पोषण संबंधी महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता बढ़ाई जा सके। इसके साथ-साथ विभिन्न सहायक गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं, जिनमें युवा समूह बैठकों का आयोजन, मोटे अनाज (मिलेट्स) के उपयोग को बढ़ावा देना, घर-आधारित किचन गार्डन को प्रोत्साहित करना तथा घर-घर जाकर दैनिक आहार में मिलेट्स के उपयोग के लिए प्रेरित करना शामिल रहा। आंगनवाड़ी केंद्रों को शिक्षण केंद्र के रूप में भी प्रोत्साहित किया गया, जिसमें शिशुओं को प्रारंभिक स्तनपान पर विशेष बल दिया गया।

पंचकूला में आठवें पोषण पखवाड़ा का शुभारंभ, उपायुक्त सतपाल शर्मा की अध्यक्षता में जागरूकता अभियान की शुरूआत

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचकूला द्वारा आठवें पोषण पखवाड़ा का शुभारंभ आज उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर आयोजित बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास, पंचकूला डॉ. सविता नेहरा, सभी महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी, जिला पोषण समन्वयक एवं सभी सुपरवाइजर्स भी बैठक में मौजूद रहे। बैठक में जिले में पोषण संबंधी जागरूकता को बढ़ावा देने तथा विभिन्न गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में अवगत कराया गया कि 9 अप्रैल 2026 से 23 अप्रैल 2026 तक जिले भर में पोषण पखवाड़ा मनाया जाएगा। इस अवधि के दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों एवं समुदाय स्तर पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम, पोषण संबंधी गतिविधियां, स्वास्थ्य जांच एवं जन-भागीदारी आधारित अभियानों का आयोजन किया जाएगा, जिससे आमजन विशेषकर गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एवं बच्चों में सही पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। साथ ही, पोषण से संबंधित आईईसी सामग्री भी वितरित की गई।

जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास, पंचकूला डॉ. सविता नेहरा द्वारा सभी विभागों को संबोधित करते हुए आगामी 15 दिनों में आयोजित की जाने वाली पोषण पखवाड़ा की गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही जिला पोषण समन्वयक श्रीमती मीनू द्वारा भी विभिन्न गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने निर्देश दिए कि सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी आपसी समन्वय के साथ इस अभियान को जन-आंदोलन का रूप दें तथा अधिक से अधिक लोगों तक पोषण का संदेश पहुंचाएं। उन्होंने विशेष रूप से जमीनी स्तर पर गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन एवं नियमित मॉनिटरिंग पर बल दिया।

इस अवसर पर कुपोषण मुक्त समाज के निर्माण हेतु पोषण पखवाड़ा की शपथ माननीय उपायुक्त महोदय द्वारा दिलाई गई। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद, पंचकूला, सिविल सर्जन, पंचकूला, कार्यकारी अभियंता, पंचायती राज, पंचकूला, जिला शिक्षा अधिकारी, पंचकूला, जिला आयुष अधिकारी, पंचकूला, हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी, पंचकूला, विभिन्न एनजीओ तथा रॉकेट लर्निंग की टीम भी उपस्थित रही। बैठक में यह संकल्प लिया गया कि पोषण पखवाड़ा के माध्यम से जिले में कुपोषण को दूर करने तथा स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में ठोस प्रयास किए जाएंगे।

घोटालों में उलझी सरकार को किसानों की कोई सुध नहींः सुधा भारद्वाज

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

हरियाणा प्रदेश महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सुधा भारद्वाज ने प्रदेश सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान सरकार घोटालों में लिप्त है और किसानों की समस्याओं की ओर पूरी तरह से आंखें मूंदे हुए है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का किसान आज भारी संकट से गुजर रहा है, लेकिन सरकार उसकी सुध लेने के बजाय अपनी नाकामियों को छिपाने में लगी हुई है। सुधा भारद्वाज ने कहा कि किसानों को फसल का उचित मूल्य नहीं मिल रहा, मंडियों में व्यवस्थाएं बदहाल हैं और प्राकृतिक आपदाओं से हुए नुकसान का मुआवजा भी समय पर नहीं दिया जा रहा। इसके बावजूद सरकार किसानों के हित में कोई ठोस कदम उठाने में असफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियां किसान विरोधी हैं, जिसके चलते खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। किसान कर्ज के बोझ तले दबता जा रहा है और आत्मनिर्भर बनने के बजाय मजबूरी में संघर्ष कर रहा है। सुधा भारद्वाज ने सरकार से मांग की कि किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए, उन्हें उचित समर्थन मूल्य दिया जाए और फसल नुकसान का शीघ्र मुआवजा सुनिश्चित किया जाए। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए, तो कांग्रेस पार्टी किसानों के साथ मिलकर आंदोलन करने को मजबूर होगी।

स्वास्थ्य सचिव ने चंडीगढ़ में क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट्स अधिनियम के क्रियान्वयन की समीक्षा की

चंडीगढ़ क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट्स काउंसिल की बैठक आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

संघ शासित प्रदेश, चंडीगढ़ की क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट्स काउंसिल की बैठक यू.टी. सचिवालय, चंडीगढ़ में श्री मंदीप सिंह बराड़, आईएएस, सचिव स्वास्थ्य, चंडीगढ़ प्रशासन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में निदेशक आयुष, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के अध्यक्ष, भारत विकास परिषद के प्रतिनिधि, डेंटल एवं फामेर्सी काउंसिल के रजिस्ट्रार तथा क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट्स काउंसिल, यू.टी. चंडीगढ़ के अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान 5 सितम्बर 2025 को आयोजित पिछली बैठक की कार्यवाही पर की गई कार्रवाई रिपोर्ट की समीक्षा की गई। इस अवसर पर डॉ. सुमन सिंह, निदेशक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, गवर्नमेंट मल्टी-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल चंडीगढ़ द्वारा क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट्स (पंजीकरण एवं विनियमन) अधिनियम, 2010 के क्रियान्वयन की स्थिति पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई।

सचिव स्वास्थ्य, चंडीगढ़ प्रशासन ने निर्देश दिए कि क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट्स (पंजीकरण एवं विनियमन) अधिनियम, 2010 के तहत यू.टी. चंडीगढ़ के अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी निजी एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों—जैसे क्लिनिक, प्रयोगशाला, डायग्नोस्टिक सेंटर, अस्पताल एवं नर्सिंग होम—का पंजीकरण अनिवार्य किया जाए।

अध्यक्ष द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि यू.टी. चंडीगढ़ के सभी क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट्स में उपलब्ध सुविधाओं तथा विभिन्न सेवाओं के लिए निर्धारित शुल्क की दरों को स्थानीय भाषा एवं अंग्रेजी दोनों में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया जाए, ताकि मरीजों को पारदर्शिता एवं सुविधा सुनिश्चित की जा सके।

सेक्टर-25 स्थित बाल देखभाल संस्थानों का राज्य स्तरीय निरीक्षण; कल्याण, शिक्षा एवं कौशल विकास पर विशेष जोर

चंडीगढ़। सामाजिक कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा आज सेक्टर-25 स्थित ऑब्जर्वेशन होम, स्पेशल होम तथा प्लेस ऑफ सेफ्टी (बालक) का राज्य स्तरीय निरीक्षण किया गया, जहां विधि से संघर्षरत बच्चों को रखा जाता है। यह निरीक्षण डॉ. पालिका अरोड़ा, निदेशक, महिला एवं बाल विकास की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। निरीक्षण दल में श्री श्री रजनीश कुमार, सदस्य, चंडीगढ़ बाल अधिकार संरक्षण आयोग; डॉ. सतिंदर कौर सचदेवा, सदस्य, किशोर न्याय बोर्ड; सुश्री बिस्मन आहूजा, प्रोग्राम मैनेजर, स्टेट एडॉप्शन रिसोर्स एजेंसी; डॉ. विनीता अरोड़ा, सदस्य, बाल कल्याण समिति; तथा डॉ. देविना सिंह, शिशु रोग विशेषज्ञ, स्वास्थ्य सेवाएं विभाग, चंडीगढ़ शामिल रहे। समिति ने संस्थान में रखे गए अभिलेखों का विस्तृत निरीक्षण किया, जिसमें बच्चों की केस फाइलें एवं

काउंसलिंग रजिस्टर शामिल थे। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि बच्चों को पौष्टिक भोजन, आयु-उपयुक्त मनोरंजक गतिविधियां प्रदान की जा रही हैं तथा वे शैक्षणिक कक्षाओं में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। सभी बच्चों का औपचारिक एवं अनौपचारिक शिक्षा प्रणाली में नामांकन सुनिश्चित किया गया है। संस्थान द्वारा बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य का भी समुचित ध्यान रखा जा रहा है, जिसके तहत स्वास्थ्य सेवाएं विभाग के मनोवैज्ञानिकों एवं चिकित्सकों द्वारा नियमित दौरे किए जाते हैं। निरीक्षण के दौरान निदेशक महोदया ने संस्थान में चल रहे व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों—जैसे इलेक्ट्रिकल, कंप्यूटर एवं मोबाइल रिपेयरिंग—के अतिरिक्त आईटीआई पाठ्यक्रम प्रारंभ करने का प्रस्ताव भी रखा, ताकि बच्चों को अधिक रोजगारोन्मुख कौशल प्रदान कर उनके भविष्य को सुदृढ़ किया जा सके। चंडीगढ़ प्रशासन बच्चों के लिए सुरक्षित, संवेदनशील एवं पुनवासीन्मुख वातावरण सुनिश्चित करने तथा उनके समग्र विकास के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है।